Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शनिवार
03.10.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 338
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

घायल हालत में भी डटे रहे कैप्टन स्मित मच्छार, पीएम के साथ फोन पर बातचीत में हुए भावुक

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से फोन पर बात कर उनके साहस और सूझबूझ की सराहना की। बातचीत के दौरान कैप्टन मच्छार ने विमान के कॉकपिट में हुए भयावह घटनाक्रम के बारे में प्रधानमंत्री को बताया। इस दौरान वह भावुक हो गए। वीडियो कॉल पर कैप्टन मच्छार ने बताया कि कई चोटें लगने के बाद वह खुद जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे थे लेकिन उन्हें एहसास था कि विमान में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उनके ऊपर है। इसी हिम्मत के साथ उन्होंने संकट की स्थिति में कार्रवाई की और यात्रियों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संकट के बीच हनुमान चालीसा का सहारा : प्रधानमंत्री मोदी ने जब उनसे पूछा कि इतनी गंभीर स्थिति में उन्हें इतनी हिम्मत कहां से मिली तो कैप्टन मच्छार ने बताया कि दर्द या मुश्किल समय में वह नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। उन्होंने कहा कि घटना के दौरान भी वह लगातार हनुमान चालीसा का पाठ करते रहे और उन्हें विश्वास है कि भगवान हनुमान ने उन्हें यात्रियों की रक्षा करने का साहस दिया।

प्रधानमंत्री से बात करते हुए भावुक हुए कैप्टन स्मित : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार भावुक हो गए। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि हादसे में घायल होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विमान का दरवाजा खोलकर यात्रियों की जान बचाने की कोशिश की।

कैप्टन स्मित अपनी आपबीती बताते हुए भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उनकी बात सुनकर प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी हिम्मत और साहस की सराहना की।

"हम भारतीय जान लेने वाले नहीं, जान बचाने वाले लोग हैं" : प्रधानमंत्री मोदी ने कैप्टन मच्छार के साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि पूरे देश को उन पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम भारतीय किसी की जान लेने वाले लोग नहीं हैं, हम जान बचाने वाले लोग हैं।" प्रधानमंत्री मोदी ने कैप्टन मच्छार की मां गीता के प्रति भी सम्मान व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने बेटे को मजबूत सांस्कृतिक मूल्यों के साथ संस्कारित किया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार ने 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफ जेड 1073 के दौरान सूझबूझ और अदम्य साहस का परिचय देते हुए विमान में सवार लगभग 180 यात्रियों की जान बचाई। संकट के दौरान कैप्टन मच्छार ने घायल होने के बावजूद स्थिति को संभालने और विमान में मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया।

कैप्टन स्मित को 'अशोक चक्र' देने की मांग, देवड़ा ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। शिवसेना राज्यसभा सांसद और अधीनस्थ विधान समिति के अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में अदम्य साहस का परिचय देकर 174 यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को शांतिकाल के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र' से सम्मानित करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कैप्टन मच्छर की असाधारण बहादुरी को औपचारिक रूप से मान्यता देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में देवड़ा ने कहा कि मुंबई में जन्मे कैप्टन स्मित मच्छर ने हवा में उत्पन्न अप्रत्याशित और गंभीर संकट के दौरान जिस सूझबूझ और साहस का परिचय दिया, वह उनके पेशेवर दायित्वों से कहीं आगे का कर्तव्य था। उड़ान के दौरान सह-पायलट द्वारा कथित रूप से विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश के बीच कैप्टन मच्छर पर कॉकपिट में हमला किया गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। देवड़ा ने पत्र में कहा कि गंभीर चोटों के बावजूद कैप्टन मच्छर ने हिम्मत नहीं हारी और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इससे विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को स्थिति में हस्तक्षेप करने का अवसर मिला और एक बड़े विमान हादसे को टाला जा सका।

मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

एजेंसी, मुंबई । कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर महाराष्ट्र के मुंबई के शिवाजी पार्क (गेट नंबर 6) पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले शुक्रवार को शिवाजी पार्क और दादर रेलवे स्टेशन के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने सीजेपी को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है, इसके बावजूद सीजेपी ने शाम को यहां प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिवाजी पार्क और दादर स्टेशन के आसपास संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और रेलवे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। शिवाजी पार्क के प्रमुख प्रवेश द्वार पर बैरिकेडिंग की गई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए महिला पुलिसकर्मियों समेत अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भी तैनात किया गया है। स्थानीय निवासियों के एक वर्ग ने रिहायशी इलाके में प्रदर्शन से रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका जताई है। इससे पहले शुक्रवार को सीजेपी के संयोजक अभिजीत दिपके ने महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर दक्षिण मुंबई में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

कई कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय युवा कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को यहां प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा चुनाव आयोग कार्यालय की ओर मार्च करने का प्रयास किया। हालांकि दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर उदय भानु चिब ने कहा कि चुनाव आयोग देश की सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक संस्थाओं में से एक है, लेकिन उसकी निष्पक्षता को लेकर जनता के मन में लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हों तो मुख्य चुनाव आयुक्त को सामने आकर जवाब देना चाहिए और पद पर बने रहने के बजाय इस्तीफा देना चाहिए। चिब ने कहा कि चुनाव आयोग किसी सरकार या राजनीतिक दल की निजी संस्था नहीं है, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ी संस्था है। उन्होंने कहा कि इसकी विश्वसनीयता और निष्पक्षता से जुड़े सवालों का जवाब देना मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी है और जवाबदेही से बचना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुकूल नहीं माना जा सकता। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यालय से चुनाव आयोग की ओर मार्च कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने बीच रास्ते में रोक लिया। इसके बाद कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन में दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा, हरियाणा युवा कांग्रेस अध्यक्ष निशित कटारिया, राष्ट्रीय महासचिव हरि कृष्णा, खुशबू शर्मा, मितेंद्र दर्शन सिंह, राष्ट्रीय सचिव सत्यवान गहलोत, परमिंदर सिंह पम्मी, हनवरन कंसाना सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर दिल्ली मेट्रो ने 11 स्टेशन पर बंद की आवाजाही

एजेंसी, नई दिल्ली । नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) और कुछ छात्र संगठनों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो ने शुक्रवार को राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय तथा जंतर-मंतर के नजदीक स्थित पटेल चौक सहित 11 मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास बंद कर दिया है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि जनपथ, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय, राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस, लोक कल्याण मार्ग, आईएनए, चावड़ी बाजार, रामकृष्ण आश्रम मार्ग और नयी दिल्ली स्टेशनों पर प्रवेश व निकास अगले आदेश तक बंद रहेगा।

गुजरात में 'नो यूपीआई डे': एमडीआर चार्ज के विरोध में 600 से अधिक व्यापारी संगठनों का विरोध

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात में व्यापारियों ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में 'नो यूपीआई डे' के तहत अपना विरोध दर्ज कराया। राज्य के करीब 600 से अधिक व्यापारी संगठनों के इस अभियान से जुड़ने का दावा किया गया है। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट सहित विभिन्न शहरों में कई व्यापारियों ने दुकानों पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड और भुगतान मशीनों को काले कपड़े से ढंककर ग्राहकों से नकद भुगतान करने की अपील की। व्यापारी संगठनों की ओर से प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था को लेकर आपत्ति जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 से प्रस्तावित व्यवस्था में 2,000 तक के कुछ मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं लगेगा, जबकि निर्धारित श्रेणियों में 2,000 से अधिक के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत तक एमडीआर लागू होने की बात कही गई है। कुछ पूंजी बाजार और म्यूचुअल फंड से जुड़े लेनदेन के लिए अलग दरों का भी उल्लेख किया गया है। वडोदरा के मर्चेंट एसोसिएशन के भरत चौहान ने कहा कि यदि यह नियम लागू होता है तो अंततः इसका आर्थिक बोझ ग्राहकों पर बढ़ सकता है। उन्होंने सरकार से इस नियम को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को नागरिकों को दशहरा और दीपावली के अवसर पर यह राहत देनी चाहिए। चौहान के अनुसार व्यापारियों को डिजिटल भुगतान व्यवस्था से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से कारोबार की लागत बढ़ सकती है। उनका कहना है कि इस मुद्दे पर सरकार को व्यापारियों की चिंताओं पर विचार करना चाहिए। व्यापारी संगठनों के इस विरोध के तहत कई दुकानों पर 'नो यूपीआई डे' के पोस्टर लगाए गए। ऑटोमोबाइल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, ज्वेलरी सहित विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े कारोबारियों ने एमडीआर को पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। व्यापारी संगठनों की ओर से यह भी दावा किया गया कि एक दिन के विरोध के कारण करीब 50 करोड़ के कारोबार पर असर पड़ने की संभावना है।

हरिद्वार में छह लोगों ने अपनाया सनातन धर्म

एजेंसी, हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार के चंडीघाट स्थित तीर्थ सेवा न्यास आश्रम में छह लोगों के सनातन धर्म अपनाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। न्यास के अनुसार, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के एक ही परिवार के पांच सदस्यों और सहारनपुर निवासी एक युवक ने मुस्लिम धर्म छोड़कर सनातन धर्म अपनाने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान गंगा के तट पर गंगा स्नान और पूजन के बाद यज्ञ-हवन तथा शुद्धि संस्कार कराया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी का नामकरण किया गया। कार्यक्रम तीर्थ सेवा न्यास के अध्यक्ष तीर्थाचार्य संत राम विशाल दास महाराज के सानिध्य में हुआ। न्यास के संरक्षक बाबा हठयोगी महाराज, आचार्य कुलदीप विद्यार्थी, आचार्य मुकेश शास्त्री समेत कई संत-महात्मा मौजूद रहे। हवन और धार्मिक अनुष्ठानों के बाद नवदीक्षित सदस्यों का पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। न्यास के अनुसार, पीलीभीत निवासी माहिद अपनी पत्नी सबीना बीबी और तीन बच्चों रिहान, आरव व इनाया के साथ हरिद्वार पहुंचे थे। परिवार ने सनातन धर्म में लौटने की इच्छा जताई। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद माहिद का नाम मोहित, सबीना का खुशी, दोनों पुत्रों के नाम रोशन और रोहन तथा पुत्री का नाम अनन्या रखा गया। वहीं, सहारनपुर निवासी इब्राहिम को नया नाम विराट पुंडीर दिया गया। तीर्थ सेवा न्यास की ओर से सभी छह लोगों को घर वापसी प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

पीएम मोदी के प्रयासों पर पुतिन को भरोसा, बोले- यूक्रेन संकट के समाधान के लिए उनके पास अच्छे विचार

एजेंसी, इस्त्रा शहर, (मॉस्को)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की है। पुतिन ने कहा कि मोदी लगातार संघर्ष को समाप्त करने की जरूरत पर जोर देते हैं और उनके पास ऐसा समाधान तलाशने के लिए "बहुत अच्छे विचार" हैं, जिसे दोनों पक्ष स्वीकार कर सकें। पुतिन ने यह टिप्पणी वल्दाई डिस्कशन क्लब की 23वीं वार्षिक बैठक के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री रूस के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के बावजूद यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं। पुतिन ने मोदी की शांतिपूर्ण समाधान की इच्छा के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। पुतिन के अनुसार, मोदी की रुचि संघर्ष को जल्द समाप्त करने और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशने में है। उन्होंने भारत की स्थिति को तटस्थ बताते हुए कहा कि नई दिल्ली संघर्ष के अंत में वास्तविक रुचि रखती है। अपने संबोधन में पुतिन ने मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में हो रहे व्यापक बदलावों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक, ऊर्जा, जलवायु, चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। उनके मुताबिक, इन बदलावों के साथ नए अवसरों के साथ-साथ गंभीर जोखिम भी पैदा हो रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और मौजूदा वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को दुनिया की मौजूदा वास्तविकताओं और विभिन्न क्षेत्रों के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करना चाहिए। पुतिन ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के उभरने का भी उल्लेख किया और कहा कि भविष्य की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य पूर्व की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की प्रक्रिया लंबी और जटिल होगी तथा इसमें कई अनिश्चितताएं बनी रहेंगी।

महाराष्ट्र के समृद्धि महामार्ग पर ट्रक और पिकअप वाहन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हुई

एजेंसी, अमरावती । महाराष्ट्र के अमरावती जिले में धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर शुक्रवार तड़के ट्रक और बोलेरो पिकअप वाहन के बीच हुई भीषण टक्कर में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। हादसे में 18 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा समृद्धि महामार्ग के चैनल नंबर 97 के पास उस समय हुआ, जब वर्धा के सिंधी मेघे क्षेत्र के सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव समिति के कार्यकर्ता शेगांव से दुर्गामाता की प्रतिमा लेकर वर्धा लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में करीब 20 से 25 लोग सवार थे। बताया गया है कि महाराष्ट्र नंबर की बोलेरो पिकअप वाहन में 14 फुट ऊंची दुर्गामाता की प्रतिमा रखी थी। पिकअपवाहन पीछे से आ रहे छत्तीसगढ. नंबर के 12 पहियों वाले ट्रक की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ लोग सड़क किनारे जा गिरे। पुलिस के अनुसार, हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो और लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान घनश्याम पाटील, प्रवीण बकाने, गोलू बादलगवार, ओम गावंडे, दत्ताजी खुरसागे, रोशन राऊत और मुनेश्वर ढोले के रूप में हुई है। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तत्काल धामणगांव ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को वर्धा के सावंगी स्थित आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

सूरत से उदयपुर के बीच पहली वंदे भारत ट्रेन शुरू, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी, सूरत

गांधी जयंती के अवसर पर दक्षिण गुजरात के यात्रियों को बड़ी रेल सुविधा मिली है। सूरत से उदयपुर के बीच शुक्रवार को पहली वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हुई है। सूरत को उदयपुर से जोड़ने वाली इस सेमी-हाईस्पीड ट्रेन को आज केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नियमित समय-सारणी के अनुसार ट्रेन सेवा 4 अक्टूबर से शुरू होगी। इससे सूरत और उदयपुर के बीच यात्रा का समय घटकर करीब 7 घंटे 30 मिनट रह जाएगा। ट्रेन संख्या 26903 सूरत से सुबह 6:10 बजे रवाना होकर दोपहर 1:40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर से दोपहर 3:35 बजे रवाना होगी और रात 11 बजे सूरत पहुंचेगी। मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन इस ट्रेन की नियमित सेवा उपलब्ध रहेगी। यात्रियों के लिए ट्रेन में दो श्रेणियां रखी गई हैं। चेयर कार (सीसी) का किराया 1,515 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेयर कार (ईसी) का किराया 2,720 रुपये निर्धारित किया गया है। ट्रेन संख्या 26903 की नियमित टिकट बुकिंग 1 अक्टूबर से आईआरसीटीसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और रेलवे स्टेशनों के पीआरएस काउंटरों पर शुरू की गई। यात्रा के दौरान ट्रेन गुजरात और राजस्थान के नौ प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें भरूच, वडोदरा, आणंद, महिसागर, असारवा, हिम्मतनगर, शामलाजी रोड, डूंगरपुर और जावर स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर ठहराव से दोनों राज्यों के यात्रियों, व्यापारियों और धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और बेहतर सीटिंग व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नई सेवा से सूरत और राजस्थान के बीच व्यापारिक गतिविधियों के साथ पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को भी गति मिलने की उम्मीद है।

नासा के स्पेसएक्स क्रू-13 ने रचा इतिहास, महज 7:55 घंटे में आईएसएस पहुंचा ड्रैगन

एजेंसी, वॉशिंगटन

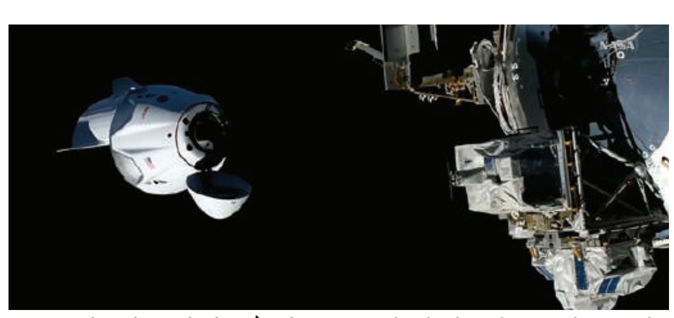

नासा का स्पेसएक्स क्रू-13 मिशन गुरुवार को रिकॉर्ड समय में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गया। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने लॉन्च के महज 7 घंटे 55 मिनट बाद आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट पर सफलतापूर्वक डॉकिंग की। नासा के अनुसार, यह आईएसएस के इतिहास में किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का सबसे तेज लॉन्च-टू-डॉकिंग समय है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, क्रू-13 मिशन को लेकर स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट गुरुवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:10 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन स्थित स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-40 से रवाना हुआ। ड्रैगन अंतरिक्ष यान में नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका वॉटकिंस और ल्यूक डेलानी, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) के अंतरिक्ष यात्री जोशुआ कुट्रिक तथा रूस की रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई टेटेरियाटनिकोव सवार थे। लॉन्च के बाद फाल्कन-9 का पहला चरण दूसरे चरण से अलग हुआ और सफलतापूर्वक केप कैनावेरल स्थित स्पेसएक्स के लैंडिंग जोन-40 में वापस उतरा। इसके बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान दूसरे चरण से अलग होकर अपनी कक्षा में पहुंचा और आईएसएस की ओर बढ़ा। ड्रैगन ने शाम 7:05 बजे पर आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट से डॉकिंग की। नासा ने बताया कि लॉन्च से डॉकिंग तक कुल समय 7 घंटे 55 मिनट रहा, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाला किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यान का अब तक का सबसे तेज सफर है। डॉकिंग के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने आवश्यक लीक चेक और प्रेशराइजेशन प्रक्रियाएं पूरी कीं। इसके बाद रात 9:19 बजे पर ड्रैगन का हैच खोला गया और चारों अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर पहुंचे। क्रू-13 अब आईएसएस पर मौजूद अभियान 75 दल में शामिल हो गया है।

तमिलनाडु में महिलाओं के लिए 'वेत्री पयणम' शुरू, मुख्यमंत्री विजय ने खुद बांटे मुफ्त बस यात्रा के टिकट

एजेंसी, चेन्नई । तमिलनाडु में महिलाओं के लिए विस्तारित मुफ्त बस यात्रा योजना 'वेत्री पयणम' शुक्रवार से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर चेन्नई के कोयम्बेडु बस टर्मिनल से योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 76बी चेन्नई-कांचीपुरम बस में सवार होकर महिला यात्रियों को अपने हाथों से मुफ्त यात्रा के टिकट दिए। 'वेत्री पयणम' के विस्तार के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा अब सरकारी बसों की अतिरिक्त श्रेणियों तक पहुंचाई गई है। योजना के दायरे में एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स बसों के साथ शहरों में संचालित सेवाएं तथा लंबी दूरी की सामान्य बसें और 40 किलोमीटर से अधिक के घाट मार्गों पर चलने वाली सामान्य बसें शामिल हैं। राज्य सरकार के अनुसार, विस्तारित योजना के तहत करीब 12,692 सरकारी बसों को शामिल किया गया है और इससे प्रतिदिन लगभग 84.32 लाख महिलाओं को लाभ मिलने का अनुमान है। योजना का उद्देश्य परिवहन खर्च के कारण महिलाओं की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी गतिविधियों तक पहुंच प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करना है।

छात्रा से दुष्कर्म के आरोप के बाद निजी स्कूल बंद, निदेशक और नाइट गार्ड गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

साहिबगंज : रांगा थाना क्षेत्र के दुर्गापुर स्थित संट जेवियर्स पब्लिक स्कूल के हॉस्टल में रहने वाली आठवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने स्कूल के नाइट गार्ड साहेबराम लोहरा और निदेशक जाफर शेख को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में स्कूल के प्रिंसिपल के फरार होने की बात भी सामने आई है। की आठवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप के बाद जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने स्कूल को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने छात्रावास खाली कराने को भी कहा है। निर्देश का पालन नहीं होने पर स्कूल को सील करने की कार्रवाई की बात कही गई है।

मामले में छात्रा के परिजनों की शिकायत पर रांगा थाना पुलिस ने स्कूल के नाइट गार्ड और निदेशक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। स्कूल का प्रिंसिपल फरार बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच पॉक्सो एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में की जा रही है।

शिक्षा विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच में स्कूल के संचालन और छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े कई बिंदुओं पर गंभीर सवाल सामने आए हैं। विभागीय जांच पूरी होने और सुरक्षा मानकों की पुष्टि होने तक स्कूल में किसी भी तरह की शैक्षणिक गतिविधि संचालित नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन स्कूल की मान्यता और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रहा है।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि नाइट गार्ड ने छात्रा के साथ कई बार दुष्कर्म किया और किसी को जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण छात्रा ने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसके गर्भवती होने की जानकारी मिली। इसके बाद परिवार को घटना का पता चला।

परिजनों ने स्कूल निदेशक पर भी मामले को दबाने का प्रयास करने और उन्हें चुप रहने के लिए दबाव देने का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, इसके बाद उन्होंने 29 सितंबर को रांगा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। जांच के आधार पर नाइट गार्ड और स्कूल निदेशक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच और कार्रवाई जारी है। छात्रा स्कूल के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी।

सीतारामडेरा में फायरिंग, दो आरोपी गिरफ्तार; हथियार और स्कूटी बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

जमशेदपुर : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के ओल्ड बाराद्वारी स्थित फुलबस्ती में गुरुवार देर रात मो. राजा पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साकची मस्जिद के पीछे रहने वाले उसमायलु और काशीडीह निवासी कोदू को पुलिस ने घटना के करीब दो घंटे के भीतर पकड़ लिया। दोनों की निशानदेही पर फायरिंग में इस्तेमाल पिस्तौल, एक जिंदा गोली और सफेद रंग की स्कूटी बरामद की गई है। घटनास्थल से तीन खोखे भी मिले हैं। वहीं, गोलमुरी टुइलाडूंगरी निवासी दशरथ शुक्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे की है। पुलिस के अनुसार, सफेद स्कूटी पर सवार दो युवकों ने घर के बाहर मोबाइल पर बात कर रहे मो. राजा पर चार से पांच राउंड फायरिंग की। राजा की बांह में दो गोलियां लगीं। उसे एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है। फायरिंग के बाद आरोपी एमजीएम अस्पताल मोड़ की ओर भाग निकले।

घायल राजा ने पुलिस को बताया कि शाम करीब सात से आठ बजे के बीच बाराद्वारी के देवनगर आश्रम के पास उसका उसमायलु और कोदू से विवाद हुआ था। राजा के अनुसार, विवाद के दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई। इसके बाद उसने दोस्तों को फोन कर मदद मांगी और वहां से घर लौट आया। उसका आरोप है कि रात में दोनों आरोपी सफेद स्कूटी से उसके घर पहुंचे और फायरिंग कर दी।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में फायरिंग की वजह आपसी रंजिश सामने आई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर घटना के पीछे की वजह और वारदात में अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास और पूर्व की गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

फायरिंग की सूचना मिलने के बाद एसएसपी डॉ. एहतेशाम वकारिब और सिटी एसपी ललित मीना देर रात सीतारामडेरा थाना पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर घटना की जानकारी ली और रात में होने वाले अपराधों पर नियंत्रण को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

गौरतलब है कि गुरुवार को ही डीजीपी तदाशा मिश्रा ने जमशेदपुर में वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने बड़ी आपराधिक घटनाओं की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके कुछ घंटे बाद हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस हथियार के स्रोत और साजिश में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रही है।

बागबेड़ा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

वायरलेस मैदान में घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा, अनुप चक्रवर्ती उर्फ अनुप बंगाली पर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई वायरलेस मैदान में की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनुप चक्रवर्ती उर्फ अनुप बंगाली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, उसे सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति हथियार लेकर वायरलेस मैदान के आसपास घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखते ही संदिग्ध की गतिविधियां संदिग्ध होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। इसके बाद उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

हथियार बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी हथियार कहां से लेकर आया था और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। पुलिस हथियार की खरीद-बिक्री और इसके संभावित आपराधिक नेटवर्क से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक मामलों में नाम सामने आ चुका है। हालांकि, पूर्व के मामलों और वर्तमान घटना के बीच संबंध को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में बागबेड़ा थाना कांड संख्या 92/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बरामद हथियार और कारतूस को जब्त कर लिया है तथा मामले से जुड़े अन्य बिंदुओं की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में था या किसी अन्य उद्देश्य से हथियार लेकर घूम रहा था। इसके लिए आरोपी से पूछताछ के साथ-साथ उसके आपराधिक रिकॉर्ड और संपर्कों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हथियार रखने के उद्देश्य और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

देवघर में ब्राउन शुगर के साथ पांच गिरफ्तार, मधुपुर लूटकांड का भी खुलासा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

देवघर : देवघर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मोहनपुर थाना क्षेत्र के हिंडोलावरन और सिमारजोड़ के पास से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 21 ग्राम ब्राउन शुगर और करीब 5,500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। वहीं, पुलिस ने मधुपुर में हुई करीब डेढ़ लाख रुपये की लूट के मामले का भी खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि मोहनपुर थाना प्रभारी संदीप कृष्ण को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग एक अर्धनिर्मित अस्पताल भवन में जुटे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली तो ब्राउन शुगर की कई पुड़िया और नकद मिले। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रफुल्ल कुमार, लखन मरांडी, भीम राय, जितेंद्र कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रफुल्ल कुमार और लखन मरांडी पहले भी ब्राउन शुगर और नशे के कारोबार से जुड़े मामलों में जेल जा चुके हैं। अन्य आरोपियों के साइबर अपराध से जुड़े मामलों में जेल जाने की जानकारी भी सामने आई है।

एसपी ने बताया कि जेल से बाहर आने के बाद दोबारा अपराध में संलिप्त पाए जाने वाले आरोपियों और आदतन अपराधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से नशे के कारोबार की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम या संबंधित थाने को देने की अपील की। साथ ही, सभी थाना प्रभारियों को स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने का निर्देश दिया है।

इस बीच, मधुपुर थाना क्षेत्र में 22 सितंबर को हुई करीब डेढ़ लाख रुपये की लूट के मामले में भी पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मधुपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने साजन कुमार रवानी, मोहम्मद आलमगीर शेख, मोहम्मद जुबैद शेख और मोहम्मद सनवर हुसैन को पकड़ा। इनके पास से लूट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और लूटी गई रकम में से 22 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, सनवर हुसैन पर पहले भी डकैती के मामले दर्ज हैं, जबकि साजन रवानी के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले हैं।

दुर्गा पूजा को देखते हुए देवघर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों और ऐसे आरोपियों पर निगरानी बढ़ा दी है, जिनसे त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित बनाने और छिनतई, लूट व चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत-वेस्टइंडीज मैच और दुर्गापूजा को लेकर रांची पुलिस की छुट्टियां स्थगित

रांची : भारत और वेस्टइंडीज के बीच 9 अक्टूबर को होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और दुर्गापूजा के मद्देनजर रांची पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत एसएसपी कार्यालय ने सभी पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी हैं।

जारी आदेश के अनुसार, मैच और दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय से भी अतिरिक्त बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। आदेश में कहा गया है कि जो पुलिसकर्मी पहले से छुट्टी पर हैं और जिले से बाहर जा चुके हैं, उन्हें 6 अक्टूबर की दोपहर तक वापस लौटकर योगदान देना होगा। संबंधित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मियों को आदेश की जानकारी देने और उनकी समय पर वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

यह आदेश नगर, ग्रामीण और यातायात एसपी सहित सभी डीएसपी, थाना प्रभारियों, पुलिस निरीक्षकों और शाखा प्रभारियों को भेजा गया है। पुलिस प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है।।

नगड़ी में 97 किलो गांजा बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची : राजधानी रांची के नगड़ी इलाके में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 97 किलो गांजा बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। ओडिशा से गांजे की खेप रांची लाए जाने की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही दो कारें भी पकड़ी गईं।

एनसीबी को सूचना मिली थी कि गांजे की बड़ी खेप ओडिशा से रांची लाई जा रही है। इसके बाद रांची पुलिस के सहयोग से नगड़ी इलाके में नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान दो संदिग्ध कारें टीम के सामने आईं। पुलिस को देखकर दोनों कारों के चालकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एक कार से 97 किलो गांजा बरामद हुआ। जांच में पता चला कि तस्करों ने पुलिस की निगरानी से बचने के लिए दो कारों का इस्तेमाल किया था। आगे चल रही कार रास्ते की रेकी कर रही थी, जबकि दूसरी कार में गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गांजे की खेप हजारीबाग के बरही पहुंचाई जानी थी। कार्रवाई में नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार और उनकी टीम ने भी सहयोग किया।

ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि एनसीबी को गांजे की तस्करी की सूचना मिली थी। रांची पुलिस ने एजेंसी को सहयोग किया, जिसके बाद नगड़ी से गांजे की बड़ी खेप बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में हजारीबाग निवासी शुभम कुमार और सूरज कुमार शामिल हैं। तीसरे आरोपी की पहचान और तस्करी नेटवर्क की जानकारी जुटाने के लिए एनसीबी की टीम पूछताछ कर रही है। जांच में गांजे के स्रोत, सप्लायर और इसके आगे के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।।

रात्रि अभियान में, तीन अभियुक्त और एक वारंटी गिरफ्तार

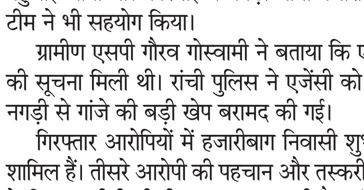

रामगढ़ : रामगढ़ थाना पुलिस ने फरार अभियुक्तों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए रात्रि समकालीन अभियान में तीन अभियुक्तों और एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में लक्ष्मण प्रजापति, बड़कू प्रजापति उर्फ रामकुमार और विशाल कुमार को गिरफ्तार किया गया। तीनों रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिरका इलाके के निवासी हैं। वहीं, हेसला के करमाली टोला निवासी सुनील करमाली को वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अभियुक्तों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए की गई थी।।

बच्चा चोरी के दो मामलों से उजागर हुए गिरोहों के नेटवर्क, त्योहारों में बढ़ेगी चुनौती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : रांची में बच्चा चोरी के दो मामलों की जांच में पुलिस को दो अलग-अलग गिरोहों के नेटवर्क का पता चला है। अंश-अंशिका मामले में करीब एक दशक से सक्रिय गुलगुलिया गिरोह का खुलासा हुआ था, जबकि रांची रेलवे स्टेशन से चार वर्षीय विवान के अपहरण की जांच में साहिबगंज के तीनपहाड़ गिरोह के तार सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, तीनपहाड़ गिरोह के नेटवर्क का बांग्लादेश से भी संभावित संबंध मिला है, जिसकी जांच जारी है।

दोनों मामलों की जांच में बच्चों को अगवा करने के बाद उनसे भीख मंगवाने, चोरी और पॉकेटमारी जैसे अपराध कराने की बात सामने आई है। गुलगुलिया गिरोह के मामले में नाबालिग बच्चियों को देह व्यापार में धकेलने और मानव अंगों के कारोबार से संभावित संबंध के पहलुओं की भी जांच की गई थी। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही हो सकेगी।

जनवरी 2026 में अंश और अंशिका के गायब होने के बाद रांची पुलिस ने छापेमारी कर गुलगुलिया गिरोह के 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया था और 12 बच्चों को बरामद किया था। पुलिस के मुताबिक, बरामद बच्चों को रांची के अलावा बोकारो, धनबाद और चाईबासा जैसे इलाकों से अगवा किया गया था। बच्चों के वास्तविक परिजनों की पहचान के लिए डीएनए जांच भी करानी पड़ी थी। जांच में गिरोह के तार बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश तक जुड़े होने की बात सामने आई थी।

पुलिस के अनुसार, गिरोह अंश और अंशिका को बेचने की तैयारी में था, लेकिन समय रहते कार्रवाई होने से ऐसा नहीं हो सका। जांच में यह भी सामने आया था कि गिरोह छोटे बच्चों को निशाना बनाता था और उनकी पहचान स्थापित करने के लिए आधार जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था। बच्चों को अपने परिवार का सदस्य बताकर बाद में दूसरे लोगों को सौंपने या बेचने की आशंका भी जांच का हिस्सा रही।

दूसरी ओर, रांची रेलवे स्टेशन से छत्तीसगढ़ के चार वर्षीय विवान के अपहरण की जांच में पुलिस साहिबगंज के तीनपहाड़ इलाके से जुड़े गिरोह तक पहुंची। सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति बच्चे का हाथ पकड़कर उसे अपने साथ ले जाता दिखाई दिया था। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह से जुड़े लोग बच्चों का इस्तेमाल मोबाइल चोरी और पॉकेटमारी में करते थे। चोरी के मोबाइल दूसरे इलाकों में खपाने की बात भी सामने आई है। नेटवर्क के बांग्लादेश तक जुड़े होने के पहलू की जांच की जा रही है।

इन मामलों में पुलिस के सामने गिरोहों के लगातार ठिकाने बदलने और बच्चों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाने की चुनौती है। इसी को देखते हुए जिलों को सतर्क किया गया है। बच्चों से जुड़े मामलों की निगरानी और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए वात्सल्य पोर्टल का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

अक्टूबर में नवरात्र, दुर्गा पूजा, दशहरा और दीपावली के दौरान रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, बाजारों, मेलों और पूजा पंडालों में भीड़ बढ़ेगी। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से संवेदनशील परिवारों के बच्चों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता जरूरी है।

आईजी ऑपरेशन नरेंद्र कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस बच्चा चोरी के मामलों में लगातार निगरानी कर रही है और गिरोहों के नेटवर्क की जानकारी जुटाकर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, बाल संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले बैजनाथ कुमार का कहना है कि बच्चों को अपराध में इस्तेमाल करने वाले गिरोह धीरे-धीरे उन्हें अपराध की दुनिया में धकेल देते हैं। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई के साथ परिवार और समाज की सतर्कता भी जरूरी है।

त्योहारों की भीड़ में बच्चों को अकेला न छोड़ना, सार्वजनिक स्थानों पर उन पर लगातार नजर रखना और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देना अहम है। दो मामलों की जांच ने यह स्पष्ट किया है कि बच्चा चोरी की घटनाओं को केवल स्थानीय अपराध मानकर नहीं देखा जा सकता। इनके पीछे फैले नेटवर्क की पहचान और बच्चों की समय रहते बरामदगी के लिए पुलिस, परिवार और समाज के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

रामपुर गोलीकांड की जांच में लापरवाही पर SI निलंबित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : पलामू के चर्चित रामपुर गोलीकांड के अनुसंधान में लापरवाही बरतने के आरोप में चैनपुर थाना में तैनात सब-इंस्पेक्टर क्षितिज सोनी को निलंबित कर दिया गया है। बिश्रामपुर एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

23 मई 2026 को चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर में जमीन विवाद को लेकर हुई फायरिंग में सकेंद्र चौधरी की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने 17 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। केस के अनुसंधान की जिम्मेदारी क्षितिज सोनी को सौंपी गई थी। अनुसंधान में लापरवाही की शिकायत मिलने के बाद वरीय अधिकारियों ने एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल को जांच सौंपी थी। जांच में सामने आया कि नामजद आरोपियों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) नहीं निकाली गई थी। गिरफ्तार आरोपियों के सीडीआर का भी केस डायरी में उल्लेख नहीं था। जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कुछ आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। आरोप है कि पलामू एसपी कपिल चौधरी की ओर से अनुसंधान के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों का भी पूरी तरह पालन नहीं किया गया। एसडीपीओ की रिपोर्ट के आधार पर क्षितिज सोनी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद रामपुर गोलीकांड के अनुसंधान पर पुलिस विभाग की निगरानी बढ़ गई है।

निरसा से 11 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 2.85 लाख कैश बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत धनबाद पुलिस ने निरसा थाना क्षेत्र के पिठाकियारी गांव में छापेमारी कर 11 कथित साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से 2.85 लाख रुपये नकद, 19 मोबाइल फोन, कई एटीएम कार्ड, पासबुक और चेकबुक समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कार्रवाई की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में 35 पुलिस पदाधिकारियों और 120 महिला-पुरुष जवानों की विशेष टीम गठित की गई थी। एक अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि पिठाकियारी गांव में कुछ लोग साइबर अपराध से जुड़ी किसी वारदात की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद टीम ने गांव में छापेमारी कर 11 लोगों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्याम सुंदर रविदास, राहुल कुमार उर्फ राहुल रविदास, सचिन रविदास, मलय रविदास, श्यामापदो रविदास, झंटू ठाकुर, कुदन वर्णवाल, अरमान रविदास, अजय रविदास, विजय रविदास और सागर रविदास के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सभी पिठाकियारी गांव के रहने वाले हैं।

ग्रामीण एसपी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पहले से भी मामले दर्ज हैं। राहुल रविदास के खिलाफ निरसा थाना में साइबर अपराध, धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़े मामले दर्ज होने की जानकारी दी गई है। श्याम सुंदर रविदास के खिलाफ भी निरसा थाना में पूर्व के मामले दर्ज हैं। वहीं, श्यामापदो रविदास, मलय रविदास, सागर रविदास और सचिन रविदास के खिलाफ अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज होने की बात पुलिस ने कही है।

झारखंड में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर पुलिस मुख्यालय सतर्क

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : राज्य में विदेशी नागरिकों, खासकर बांग्लादेशी नागरिकों की आवाजाही को लेकर पुलिस मुख्यालय ने जिलों को सतर्क किया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद सभी जिलों के एसपी को अपने-अपने क्षेत्र में संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के अनुसार, राज्य में नौ बांग्लादेशी नागरिकों के आने की सूचना मिली थी। इनमें तीन के वापस लौटने और तीन के इलाज के लिए ठहरने की जानकारी सामने आई है। शेष तीन के भी वापस लौटने की तैयारी की बात कही गई है। पुलिस मुख्यालय को साहिबगंज, जामताड़ा, देवघर और दुमका में कुछ संदिग्ध विदेशी नागरिकों के ठहरने की सूचना मिली है।

इनपुट में कुछ लोगों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने और स्थानीय स्तर पर प्रभाव बढ़ाने की कोशिश के आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, इन दावों की पुलिस स्तर पर जांच की जा रही है और जांच पूरी होने से पहले इन्हें पुष्ट तथ्य नहीं माना गया है।

पुलिस मुख्यालय ने सभी एसपी को संदिग्ध विदेशी नागरिकों के नाम, उनके ठहरने की अवधि, वर्तमान पता और गतिविधियों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भेजने को कहा है। जिलों से रिपोर्ट मिलने के बाद उपलब्ध तथ्यों और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। मुख्यालय ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और महत्वपूर्ण सूचनाएं समय पर साझा करने का भी निर्देश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

डीवीसी कॉलोनी सबस्टेशन में दो घंटे ठप रहने के बाद बहाल हुई इमरजेंसी सेवा, गांधी जयंती पर मौखिक आदेश से बंद किया गया था काम

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी कॉलोनी सबस्टेशन में गांधी जयंती के अवसर पर बंद की गई इमरजेंसी सेवा दो घंटे के गतिरोध के बाद बहाल कर दी गई। विभाग के मैनेजर (विद्युत) गुंजन कुमार की पहल पर बंद पड़ी सेवाओं को पुनः चालू कराया गया और सभी कर्मियों को काम पर वापस बुला लिया गया।

दरअसल, यह पहला मौका था जब गांधी जयंती की छुट्टी का हवाला देकर डीवीसी कॉलोनी सबस्टेशन जैसी अति-आवश्यक इमरजेंसी सेवा को बंद रखा गया और कर्मचारियों को ड्यूटी पर आने से रोक दिया गया था। कामगारों का आरोप था कि एएमसी के संवेदक और डीवीसी विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा मौखिक आदेश जारी कर काम बंद कराया गया था।

मामले की जानकारी मिलने और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभागीय मैनेजर गुंजन कुमार ने तत्काल हस्तक्षेप किया, जिसके बाद दो घंटे से ठप पड़ी इमरजेंसी सेवा सामान्य हो सकी और सभी कामगारों को काम पर बुला लिया गया।

दामोदर नदी में डूबी 15 वर्षीय किशोरी, कोई सुराग नहीं

बोकारो: जीतिया पर्व के अवसर पर शुक्रवार सुबह दामोदर नदी के सीतानाला घाट (बिरसा पुल के समीप) में एक बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने के दौरान 15 वर्षीय किशोरी सोनाक्षी कुमारी गहरे पानी में बहकर लापता हो गई। घटना सुबह करीब 9 बजे की है। मृतका मूल रूप से बिहार के आरा निवासी राजकुमार की पुत्री है। वह धनबाद जिले के लोदना ओपी क्षेत्र स्थित पिरकुमोड़ अपनी चाची के मायके आई हुई थी। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सोनाक्षी अपने मामा अमन कुमार, ममेरी बहनों तथा अन्य परिजनों के साथ जीतिया पर्व का पवित्र स्नान करने सीतानाला घाट पहुँची थी। नहाने के क्रम में सोनाक्षी अचानक गहरे पानी की चपेट में आकर डूबने लगी। उसे डूबता देख मामा अमन कुमार ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी, लेकिन वे भी तेज बहाव में डूबने लगे। इसी बीच मौके पर मौजूद स्थानीय साहसी युवक अजय महथा ने नदी में कूदकर अमन कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, इस मशक्कत के दौरान अमन के हाथ से सोनाक्षी की पकड़ छूट गई और वह पानी के तेज बहाव में ओझल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अमलाबाद ओपी और सुदामडीह थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुँची और ग्रामीणों के सहयोग से खोजबीन शुरू कराई। लेकिन शाम तक किशोरी का कोई सुराग न मिलने पर परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा। लोगों ने आरोप लगाया कि हादसे के घंटों बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ या विशेषज्ञ गोताखोरों की टीम तैनात नहीं की गई, जिसके कारण स्थानीय युवकों को ही जान जोखिम में डालकर तलाश करनी पड़ रही है। प्रशासनिक लापरवाही और पुलिस की धीमी कार्यशैली से नाराज ग्रामीणों का सब्र का बांध शाम चार बजे टूट गया। आक्रोशित लोगों ने बिरसा पुल पर आवागमन पूरी तरह बाधित कर मुख्य सड़क को जाम कर दिया। समाचार लिखे जाने तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई थी और स्थानीय लोग गोताखोर बुलाने तथा त्वरित कार्रवाई की माँग पर अड़े हुए थे।

साइबर अपराधियों ने बैंक खाते से उड़ाए 1.81 लाख रुपये, मामला दर्ज

चंदनकियारी (बोकारो): क्षेत्र में साइबर अपराध का एक नया और गंभीर मामला प्रकाश में आया है, जहां सहारजोरी निवासी धनंजय शर्मा के बैंक खाते से साइबर ठगों ने करीब 1.81 लाख रुपये उड़ा लिए। खाते में हुई इस बड़ी सेंधमारी की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने चंदनकियारी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़ित के आवेदन के आधार पर प्राथमिक दर्ज कर मामले की तकनीकी जांच शुरू कर दी है। पीड़ित धनंजय शर्मा ने बताया कि उनका चंदनकियारी स्थित बैंक ऑफ इंडिया में बचत खाता है। साइबर अपराधियों ने 18 सितंबर से 23 सितंबर के बीच उनके खाते से लगातार 20 अलग-अलग किस्तों में कुल 1,80,980 रुपये की अवैध निकासी कर ली। पीड़ित को इस धोखाधड़ी की भनक तक नहीं लगी। जब वे 30 सितंबर को किसी काम से बैंक पहुंचे और पासबुक अपडेट कराया, तब जाकर उन्हें खाते से पैसे गायब होने की चौंकाने वाली जानकारी मिली। पीड़ित धनंजय शर्मा ने बताया कि वे न तो कोई डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं और न ही अपना एटीएम कार्ड किसी को देते हैं। वे हमेशा बैंक जाकर केवल निकासी पर्ची (विथड्रॉल फॉर्म) के माध्यम से ही अपने पैसे निकालते हैं। ऐसे में बिना किसी ओटीपी या जानकारी के उनके खाते से इतनी बड़ी रकम की लगातार निकासी होना उनकी समझ से परे है। फिलहाल चंदनकियारी पुलिस साइबर सेल की मदद से खातों के ट्रांजैक्शन विवरण और बैंक रिकॉर्ड्स को खंगाल रही है, ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान प्लेटफार्म के गैप में गिरे वृद्ध, मौके पर मौत

बोकारो: बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें 63 वर्षीय रेल यात्री सुरेश कुमार भगवानी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मूल रूप से महाराष्ट्र के गोंदिया के रहने वाले थे और अपने परिजनों के साथ चेरापल्ली-पटना ट्रेन से गयाजी पिंडदान के लिए धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। जीआरपी थाना प्रभारी अमरेंद्र कोटवार के अनुसार, बोकारो स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव के दौरान सुरेश कुमार पीने का पानी लेने के लिए प्लेटफार्म पर उतरे थे। इसी बीच अचानक ट्रेन खुल गई। चलती ट्रेन को पकड़कर वापस चढ़ने के प्रयास में उनका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने के कारण वे सीधे ट्रेन तथा प्लेटफार्म के बीच बने गैप (अंतर) में जा गिरे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गंभीर चोटें आने की वजह से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद जीआरपी पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धार्मिक अनुष्ठान के लिए निकले परिवार पर इस अचानक हुए हादसे से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जितिया पर सब्जियों के दाम आसमान पर, व्रती परेशान

बोकारो थर्मल : जितिया पर्व के मौके पर शुक्रवार को नहाय-खाय के दिन बोकारो थर्मल स्थित सब्जी मार्केट में सब्जियों के भाव आसमान पर चढ़े रहे, जिससे व्रतियों को खरीदारी करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पर्व को लेकर विशेष मांग के चलते मडुआ आटा एवं खीरा सौ रुपये, सतपुतिया झींगा एवं नोनिया साग दो सौ रुपये तथा कद्दू, कंदा व पोई साग साठ रुपये प्रति किलो की दर से बेचे जा रहे थे। अचानक बढ़े दामों के कारण आम उपभोक्ताओं और खासकर व्रत रखने वाली महिलाओं की जेब पर भारी असर पड़ा।

डीसी, एसपी व डीडीसी ने गांधी जी व शास्त्री जी की प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धासुमन, खादी अपनाने और आदर्शों को जीवन में उतारने की अपील

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिले के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने सेक्टर-4 स्थित महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात अधिकारियों ने सेक्टर-4 स्थित खादी भवन पहुंचकर बापू के चित्र पर माल्यार्पण किया और आमजनों से खादी के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है खादीः उपायुक्त- श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें निरंतर सही मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि देश में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देना और खादी को अपनाना स्वावलंबन तथा आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत करता है। इसके बाद अधिकारियों ने सेक्टर-6 स्थित पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। उपायुक्त ने कहा कि दोनों महापुरुषों ने सिखाया है कि पद के साथ जिम्मेदारी जुड़ी होती है। हमें शास्त्री जी की सादगी, सरलता, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता को केवल जयंती तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन और कार्यशैली में अपनाना चाहिए।

बच्चों से संवाद कर जगाई देशभक्ति की अलख- कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों से सीधा संवाद किया। उपायुक्त ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें महापुरुषों के जीवन और विचारों को गहराई से समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवा-भाव के संस्कार विकसित करना ही इन विभूतियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

▪ सेक्टर-4 खादी भवन और सेक्टर-6 में आयोजित हुए मुख्य कार्यक्रम; बच्चों से संवाद कर अधिकारियों ने बढ़ाया उत्साह

जय जवान, जय किसान का संदेश आज भी प्रासंगिकः एसपी- मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने लाल बहादुर शास्त्री के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि जय जवान, जय किसान का नारा देश की सुरक्षा और कृषि के अटूट महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने युवाओं से शास्त्री जी के मूल्यों को अंगीकार कर समाज की प्रगति में योगदान देने की अपील की।

पद विशेषाधिकार नहीं, जनसेवा की जिम्मेदारी हैः डीडीसी- उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने गांधी जी के ग्राम स्वावलंबन के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी प्रशासनिक या सामाजिक पद को विशेषाधिकार के रूप में न देखकर जनसेवा के दायित्व के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य नई पीढ़ी के हाथों में है, इसलिए सत्य, सादगी और कर्तव्यबोध जैसे मूल्यों को अपनाना ही सबसे बड़ा सम्मान है। इस अवसर पर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने समस्त जिलेवासियों को गांधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय में मनाई गई गांधी व शास्त्री जयंती, बच्चों के बीच बंटी मिठाइयां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 12ए स्थित जन कल्याण सामाजिक संस्था द्वारा संचालित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय' में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी कुमार अमरदीप उपस्थित हुए।

समारोह की शुरुआत महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि कुमार अमरदीप, योगेंद्र प्रसाद कुशवाहा एवं शंकर रजक ने दोनों विभूतियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव परशुराम राम ने उपस्थित बच्चों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों, विचारों तथा देश की स्वतंत्रता में उनके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय परिसर राष्ट्रपिता के जयकारों से गूंज उठा।

जयंती समारोह के उपरांत संस्था की ओर से विद्यालय में अध्ययनरत सभी जरूरतमंद बच्चों के बीच बिस्कुट, टॉफी व अन्य पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था एवं विद्यालय के हरिशंकर प्रसाद सोनी, ममता सिंह, मदन सिंह, बबीता कुमारी, विजय कुमार, पाना देवी सहित कई सदस्यों और स्थानीय गणमान्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

जामताड़ा में हुंकार भरने पहुंची बोकारो की कबड्डी टीम, 20वीं राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जीत पर टिकीं निगाहें

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जामताड़ा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 02 से 04 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली '20वीं झारखंड राज्य सीनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता' में अपना परचम लहराने के लिए बोकारो जिले की बालक व बालिका कबड्डी टीमें जामताड़ा पहुंच चुकी हैं। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में जामताड़ा जिला कबड्डी संघ और खेलकूद व युवाकार्य निदेशालय के सौजन्य से आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतिष्ठित राज्यस्तरीय स्पर्धा में बोकारो के खिलाड़ी अपनी मजबूत चुनौती पेश करेंगे।

बोकारो जिला कबड्डी टीम के जामताड़ा रवाना होने और वहां पहुंचने पर बोकारो जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, महासचिव मुकेश सिंह, चेयरमैन बिपिन कुमार सिंह, प्रद्युम्न पांडेय और तूफान साहनी सहित जिले के खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। संघ के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि दोनों ही वर्गों की टीमें अपने उत्कृष्ट खेल और रणनीति के बदौलत बोकारो जिले का नाम राज्यभर में रोशन करेंगी और ट्रॉफी जीतकर लौटेंगी। राज्यस्तरीय मुकाबले के लिए बोकारो ने संतुलित और मजबूत टीमों की घोषणा की है। बालक वर्ग की कमान विक्की कुमार के हाथों में सौंपी गई है, जिनके नेतृत्व में अंशु कुमार, परशुराम, जितेंद्र, कुलदीप, गोलू, मंटू, जावेद रजा, रोहित, पीयूष कुमार महतो, अंगद, आशीष, मोनू और विक्की यादव विरोधी टीमों को धूल चटाने के लिए तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर, बालिका वर्ग में मंजू कुमारी टीम की कप्तानी करेंगी। बालिका टीम में पल्लवी, रेशम तारा, लक्की, श्वेता, बबीता, किरण, ईशा, ममता, रिया, अंजली, तमन्ना, सोहानी और बुधनी कुमारी जैसी प्रतिभाशाली रेडर्स व डिफेंडर्स शामिल हैं, जिनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

गांधी जयंती पर बोकारो की 249 पंचायतों में विशेष ग्राम सभा सह रिफार्म उत्सव आयोजित, पिंड्राजोरा में जुटे जिले के आला अधिकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को जिले की सभी 249 पंचायतों में विशेष ग्राम सभा सह रिफार्म उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान के तहत प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों का रुख किया। इसी कड़ी में चास प्रखंड अंतर्गत पिंड्राजोरा पंचायत सचिवालय सभागार में आयोजित मुख्य ग्राम सभा में बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा तथा उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार स्वयं पहुंचे और ग्रामीणों के साथ पंचायत के सर्वांगीण विकास पर सीधा संवाद स्थापित किया।

विशेष ग्राम सभा को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि ग्राम सभाएं ग्रामीणों को अपने गांव के उज्ज्वल भविष्य और विकास की रूपरेखा तय करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। पिंड्राजोरा को खुशहाल, सुरक्षित और आत्मनिर्भर पंचायत बनाने के लिए ग्रामीणों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि स्थानीय समस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित बीडीओ और थाना प्रभारी नियमित रूप से पंचायत में कैंप लगाकर लोगों की शिकायतों का समाधान करेंगे। उपायुक्त ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने तथा पंचायत को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि बापू के 'ग्राम स्वराज' के सपने को धरातल पर उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने विकास के साथ-साथ क्षेत्र में सुरक्षा के वातावरण को अहम बताया। उन्होंने कहा कि नशापान केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को तबाह करता है। घरेलू हिंसा, अपराध, आपसी रंजिश और सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह नशा ही है। एसपी ने ग्रामीणों से अपने-अपने गांवों को नशा-मुक्त बनाने के लिए सामूहिक आंदोलन खड़ा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन अपनी कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन जब तक गांव के लोग और अभिभावक स्वयं संकल्प लेकर नशे के खिलाफ एकजुट नहीं होंगे, तब तक स्थायी बदलाव संभव नहीं है।

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने जल संकट से निपटने के लिए जल स्रोतों के संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन पर विशेष बल दिया। उन्होंने हर खेत का पानी खेत में और हर घर का पानी घर में का मूल मंत्र देते हुए पंचायत के सभी सरकारी व निजी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वावलंबन से जुड़ी योजनाओं को ग्राम सभा के प्रस्तावों में सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश मुखिया और पंचायत प्रतिनिधियों को दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान स्थानीय मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, पंचायत सेवक, विभिन्न विभागों के कर्मी और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे।

डीवीसी बोकारो थर्मल में गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को दी गई श्रद्धांजलि, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ व्यापक पौधारोपण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और गरिमापूर्ण वातावरण के साथ शुक्रवार को मनाई गई। इस अवसर पर बिरसा मुंडा भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा के उपरांत परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। एचओपी सुशील कुमार अरजरिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया और पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ परिसर के निर्माण का संकल्प दोहराया। इस दौरान "स्वच्छ भारत, सुंदर भारत" के विजन पर जोर देते हुए उपस्थित सभी लोगों से स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संवर्धन के प्रति निरंतर जागरूक रहने का आह्वान किया गया।

गोविंदपुर सी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 27 विकास योजनाओं का चयन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित गोविंदपुर सी पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर मुखिया विकास सिंह की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश पर आयोजित इस सभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 27 योजनाओं को मंजूरी दी गई।

ग्राम सभा के दौरान पंचायत में यात्री शेड, आरओ युक्त जलमीनार, चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम और पेवर ब्लॉक लगाने जैसे कई महत्वपूर्ण वकिास कार्यों पर सहमति बनी। इसके अलावा महात्मा गांधी के स्वच्छता के संदेश को अपनाते हुए पंचायत के सभी घरों में गीला व सूखा कचरा अलग रखने के लिए डस्टबिन बांटने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर बाल विवाह, नशा मुक्ति और स्वच्छता पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें पंचायत सचिव दीपक लोहरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सीआरपीएफ बोकारो परिचालन रेंज में स्वच्छता ही सेवा 2026 का आयोजन, डीआईजी के नेतृत्व में अधिकारियों व जवानों ने किया श्रमदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सेक्टर-3 स्थित पुलिस उप महानिरीक्षक, परिचालन रेंज बोकारो परिसर में शुक्रवार को स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत विशेष स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह राष्ट्रीय अभियान स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत एवं सशक्त भारत की थीम पर संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सीआरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने व स्वच्छता को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

कैंपस में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गए पौधे- इस अवसर पर सीआरपीएफ परिचालन रेंज बोकारो के डीआईजी अमित कुमार सिंह तथा उप-कमांडेंट एल.एन. उपाध्याय ने उपस्थित अन्य अधिकारियों व जवानों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के आह्वान पर जारी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कैंपस परिसर में पौधरोपण किया। अधिकारियों ने पौधारोपण के माध्यम से हरित परिसर के निर्माण और पर्यावरण संरक्षण का कड़ा संदेश दिया।

उत्कृष्ट सेवा देने वाले सफाईकर्मियों व जवानों का हुआ सम्मान- कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता और हरित पर्यावरण के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समर्पित सफाईकर्मियों तथा कैंपस स्थित सर्वधर्म प्रार्थना स्थल की उत्कृष्ट साज-सज्जा व रखरखाव में विशेष भूमिका निभाने वाले कार्मिकों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए डीआईजी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए डीआईजी अमित कुमार सिंह ने स्वच्छ, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण में हर नागरिक की सामूहिक सहभागिता को अनिवार्य बताया। उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, कचरा प्रबंधन हेतु 3 आर के सिद्धांतों को अपनाने तथा समाज में स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूकता फैलाने की शपथ ली। इस आयोजन का मुख्य ध्येय जवानों में स्वच्छता के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हुए स्वच्छता में सहभाग बढ़ाएं, स्वच्छ एवं विकसित भारत बनाएं के संदेश को दूर-दराज के क्षेत्रों तक प्रसारित करना रहा।

संक्षिप्त समाचार

रघुनाथपुर में स्व. अशोक कुमार महतो की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन

चांडिल : नीमडीह प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर में स्व. अशोक कुमार महतो की स्मृति, गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 203 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। युवा और महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को आयोजन समिति की ओर से हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नीमडीह सीओ अभय कुमार द्विवेदी ग्राम प्रधान बैद्यनाथ महतो, सुभाष मुखिया, मोतीलाल महतो, स्वपन चंद्र महतो, अनूप कुमार महतो, अन्नपूर्णा महतो, लक्ष्मी महतो, गौर चंद्र महतो, अरुण गोराई, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, बासुदेव महतो, भोलानाथ सिंह सरदार, निखिल महतो, कमलेश महतो, पशुपति महतो, कमल महतो, ज्योतिलाल महतो, सलिल महतो, बुलेट नाग सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि स्व. अशोक कुमार महतो समाजसेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। उनकी स्मृति में आयोजित यह रक्तदान शिविर समाज में सेवा और मानवता का संदेश देता है।

गांधी जयंती पर विस्थापितों ने किया उपवास

चांडिल : गांधी जयंती पर चांडिल नौका विहार परिसर में विस्थापित मुक्ति वाहिनी और विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय उपवास किया गया। उपवास के माध्यम से चांडिल डैम विस्थापितों की भूमि और पुनर्वास से जुड़ी समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान की मांग की गई। संगठनों ने रूदिया पंचायत के काटिया पुनर्वास स्थल की स्थिति पर चिंता जताई। उनका आरोप है कि पिछले चार दिनों से विस्थापित परिवारों को तालाब में स्नान करने, रास्ते से आवागमन, खुले मैदान में शौच और गाय-बकरी चराने से रोका जा रहा है। विस्थापितों के प्लॉट में लगे पेड़ों की कटाई किए जाने का आरोप भी लगाया गया। मामले में चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी, थाना प्रभारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर हस्तक्षेप, पुनर्वास स्थल का निरीक्षण और विस्थापितों के अधिकारों की सुरक्षा की मांग की गई है। संगठनों ने कहा कि 6 अक्टूबर तक समाधान नहीं होने पर 7 अक्टूबर को पुनर्वास कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण धरना दिया जाएगा। उपवास में नारायण गोप, राकेश रंजन महतो, अंबिका यादव, श्यामल मार्डी, आक्लू धीवर, कार्तिक महतो, डमन बास्के, जगन्नाथ किस्कू, बिरबल प्रमाणिक, लखन माझी, सूरज मुर्मू, देवेन महतो, विजय टुडू, ठाकुरदास गोप, ईश्वर गोप, भागीरथ लायक, राजीव महतो, वैधनाथ महतो, उपवन गोप, बुधेश्वर टुडू और पशुपति सिंह सरदार समेत अन्य मौजूद थे। चौका की मुखिया कुनाराम माझी और कुनाराम सोरेन भी उपस्थित रहे।

पेटरवार में सम्मान समारोह का आयोजन, सेवानिवृत होने पर शिक्षक मणिलाल सोरेन को किया गया सम्मानित

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत अरजुवा पंचायत भवन में शुक्रवार को शिक्षक मणिलाल सोरेन के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य माला कुमारी भी शामिल हुईं। इस अवसर पर अरजुवा पंचायत की वर्तमान मुखिया उर्मिला देवी के पति एवं उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, ओरदाना में कार्यरत रहे शिक्षक मणिलाल सोरेन का जनप्रतिनिधियों एवं पंचायतवासियों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं सम्मान किया। सेवानिवृत्ति के बाद पंचायत सचिवालय अरजुवा पहुंचने पर ग्रामीणों एवं पंचायतवासियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। जिला परिषद सदस्य माला कुमारी ने कहा कि शिक्षक मणिलाल सोरेन ने अपने सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और उनके भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेवानिवृत्ति सरकारी सेवा का एक पड़ाव है, लेकिन समाज के प्रति जिम्मेदारी और जुड़ाव हमेशा बना रहता है। उन्होंने मणिलाल सोरेन के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव समाज और पंचायत के लिए आगे भी मार्गदर्शक रहेगा।पंचायतवासियों ने कहा कि शिक्षक के रूप में मणिलाल सोरेन ने विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी मणिलाल सोरेन का अनुभव और मार्गदर्शन समाज एवं पंचायत के लिए उपयोगी रहेगा। लोगों ने उनके सामाजिक जुड़ाव एवं योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर फूलमाला पहनाकर एवं सम्मान देकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में उपस्थित लोगों ने मणिलाल सोरेन के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मौके पर मुखिया प्रमीला कुमारी, पंचायत समिति सदस्य रितेश बास्के, डेगलाल यादव,हरेंद्र राम,सहदेव टुडू, सुरेश यादव,संजय साव ,हेमलाल यादव, धनेश्वर यादव ,कार्तिक करमाली,कमलनाथ टुडू, छोटे लाल बास्के सहित अनेक लोग शामिल थे।

कांग्रेस ने मनाई गांधी, शास्त्री और शेख भिखारी की जयंती

डुमरी: कांग्रेस प्रखंड कमेटी द्वारा जिला परिषद के निरीक्षण भवन में महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं आंदोलनकारी शेख भिखारी की जयंती मनाई गई। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने तीनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने और उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल, जिला उपाध्यक्ष महेश भगत, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डू मलिक, जिला सचिव मनोज जायसवाल, मीडिया प्रभारी सादिक अली, युवा कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष सिकंदर अंसारी, मंडल अध्यक्ष अजीत स्वर्णकार, मंडल अध्यक्ष खुर्शीद अंसारी, जसीम अंसारी, जाबिर अंसारी, दिलीप कुमार, मो. जासमीन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएसएल प्रबंधन ने बापू और शास्त्री जी को किया नमन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

▪ महापुरुषों के सिद्धांतों और विचारों पर चलने का लिया संकल्प

बोकारो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सेक्टर-4 स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा सेक्टर-6 स्थित पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आदमकद प्रतिमा स्थलों पर आयोजित अलग-अलग समारोहों में बीएसएल के शीर्ष अधिकारियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन के नेतृत्व में प्रबंधन की पूरी शीर्ष टीम ने बापू और शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पी. के. रथ, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी. आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त तथा बोकारो जनरल अस्पताल (BGH) के प्रभारी डॉ. बी. बी. करुणामय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत उपस्थित अधिकारियों और शहर के प्रबुद्ध जनों ने दोनों अमर जननायकों के अमूल्य योगदान, सत्य, अहिंसा, सादगी और राष्ट्र-सेवा के आदर्शों को याद किया। अधिकारियों ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य व अहिंसा के मार्ग तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के निष्ठा व सादगी के मूल्य आज भी प्रासंगिक हैं। इस्पात नगरी के औद्योगिक और सामाजिक विकास में इन महान विचारों को आत्मसात कर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अवसर पर बीएसएल के कई अन्य मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, वरीय अधिकारी तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नारायण आईटीआई में गांधी और शास्त्री जयंती मनाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : लुपुंगडीह स्थित नारायण प्राइवेट आईटीआई में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जटाशंकर पांडेय ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया, जबकि शास्त्री अपने सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और दृढ़ नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने युवाओं से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्राचार्य जयदीप पांडेय, शांति राम महतो, भगत लाल तेली, प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, पवन महतो, शशिप्रकाश महतो, अजय मंडल, कृष्णा पद महतो, लक्ष्मी महतो, निकिता गोराई सहित कर्मचारी और प्रशिक्षु उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

ईएसएल स्टील की रन फॉर हंगर वॉकथॉन में 500 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा, हर कदम से जरूरतमंदों तक पहुंचेगा भोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को रन फॉर हंगर वॉकथॉन का आयोजन किया गया। वेदांता समूह के इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आयोजित वॉकथॉन में कंपनी के 500 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिजनों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों को फिटनेस व स्वस्थ जीवनशैली के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना था। इस अभियान की विशेष बात यह है कि प्रतिभागियों द्वारा तय की गई प्रत्येक एक किलोमीटर की दूरी के बदले एक जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह भोजन वेदांता के नंद घर और पशु कल्याण पहलों के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सह पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा के संबोधन से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चास के एएसपी वेदांत शंकर और सियालजोरी थाना प्रभारी रंजीत यादव उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्वास्थ्य और समाज सेवा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सीईओ रवीश शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भूख-मुक्त समाज के निर्माण में एक सामूहिक प्रयास है। वॉकथॉन का समापन लाल बहादुर शास्त्री चौक पर हुआ, जहां सभी उपस्थित लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतियोगिता में ईएसएल के सुरक्षा विभाग के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किए। वहीं युवाओं की श्रेणी में भी शानदार प्रतिभा देखने को मिली, जिसमें ईएसएल कर्मी प्रकाश कुमार सिंह के 15 वर्षीय पुत्र ओम सिंह ने चौथा तथा कर्मी पन्नालाल चौरसिया के 15 वर्षीय पुत्र रूपेश चौरसिया ने छठा स्थान प्राप्त किया। आयोजन में ईएसएल की सीएचआरओ श्यामली मिंज, सीएफओ प्रह्लाद रावत, हेड-पीआर एवं स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट संजय कुमार सिन्हा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी व विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

तेनु-बोकारो नहर रोड से बरुआटांड गांव के लिए नहीं बना संपर्क पथ, ग्रामीणों में जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तुपकाडीह (बोकारो) : चास प्रखंड अंतर्गत कनारी पंचायत के नीचे बरुआटांड गांव के ग्रामीण तेनु-बोकारो नहर रोड से अपने गांव तक आवागमन के लिए संपर्क पथ (मुख्य सड़क से जोड़ने वाला रास्ता) न होने के कारण भारी दुश्वारियों का सामना करने को मजबूर हैं। बुनियादी सुविधा से वंचित ग्रामीणों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की उपेक्षा पर गहरा आक्रोश जताया है।

गांव के शिवचंद सोरेन, ज्ञानी मांझी, बाबूलाल मरांडी, मोहन मांझी, भीम मांझी, बिनोद और छूटू सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 600 की आबादी वाला यह आदिवासी बहुल गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से पूरी तरह महरूम है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले सांसदों, विधायकों और स्थानीय मुखिया को कई बार लिखित व मौखिक रूप से आवेदन देकर सड़क निर्माण की गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार उनकी मांग को अनसुना कर दिया गया।

ग्रामीणों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि खासकर बरसात के दिनों में गांव की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है और पूरा गांव एक तरह से टापू में तब्दील हो जाता है। पक्की सड़क न होने के कारण कीचड़ और जलजमाव से भरे कच्चे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। आपातकालीन स्थिति में बीमार व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता। वहीं स्कूली छात्र-छात्राओं को भी हर दिन जान जोखिम में डालकर और कीचड़ से होकर विद्यालय जाना पड़ता है। वर्षों से उपेक्षा का शिकार झेल रहे बरुआटांड के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से अविलंब तेनू-बोकारो नहर मार्ग से गांव तक पक्की सड़क के निर्माण कराने की पुरजोर मांग की है, ताकि उन्हें इस नारकीय जीवन से मुक्ति मिल सके।

» आजादी के दशकों बाद भी पक्की सड़क से महरूम हैं 600 ग्रामीण; बारिश में टापू बन जाता है आदिवासी बहुल गांव

गांधी-शास्त्री जयंती पर युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

माय भारत के स्वयंसेवकों ने सिद्धू-कान्हू मैदान समेत सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में रामगढ़ फिटनेस एकेडमी एवं माय भारत के स्वयंसेवकों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस दौरान सिद्धू-कान्हू मैदान सहित सार्वजनिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में सामूहिक रूप से साफ-सफाई की गई। युवाओं ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। साथ ही दीवार लेखन के माध्यम से स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं गोला स्पोर्ट्स ऑफिसर अजीत गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की।मुख्य वक्ता शशि शेखर सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला माना था। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। युवाओं को दोनों महापुरुषों के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेकर समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

माय भारत के युवा कार्यकर्ता नितेश कुमार मोदी ने युवाओं को स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। मौके पर रामगढ़ फिटनेस एकेडमी के संचालक सिकंदर पाण्डेय, आदित्य सिंह, राहुल सिंह, नितेश अग्रवाल, पलक कुशवाहा, श्रवण कुमार, संगीता कुमारी समेत स्वयंसेवक, युवा साथी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

पेटरवार में महात्मा गांधी,लाल|बहादुर शास्त्री और रामदास टुडू की जयंती मनाई गई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान प्रखंड में अरजुवा पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं रामदास टुडू की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री एवं रामदास टुडू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने तीनों महापुरुषों के जीवन, विचारों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को नई दिशा दी, जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं रामदास टुडू के सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान को भी याद किया गया।कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया उर्मिला देवी, पंचायत सचिव उत्तम मोदी, पंचायत समिति सदस्य रितेश बास्के, सभी वार्ड सदस्य, पंचायत रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, पंचायत से संबंधित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डुमरी थाना में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी। डुमरी थाना परिसर में शुक्रवार को सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारी के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ। 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए पु०अ०नि० लेवेश्वर हांसदा को पुलिसकर्मियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों ने फूल-माला पहनाकर और उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उनके सेवाकाल में किए गए कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुअनि लेवेश्वर हांसदा ने कहा कि पुलिस सेवा उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। लंबे सेवाकाल के दौरान विभाग के अधिकारियों एवं सहकर्मियों से मिले सहयोग को वे हमेशा याद रखेंगे। थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्ति सरकारी सेवा का एक पड़ाव है, लेकिन सहकर्मियों के साथ बिताया गया समय हमेशा याद रहता है। उन्होंने उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। इस मौके पर पुअनि एसएन रॉय, पैतरुस करकेट्टा, रमानंद सिंह, स०अ०नि० उदय कुमार सहित थाना के सभी पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

गांधी जयंती पर बोकारो जिले में 92 राजस्व गांव हुए बाल विवाह मुक्त घोषित, ग्राम सभाओं में पारित हुआ प्रस्ताव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के शुभ अवसर पर शुक्रवार को बोकारो जिले में सामाजिक सुधार की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। जिले के कसमार और जरीडीह सहित सभी प्रखंडों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं के दौरान एक साथ 92 राजस्व गांवों को 'बाल विवाह मुक्त गांव' बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया तथा संबंधित ग्राम पंचायतों को इसका प्रमाण पत्र भी जारी किया गया।

विशेष ग्राम सभाओं के दौरान कसमार प्रखंड की हिसीम पंचायत के हिसीम केदला, खैराचातर, टांगटोना, बगदा एवं खुदीबेड़ा गांवों में प्रस्ताव पास हुआ। इसी तरह बगदा पंचायत के बगदा, लोधकियारी, भवानीपुर; दुर्गापुर पंचायत के कुरको; मधुकरपुर पंचायत के मायापुर; मंजुरा पंचायत के झरमुंगा; खैराचातर पंचायत के मैरमहारा, उदयमारा; तथा पोंडा, बरईकला व मुरहुलसूदी को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया। इसके अलावा जरीडीह प्रखंड के बाराडीह व बारू राजस्व ग्रामों समेत जिले के चापी, सियारी, नारायणपुर, चास, उकरीद, स्वांग उत्तरी, सुरजुडीह और गर्री पंचायतों के सभी राजस्व गांवों को भी बाल विवाह मुक्त घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

इस अवसर पर बाल विवाह जैसी गंभीर कुरीति को समाज से जड़ से समाप्त करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। बाल विवाह निषेध पदाधिकारी सह बीडीओ नम्रता जोशी ने कहा कि ग्राम स्तरीय समितियों के माध्यम से गांवों में निरंतर सक्रिय निगरानी और प्रभावी रिपोर्टिंग तंत्र सुनिश्चित करके ही बाल विवाह की घटनाओं पर पूर्ण विराम लगाया जा सकता है। ग्राम सभाओं में उपस्थित मुखिया, पंचायत सचिव, प्रबुद्ध नागरिकों और ग्रामीणों ने एक स्वर में अपने गांवों को बाल विवाह से मुक्त रखने का दृढ़ निश्चय दोहराया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया बबीता देवी, सरिता देवी, विजय कुमार जायसवाल, राजेंद्र महतो, चंद्रशेखर नायक, चंद्रशेखर हेंब्रम, अनिता देवी, सुमित्रा कुमारी, गीता देवी, ममता देवी, रोजगार सेवक पदम लोचन गोराई, राजू चौधरी, जगन्नाथ बनर्जी, कुमारी किरण, रवि कुमार, मंजू देवी, प्रकाश कुमार महतो, विनीता देवी, रेखा देवी तथा 'सहयोगिनी' संस्था की ओर से सोनी कुमारी, सूर्यमणि देवी, पायल कुमारी, स्वाति प्रजापति, अजय कुमार व विजय कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बापू के विचारों और आदर्शों का देश है भारत : कैलाश

रांची। यंग आश्रम क्लब की ओर से आयोजित महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने गांधीजी और लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राजद प्रवक्ता ने कहा कि गांधीजी एक बैरिस्टर होने के बावजूद देश की आजादी के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन कर मार्ग प्रशस्त किया और अंग्रेजों को झुकने को विवश किया। उन्होंने सत्य और अहिंसा एवं शांति को हथियार बनाकर भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराया। उन्होंने असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह (दांडी मार्च) और भारत छोड़ो आंदोलन का ऐलान कर कई महत्वपूर्ण आंदोलनों का नेतृत्व किया। संयुक्त राष्ट्र ने गांधीजी के शांतिपूर्ण योगदान के लिए उनके सम्मान में दो अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया। इस कार्यक्रम में धर्मवीर यादव, डीके आलोक यादव, सुरेश राय, दीपक राय, गोपाल गुप्ता, विवेक कुमार और प्रेमनाथ राय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने चलाया स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान

रांची। बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय रांची द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा 2026' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सफाई और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले चरण में उप महाप्रबंधक सह क्षेत्रीय प्रमुख नीलमणि के नेतृत्व में लाला लाजपत राय चौक (सुजाता चौक) पर सफाई अभियान चलाया गया और फेरीवालों के बीच डस्टबिन, झाड़ू आदि स्वच्छता सामग्री वितरित की गई। दूसरे चरण में CIP, कांके परिसर में 100 छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। इस दौरान CIP निदेशक डॉ. विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। क्षेत्रीय प्रमुख नीलमणि ने कहा कि स्वच्छता जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए और पौधा लगाकर हम धरती मां के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

गांधी जयंती पर उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने बापू को दी श्रद्धांजलि

रांची। रांची के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पव अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने गांधीजी के बताए गए मार्ग उनके आदर्शों को याद किया। इस अवसर पर मुख्यरूप से वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर पारस राणा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, अपर जिला दंडाधिकारी रांची धनंजय, उपसमाहर्ता नजरत सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे, पुलिस उपाधीक्षक सदर वी रमन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

हुंडरू तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

रांची। रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के हुंडरू तालाब में शुक्रवार को डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान पलटू लोहरा के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से शव को बाहर निकाला। एयरपोर्ट के पीछे स्थित बस्ती में रहने वाले पलटू लोहरा शुक्रवार की दोपहर तालाब में नहाने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान अधिक गहराई में जाने की वजह से वह डूब गया। स्थानीय लोगों के शोर मचाने के बाद कई लोग वहां जुटे लेकिन कोई भी उसे बाहर नहीं निकाल पाया जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही रांची पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और उसकी तलाश शुरू की। एनडीआरएफ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद तालाब से पलटू के शव को बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अरगोड़ा अंचल के सीओ और एयरपोर्ट थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

जर्जर सड़क देख कुणाल षाड़ंगी ने की उपायुक्त से मरम्मति का आग्रह

पूर्वी सिंहभूम। बहरागोड़ा प्रखंड के डोमजुड़ी पंचायत अंतर्गत नयाग्राम चौक से नयाग्राम गांव तक बारिश के कारण जर्जर हुई सड़क की समस्या को लेकर शुक्रवार को झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने स्थल निरीक्षण किया। ग्रामीणों के आग्रह पर नयाग्राम पहुंचे कुणाल षाड़ंगी ने सड़क की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से उनकी परेशानियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सड़क की बदहाल स्थिति सामने आने के बाद कुणाल षाड़ंगी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उपायुक्त से फोन पर संपर्क किया। उन्होंने उपायुक्त को मौके की वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि लगातार बारिश के कारण सड़क कई जगहों पर जर्जर हो गई है और ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी हो रही है। कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतों और आवागमन को देखते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उपायुक्त के आश्वासन के बाद संबंधित विभाग जल्द कार्रवाई करेगा और ग्रामीणों को राहत मिलेगी। इस दौरान झामुमो के वरिष्ठ नेता आदित्य प्रधान, संजीव रथ, सुनील जेना, देवाशीष पात्रा, सतवंत गिरी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

सकरिगली–महाराजपुर के बीच तटबंध पुनर्बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज: मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा ने आज मालदा टाउन–साहिबगंज खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर रेलमार्ग के साथ रेलवे आधारभूत संरचना की स्थिति की समीक्षा की। इसके पश्चात उन्होंने साहिबगंज–बरहरवा खंड में सकरिगली एवं महाराजपुर स्टेशनों के बीच चल रहे तटबंध पुनर्बहाली कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा की और स्थल पर चल रही पुनर्बहाली गतिविधियों की निकटता से निगरानी की। उन्होंने अभियंत्रण सहित अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारियों तथा पुनर्बहाली कार्य में लगे श्रमिकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। तटबंध पुनर्बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है। तटबंध को सुदृढ़ करने तथा जल प्रवाह के कारण हो रहे मृदा कटाव को रोकने के लिए नदी किनारे तार-जाल संरचनाओं में पैक किए गए बोल्डरों को लगाया जा रहा है। पुनर्बहाली कार्य में तेजी लाने के लिए रेलवे कर्मी एवं श्रमिक चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं। चौबीसों घंटे पुनर्बहाली कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए स्थल पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, श्रमिकों के लिए प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सा सहायता, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्था की गई है। आपातकालीन एवं बचाव संबंधी व्यवस्थाएं भी तैयार रखी गई हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर रहे हैं। पूर्व रेलवे का मालदा मंडल यात्री सुरक्षा एवं ट्रेन परिचालन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुनर्बहाली कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डुमरी में गांधी-शास्त्री जयंती पर सभी पंचायतों में विशेष ग्राम सभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी: प्रखंड सह अंचल कार्यालय में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। जयंती समारोह में सीओ शशि भूषण वर्मा सहित सभी कर्मी उपस्थित थे। सीओ ने जानकारी दी कि इस अवसर पर प्रखंड के सभी पंचायत सचिवालयों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया है। इन ग्राम सभाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का चयन कर गांव का सर्वांगीण विकास करना है। प्रखंड के मधगोपाली पंचायत में मुखिया जागेश्वर यादव, कल्हाबार पंचायत में मुखिया नूरउद्दीन अंसारी, डुमरी में मुखिया शोभा जायसवाल, बेरहा-सूईयाडीह पंचायत में मुखिया सुबोध यादव, रांगामाटी पंचायत में मुखिया जागेश्वर महतो और जामतारा पंचायत में मुखिया खेमलाल महतो की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा संपन्न हुई। कार्यक्रम में पंचायत सचिव पुष्पा कुमारी ने उपस्थित लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही विकास योजनाओं का खाका तैयार किया गया। इस दौरान किरण रजक, संजय कुमार सहित सभी वार्ड सदस्य उपस्थित थे।वहीं जैन फीलिंग स्टेशन में ऑनर शिवेश भगत और झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन कार्यालय में यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो के नेतृत्व में भी गांधी जयंती मनाई गई।

डीएवी स्कूलों में गांधी व शास्त्री जयंती पर रन फॉर डीएवी प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। अग्रसेन डीएवी भरेचनगर में महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। विद्यालय प्राचार्य जीपी झा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मियों ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया।

मौके पर रन फॉर डीएवी के अंतर्गत दौड़ प्रतियोगिता हुई। दौड़ के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास व सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका मौसमी बनर्जी व वरिष्ठ शिक्षक चंद्रशेखर सिंह यादव ने किया। जबकि डीएवी आरा में आयोजित रन फॉर डीएवी में विद्यालय परिसर से दो किलोमीटर तक आईडब्ल्यूएसपी तक बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी दौड़ लगाई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अल्प जलपान के रूप में गुड़, चना व शरबत की व्यवस्था प्रदान की गई। इससे पूर्व विद्यालय प्राचार्य आलोक कुमार ने दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर रघुपति राघव राजा राम भजन का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने दौड़ में सफल विद्यार्थियों को ट्रॉफी देने के पश्चात अहिंसा व अनुशासन के मार्ग पर चलने से ही आअगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डीएवी आरा के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सुगिया में एसटीएफसी महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। एसटीएफसी सुगिया ने शुक्रवार को महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल करमा परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा, विशिष्ट अतिथि झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो, करमा दक्षिणी मुखिया खगेश्वर महतो, करमा लोकल सेल संचालन समिति अध्यक्ष रामेश्वर महतो व पंसस किरण देवी उपस्थित हुए। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति ने बुके देकर किया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय मुंडा, संचालन प्रेमचंद मुंडा व किशुन महतो ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने उद्घाटन मैच खेलने उतरी एसएस क्लब हरिदगढ़ा व मुंडा ब्रदर्स बारलोंग के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद कीक मारकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। बेहतरीन खेल के बदौलत हरिदगढ़ा की टीम 1-0 से विजयी रही। मैच में रेफरी की भूमिका छोटू दास, गंगेश्वर महतो, जितेंद्र बेदिया व योगेश हेंब्रम ने बखूबी निभाया। इस दौरान आयोजन समिति के सचिव रवि मुंडा, कोषाध्यक्ष नरेश मुंडा, संरक्षक पोखलाल मुंडा, मोहरलाल महतो, पुनीत करमाली, बीरबल मुंडा, सहदेव महतो, अर्जुन मुंडा, राजनाथ महतो समेत सदस्यों में

प्रकाश मुंडा, मोहित मुंडा, घनश्याम महतो, बाबूचंद मरांडी, प्रेमलाल मुंडा, बिरसा मुंडा, गौतम मुंडा समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

डीजीपी की बैठक के नौ घंटे बाद फायरिंग, बाबूलाल ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जमशेदपुर में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की समीक्षा बैठक के कुछ ही घंटे बाद हुई गोलीबारी की घटना को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डीजीपी की उच्चस्तरीय बैठक में अपराध नियंत्रण और पुलिस की मुस्तैदी पर चर्चा हुई, लेकिन बैठक के महज नौ घंटे बाद सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में एक युवक पर रंगदारी के लिए चार-पांच राउंड फायरिंग कर दी गई। मरांडी ने दावा किया कि युवक फोन पर बात कर रहा था, तभी बदमाश वहां पहुंचे, गोली चलाई और फरार हो गए। उन्होंने कहा कि घटना से यह सवाल उठता है कि पुलिस की बैठकों और अपराधियों के दुस्साहस के बीच जमीन पर कितना अंतर है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि जमशेदपुर जैसे शहर में डीजीपी की समीक्षा बैठक के कुछ घंटे बाद ही अगर खुलेआम गोलीबारी होती है तो आम लोगों के बीच सुरक्षा को लेकर भरोसा कैसे कायम होगा। उन्होंने डीजीपी की कार्यशैली और पुलिस व्यवस्था पर भी तीखी टिप्पणी की। मरांडी ने आरोप लगाया कि पुलिस व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण नहीं है और व्यवस्था रिमोट कंट्रोल से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की बैठकें और बयान तभी सार्थक होंगे, जब उनका असर जमीन पर दिखाई दे। जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल और ठोस कार्रवाई चाहती है। अपराधियों में कानून का भय और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम होना चाहिए।

झारखंड में 306 विशेषज्ञ चिकित्सकों की होगी नियुक्ति, 8 अक्टूबर से आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

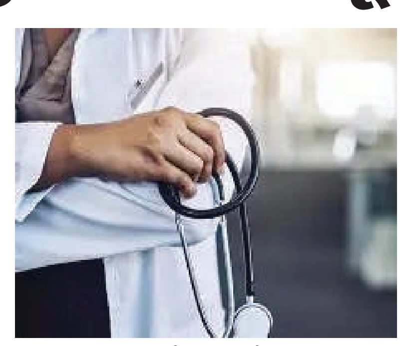

रांची। झारखंड में चिकित्सीय सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग 306 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति करेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी और इच्छुक अभ्यर्थी 31 अक्टूबर की रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को विज्ञापन और प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। भर्ती में 200 नॉन-टीचिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर और 106 स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के पद शामिल हैं। दोनों श्रेणियों के लिए आवेदन केवल निर्धारित ऑनलाइन भर्ती पोर्टल के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। आयु की गणना के लिए कटऑफ तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन के लिए अभ्यर्थी के पास एमबीबीएस की डिग्री के साथ संबंधित विशेषज्ञता में एनएमसी से मान्यता प्राप्त संस्थान से पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री या डिप्लोमा होना जरूरी है। संबंधित मेडिकल काउंसिल में वैध पंजीकरण भी अनिवार्य है। दोनों श्रेणियों के पदों के लिए न्यूनतम आयु 23 वर्ष और अधिकतम आयु 64 वर्ष निर्धारित की गई है।

13 विशेषज्ञताओं में 200 पद- नॉन-टीचिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के 200 पदों पर एनेस्थीसिया, डर्मेटोलॉजी, ईएनटी, फॉरेंसिक साइंस, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग, ऑर्थोपेडिक्स, पीडियाट्रिक्स, पैथोलॉजी, मेडिसिन, मनोरोग, रेडियोलॉजी और सर्जरी जैसी विशेषज्ञताओं के चिकित्सकों का चयन किया जाएगा। वहीं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 106 स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के पदों पर एनेस्थीसिया, डर्मेटोलॉजी, ईएनटी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, मनोरोग, रेडियोलॉजी और सर्जरी विशेषज्ञता के चिकित्सकों की नियुक्ति होगी। चयनित चिकित्सकों की पोस्टिंग विज्ञापन में निर्धारित स्थानों के अनुसार की जाएगी।

- **200 नॉन-टीचिंग और 106 स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के पद-31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन**

200 पदों पर अनुबंध के आधार पर नियुक्ति- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 200 नॉन-टीचिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति विशुद्ध रूप से अनुबंध के आधार पर होगी। नियुक्ति विज्ञापन में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अधीन रहेगी। वहीं एनएचएम के तहत 106 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी झारखंड स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक पोर्टल और झारखंड रूरल हेल्थ मिशन सोसाइटी (जेआरएचएमएस) के भर्ती माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। राज्य स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट पर एनएचएम पोर्टल का आधिकारिक लिंक उपलब्ध है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के पावन अवसर पर रामगढ़ जिले में 'पंचायत सशक्तिकरण योजना' के तहत डीएमएफटी मद से रामगढ़, पतरातू एवं गोला में 4.96 करोड़ से अधिक की 152 विकास योजनाओं का हुआ भव्य शिलान्यास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन अवसर पर 2 अक्टूबर को रामगढ़ जिले में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से 'पंचायत सशक्तिकरण योजना' के तहत एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। उपायुक्त रामगढ़ श्री ऋतुराज के कुशल दिशा-निर्देशन में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित पंचायत सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत जिले के तीन प्रमुख प्रखंडों—रामगढ़, पतरातू एवं गोला में कुल 4 करोड़ 96 लाख 76 हजार की लागत से 152 विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ।सभी प्रखंड परिसरों में कार्यक्रमों का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर श्रद्धासुमन एवं माल्यार्पण कर किया गया, जहाँ उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने बापू के आदर्शों, स्वच्छता और पंचायत सशक्तिकरण के प्रति अपना संकल्प दोहराया साथ ही सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता ही सेवा के तहत अपने-अपने क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने को लेकर संकल्प भी लिया।पंचायत सशक्तिकरण योजना के तहत विकास कार्यों के इस महाअभियान की शुरुआत रामगढ़ प्रखंड परिसर से हुई, जहाँ कुल 36 लाख रुपये की लागत से 6 महत्वपूर्ण योजनाओं की आधारशिला रखी गई। इस शिलान्यास समारोह में हजारीबाग के माननीय सांसद श्री मनीष जायसवाल, रामगढ़ की विधायक ममता देवी, जिला परिषद सदस्यों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि रमेश एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी सौरभ प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।इसके पश्चात पतरातू प्रखंड कार्यालय परिसर में पंचायत सशक्तिकरण योजना अंतर्गत आयोजित विशाल समारोह में 2 करोड़ 52 लाख 76 हजार रुपये की प्राक्कलित राशि से 88 वृहद योजनाओं का शिलान्यास हुआ। पतरातू के इस गरिमामयी कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री मनीष जायसवाल, बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सौरभ प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज गुप्ता, विभिन्न जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत मुखिया उपस्थित रहे।

इसी क्रम में गोला प्रखंड परिसर कार्यालय में आयोजित भव्य समारोह के दौरान पंचायत सशक्तिकरण योजना एवं DMFT मद से स्वीकृत 2 करोड़ 8 लाख रुपये की कुल लागत वाली 58 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। गोला के इस कार्यक्रम में रामगढ़ विधायक ममता देवी, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा, सांसद प्रतिनिधि, प्रमुख, उप-प्रमुख तथा विभिन्न पंचायतों के मुखिया व जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के शेष तीन प्रखंडों—चितरपुर, दुलमी एवं मांडू में भी अति शीघ्र पंचायत सशक्तिकरण योजना के तहत DMFT मद से स्वीकृत विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास कर धरातल पर उतारा जाएगा। गांधी जयंती के शुभ अवसर पर शुरू की गई ये सभी योजनाएँ जिले की पंचायतों को प्रशासनिक व ढांचागत रूप से मजबूत बनाने, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा देने और आम जनता तक मूलभूत सुविधाएँ पहुँचाने में मील का पत्थर साबित होंगी। मौके पर मुखिया जीतलाल टुडू,सतीश मुर्मू,मो जावेद,सीओ सीताराम महतो आदि मौजूद थे।

रुपया सिर्फ मुद्रा नहीं, हमारी आर्थिक ताकत का आईना है

रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले गिरती है तो उसका असर केवल शेयर बाजार या विदेशी मुद्रा बाजार तक सीमित नहीं रहता। धीरे-धीरे इसका असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी तक पहुंचता है। पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, विदेश से आने वाली वस्तुओं की कीमत बढ़ सकती है और उद्योगों की लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए रुपये की मजबूती का सवाल केवल सरकार, रिजर्व बैंक या अर्थशास्त्रियों का विषय नहीं है। इसमें आम नागरिक की भी अपनी भूमिका है।

सवाल यह है कि हम डॉलर की जरूरत कम कैसे करें? इसका एक सीधा रास्ता है... जहां संभव हो, वहां देश में बने सामान को प्राथमिकता देना और अनावश्यक आयात पर निर्भरता घटाना। इसका मतलब यह नहीं कि हर विदेशी वस्तु का विरोध किया जाए या गुणवत्ता से समझौता किया जाए। बात इतनी भर है कि जब समान या बेहतर विकल्प देश में उपलब्ध हो, तो केवल दिखावे या विदेशी ब्रांड के आकर्षण में उसे नजरअंदाज क्यों किया जाए?

आज बाजार में खरीदारी केवल जरूरत के आधार पर नहीं होती। कई बार ब्रांड हमारी सामाजिक पहचान का हिस्सा बन जाता है। मोबाइल से लेकर कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, खिलौने और रोजमर्रा की कई चीजों तक विदेशी उत्पादों की मांग दिखाई देती है। उपभोक्ता के लिए यह एक छोटा फैसला लगता है, लेकिन करोड़ों लोग जब ऐसे फैसले एक साथ लेते हैं तो उसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

दूसरी बड़ी चुनौती ऊर्जा की है। भारत अपनी जरूरत के बड़े हिस्से का कच्चा तेल आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और भुगतान डॉलर में करना पड़ता है। यानी हमें तेल खरीदने के लिए ज्यादा डॉलर चाहिए। इसका दबाव रुपये पर भी पड़ता है। ऐसे में निजी वाहन का अनावश्यक इस्तेमाल कम करना, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और ईंधन की बचत करना केवल पर्यावरण की बात नहीं, आर्थिक समझदारी भी है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी देखना जरूरी है। भारत का औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है, विनिर्माण क्षेत्र में गतिविधियां तेज हुई हैं और वस्तुओं तथा सेवाओं के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। इसका अर्थ है कि देश के भीतर उत्पादन की क्षमता मौजूद है और उसे और मजबूत किया जा सकता है। अगर भारतीय उद्योग गुणवत्ता, कीमत और तकनीक के मामले में प्रतिस्पर्धी बनते हैं, तो घरेलू बाजार के साथ-साथ दुनिया के बाजार में भी उनकी जगह बढ़ सकती है।

यहीं नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। बाजार में मांग होगी तो कंपनियां उत्पादन बढ़ाएंगी। उत्पादन बढ़ेगा तो रोजगार बढ़ेंगे। कारोबार बढ़ेगा तो कर राजस्व बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत होगा। यानी किसी भारतीय उत्पाद को खरीदना अपने आप में कोई बड़ा आर्थिक सुधार नहीं है, लेकिन करोड़ों उपभोक्ताओं की छोटी-छोटी पसंद मिलकर बड़ा बदलाव जरूर ला सकती है।

साथ ही, हमें यह समझना होगा कि रुपये की कीमत केवल भारतीय उपभोक्ताओं के कारण तय नहीं होती। अमेरिका की ब्याज दरें, वैश्विक निवेश, कच्चे तेल की कीमत, व्यापार घाटा और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी रुपये पर असर डालती हैं। इसलिए केवल स्वदेशी खरीद को रुपये की हर समस्या का समाधान मानना सही नहीं होगा। लेकिन जिन क्षेत्रों में हमारी निर्भरता कम हो सकती है, वहां आत्मनिर्भरता निश्चित रूप से आर्थिक मजबूती का आधार बन सकती है। आज जरूरत किसी नारे की नहीं, बाजार में समझदारी भरे व्यवहार की है। खरीदने से पहले यह देखना कि सामान कहां बना है, क्या उसका भारतीय विकल्प उपलब्ध है और क्या हमें वास्तव में उसकी जरूरत है... इतना बदलाव भी मायने रखता है। राष्ट्रहित हमेशा बड़े फैसलों से ही नहीं बनता। कई बार वह हमारी रोज की छोटी-छोटी पसंदों में दिखाई देता है। रुपया मजबूत करने की यात्रा भी शायद यहीं से शुरू होती है।

चुनाव आयोग में विवाद से मतदाताओं के बीच भरोसे का संकट

राज कुमार सिन्हा

भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने, फार्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटा के प्रबंधन जैसे मामलों पर सवाल उठाए हैं। दोनों आयुक्तों ने मतदाता डेटा और चुनावी सॉफ्टवेयर के केंद्रीकरण को लेकर भी चिंता जताई थी। सीमा खन्ना चुनाव आयोग में आईटी और डिजिटल सिस्टम की प्रमुख अधिकारी हैं। 22 जनवरी 2026 को चुनाव आयोग ने ईसीआईनेट लॉन्च किया गया था। चुनाव आयोग में विवाद ईसीआईनेट और ईआरओनेट के जरिए मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सवाल उठाया है कि सीमा खन्ना के नेतृत्व वाले आईटी विभाग ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन आफिसर्स (ईआरओएस) की पहुंच और उनके वैधानिक अधिकारों को सीमित कर दिया है। जिस तरह गोवा में ईआरओ वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव नहीं कर सके। जबकि उनके पास इसकी वैधानिक ताकत थी। लेकिन केंद्र में बैठी सीमा खन्ना का विभाग इस काम को आसानी से कर रहा था। जबकि उनके पास वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव या छेड़छाड़ का कोई वैधानिक अधिकार नहीं था। इस विवाद का सबसे अहम उदाहरण गोवा का सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में 97 मतदाताओं के मामलों की स्थानीय ईआरओ स्तर पर जांच हुई और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य पाया गया। लेकिन संबंधित नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने में सॉफ्टवेयर और डेटाबेस एक्सेस से जुड़ी समस्या सामने आई। ईआरओ इसे मतदाता सूची सिस्टम में डाल ही नहीं पा रहे थे। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर ने इस समस्या के समाधान और रोलबैक फैसलिटी उपलब्ध कराने के लिए 11 से 17 फरवरी 2026 के बीच चुनाव आयोग को आठ बार ईमेल भेजा था। इस कम्युनिकेशन में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश भारती को संबोधित किया गया था और सीमा खन्ना को भी उसकी कॉपी भेजी गई थी। परन्तु केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं किया गया। इस मामले में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी को भी पत्र लिखा था। दूसरी ओर 18 वर्ष के नए युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की हर साल होने वाली स्पेशल समरी रिवीजन(एसएसआर) प्रक्रिया 2024 के बाद से लंबित है। हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग को लेकर दो स्तरों पर बहस तेज हुई है। पहला सवाल आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर और दूसरा मतदाता सूचियों का एसआईआर को लेकर है। इसके साथ ही आयोग के भीतर निर्णयों पर मतभेद की खबरों ने भी संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर चर्चा को बढ़ाया है।भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो एक बहुसदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है।चुनाव कराने वाली संस्था पर उठते सवाल के कारण उसकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की वास्तविक ताकत है। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उनकी जानकारी के बिना लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर सबंधी निर्णयों पर कई आपत्तियां दर्ज कराई थी।विगत कई वर्षों तक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद द्वारा कोई अलग कानून नहीं बनाया था। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में कहा था कि जब तक संसद इस विषय में कानून नहीं बनाती, तब तक नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सलाह पर होनी चाहिए। न्यायालय ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना था। इसके बाद संसद ने 2023 में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून बनाया। इस कानून में चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। इस व्यवस्था में मुख्य न्यायाधीश को समिति से बाहर कर दिया गया। यही प्रावधान अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती का विषय है। 23 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ में इस मामले पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। इसके बाद मामला संविधान पीठ के समक्ष रखे जाने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा गया है। इसका अर्थ यह नहीं है कि नियुक्ति कानून असंवैधानिक घोषित हो गया है, बल्कि अब इसकी संवैधानिक वैधता पर बड़े पीठ के स्तर पर विचार का रास्ता खुला है। यहीं लोकतंत्र का मूल प्रश्न सामने आता है कि चुनाव कराने वाली संस्था जितनी स्वतंत्र दिखाई देगी, चुनाव परिणामों और चुनाव प्रक्रिया पर नागरिकों का विश्वास उतना ही मजबूत होगा।मतदाता सूची लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो मतदान केंद्र पर उसकी राजनीतिक भागीदारी संभव नहीं होगी। इसी कारण मतदाता सूची का शुद्धीकरण एक आवश्यक प्रक्रिया है। निर्वाचन आयोग का तर्क रहा है कि मृत, स्थानांतरित, दोहरे या अपात्र नामों को हटाना जरूरी है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान देश भर में ड्राफ्ट रोल से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए जाने से पारदर्शिता पर सवाल खड़ा हो गया है।पात्र नागरिकों के नाम सूची से कट जाने का डर और पूरी सत्यापन प्रक्रिया की जटिलता से आम मतदाता चिंतित है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर नागरिक संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से यह चिंता सामने आई कि सत्यापन की कठिन प्रक्रिया के कारण वास्तविक मतदाता कहीं सूची से बाहर न हो जाएं।सुप्रीम कोर्ट ने मई 2026 में बिहार एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा, लेकिन मतदाता सूची से जुड़े विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया कि सूची सुधार और मताधिकार संरक्षण के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी मतदाता सूची पुनरीक्षण की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितने अपात्र नाम हटाए गए। यह भी देखना होगा कि कितने पात्र नागरिकों के नाम सुरक्षित रहे, कितने नाम हटाए गए लोगों को समय पर सूचना मिली और उन्हें अपना पक्ष रखने तथा अपील करने का वास्तविक अवसर मिला। दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में आयोग के कुछ निर्णयों, विशेष रूप से एसआईआर से जुड़े मामलों पर कई बार आपत्तियां दर्ज की थी। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति विचार-विमर्श और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हो सकती है। महत्वपूर्ण यह है कि अंतिम निर्णय किस कानूनी आधार पर लिया गया और संबंधित सदस्यों को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध थी या नहीं? वर्तमान विवाद के बाद चुनाव आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है।

"स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।"
-बाल गंगाधर तिलक

"यदि किसी देश को भ्रष्टाचार-मुक्त और सुंदर मनों वाला बनाना है, तो तीन लोग ऐसा कर सकते हैं: पिता, माता और गुरु।" -डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

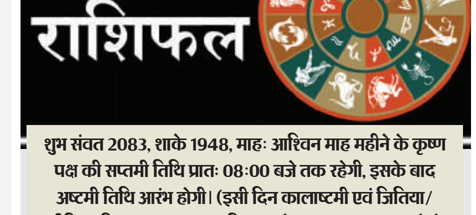

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि प्रातः 08:00 बजे तक रहेगी, इसके बाद अष्टमी तिथि आरंभ होगी। (इसी दिन कालाष्टमी एवं जितिया/जीवितपुत्रिका व्रत का पूजन विधान रहेगा)। सुबह 11:46 बजे से दोपहर 12:33 बजे तक (किसी भी सामान्य शुभ कार्य के लिए श्रेष्ठ)।

आज जन्म लिए बालक का फल...

जन्म लेने वाले बच्चे की चंद्र राशि मिथुन रहेगी, क्योंकि इस पूरे दिन चंद्रमा मिथुन राशि में ही गोचर करेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार बच्चे का जन्म आर्द्रा नक्षत्र के अंतर्गत होगा, जिसके स्वामी राहु देव हैं।

मेष राशिः आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

वृष राशिः करियर में आगे बढने के नए अवसर सामने आएंगे। सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे।

मिथुन राशिः किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशिः आज किसी काम को पूरा करने में कुछ समय लगेगा। आज आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशिः आपके जीवन में खुशहाली आएगी। आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाएंगे।

कन्या राशिः शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई फैसला लेंगे, जिसका फायदा अवश्य मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गई व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा।

मकर राशिः प्रॉपर्टी डीलर के व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशिः आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आय के नए स्रोत सामने आएंगे।

मीन राशिःआज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

बच्चों के हाथ में मोबाइल बढ़ा तो बचपन हुआ डिजिटल कैद

कांतिलाल मांडोत

अभिभावकों की जागरूकता से ही मोबाइल की लत पर लग सकता है अंकुश

आज के समय में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन चुका है। पढ़ाई, जानकारी, संवाद और मनोरंजन से लेकर अनेक जरूरी काम स्मार्टफोन के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन जब यही सुविधा बच्चों की आदत और फिर लत में बदलने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है। देश में बच्चों और किशोरों के बीच स्मार्टफोन का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसने अभिभावकों और समाज के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासकर 10 से 19 वर्ष की उम्र के बच्चे डिजिटल दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 15 से 19 वर्ष के करीब 49 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जो 2023 तक बढ़कर 91 प्रतिशत से अधिक हो गया। यानी तीन वर्ष में उपयोग में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

बच्चों में स्मार्टफोन की पहुंच केवल किशोरों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 8 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 30 प्रतिशत बच्चों के पास अपना व्यक्तिगत फोन है, जबकि 62 प्रतिशत बच्चे माता-पिता के फोन का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2026 की शुरुआत तक 10 से 14 वर्ष की उम्र के लगभग 83 प्रतिशत बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच बताई गई है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि मोबाइल केवल बच्चों के हाथ में पहुंचने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके व्यवहार, सोच, पढ़ाई, सामाजिक संबंध और सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है। बच्चों को मोबाइल देने की शुरुआत अक्सर बहुत सामान्य कारणों से होती है। बच्चा खाना नहीं खा रहा हो, जिद कर रहा हो, रो रहा हो या शरारत कर रहा हो तो उसे शांत करने के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल को मनोरंजन का सबसे आसान साधन मानने लगता है। माता-पिता भी व्यस्तता के कारण कई बार इस आदत पर तत्काल ध्यान नहीं देते। बच्चे की जिद पूरी करना उस समय आसान समाधान दिखाई देता है, लेकिन यही सुविधा आगे चलकर आदत का रूप ले सकती है। जब बच्चा हर खाली समय मोबाइल पर बिताने लगे और मोबाइल न मिलने पर बेचैनी दिखाए तो अभिभावकों को इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए। मोबाइल और इंटरनेट का सही इस्तेमाल बच्चों के लिए ज्ञान और सीखने का माध्यम बन सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन का उपयोग जरूरत से अधिक होने लगे। कई बच्चे प्रतिदिन सात से दस घंटे तक स्क्रीन के सामने समय बिताने लगे हैं। इससे पढ़ाई के लिए मिलने वाला समय प्रभावित होता है और खेलकूद, परिवार के साथ बातचीत तथा सामाजिक गतिविधियों के

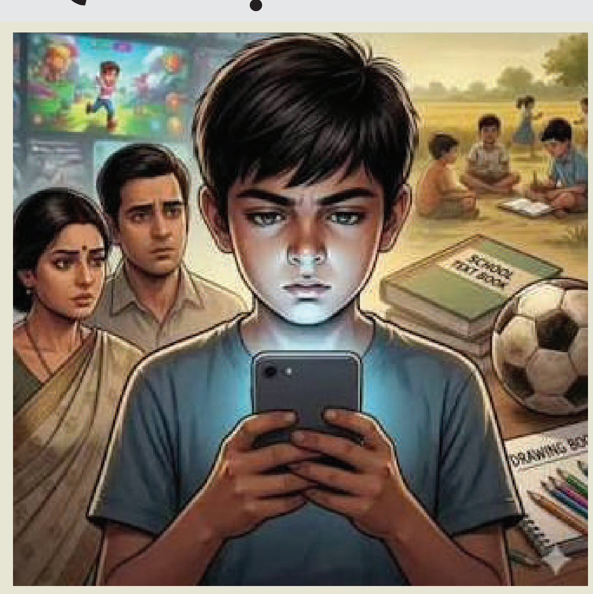

लिए समय कम हो जाता है। लगातार स्क्रीन पर रहने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकती है। मोबाइल पर मिलने वाला लगातार मनोरंजन उन्हें सामान्य गतिविधियों में कम रुचि लेने के लिए भी प्रेरित कर सकता है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का पहलू इससे भी अधिक गंभीर है। इंटरनेट की दुनिया में अच्छी सामग्री के साथ ऐसी सामग्री भी मौजूद है जो बच्चों के लिए अनुपयुक्त और नुकसानदेह हो सकती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बच्चों के खिलाफ होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक साइबर अपराध अश्लील सामग्री से जुड़े बताए गए हैं। यह स्थिति बताती है कि बच्चों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी देना भी जरूरी है। अनजान लोगों से बातचीत, संदिग्ध संदेशों पर प्रतिक्रिया, निजी जानकारी साझा करना और अनुचित सामग्री के संपर्क में आना बच्चों को साइबर अपराधियों के निशाने पर ला सकता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि अनेक बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के साधनों की पूरी जानकारी नहीं है। एक सर्वे में केवल 37.1 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे सामग्री की शिकायत करने और सुरक्षा संबंधी उपकरणों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं। वहीं पांच में से एक युवा को ऐसे सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ही नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्रों तथा 11 से 13 वर्ष की उम्र के बच्चों में जागरूकता का स्तर और कम पाया गया। इसका अर्थ साफ है कि इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके सुरक्षित इस्तेमाल की समझ उसी गति से नहीं बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर रखना हमेशा व्यावहारिक नहीं हो सकता, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान के लिए भी डिजिटल माध्यम जरूरी हो चुके हैं। इसलिए प्रतिबंध के बजाय संतुलित उपयोग की आदत विकसित करना अधिक जरूरी है। माता-पिता को बच्चों के लिए मोबाइल इस्तेमाल का निश्चित समय तय करना चाहिए। पढ़ाई, भोजन, परिवार के साथ समय और सोने से पहले मोबाइल से दूरी जैसी आदतों को धीरे-धीरे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। बच्चों को मोबाइल देने के बजाय उनके साथ समय बिताना भी जरूरी है। बच्चा जब जिद करे या परेशान हो तो हर बार मोबाइल को समाधान बनाने के बजाय उससे बातचीत करनी चाहिए। खेल, किताबें, रचनात्मक गतिविधियां और परिवार के साथ सामूहिक समय बच्चों को मोबाइल के विकल्प दे सकते हैं। माता-पिता स्वयं मोबाइल का कितना इस्तेमाल करते हैं, इसका भी बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में बड़े लोग हर समय फोन में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से मोबाइल से दूरी की अपेक्षा करना कठिन होगा। सरकार और विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की सुरक्षा, संदिग्ध सामग्री की शिकायत और ऑनलाइन व्यवहार के बारे में उम्र के अनुरूप जानकारी दी जानी चाहिए। केवल सोशल मीडिया पर उम्र संबंधी प्रतिबंध लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चों, अभिभावकों, विद्यालयों और डिजिटल मंचों को मिलकर सुरक्षित वातावरण तैयार करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही या सुरक्षित नहीं होती।

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरुआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी। यदि अभिभावक समय रहते बच्चों की मोबाइल आदत पर ध्यान दें, उनके साथ संवाद बढ़ाएं और ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी दें तो डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए खतरा बनने के बजाय अवसर का माध्यम बन सकती है। बच्चों का बचपन केवल स्क्रीन पर नहीं, बल्कि परिवार, खेल, किताब, मित्रता और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच भी विकसित होना चाहिए।

पूर्वजों की स्मृति, संस्कारों की विरासत और आशीर्वाद का पर्व है पितृ पक्ष

योगेश कुमार गोयल

- पूर्वजों के आशीर्वाद का महापर्व है पितृ पक्ष

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार 10 अक्टूबर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात् पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात् सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक

उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है। हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरुआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने डोंट मिस ए बीट थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज़्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द. जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रान्ति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

मवेशी व्यापारी को गोली मारी, तीन नकाबपोश बदमाशों ने सोने की चेन भी लूटी, पुलिस जांच में जुटी

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना इलाके में शुक्रवार दोपहर तीन बदमाशों ने एक मवेशी व्यापारी को गोली मारकर घायल कर दिया। बदमाशों ने उसके साथी से सोने की चेन भी लूट ली। घटना लालगंज-अंबारा रोड पर शाहदुल्लाहपुर में हुई। अकिलाबाद निवासी मोहन राय अपने साथी किशोर कुमार के साथ मंसूरपुर मवेशी खरीदने जा रहे थे। रास्ते में मास्क लगाए तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और लूटपाट की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने मोहन राय के पैर में गोली मार दी। गोली लगने के बाद बदमाश किशोर कुमार के गले से सोने की चेन छीनकर अंबारा की तरफ भाग गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल मोहन राय को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही लालगंज थानाध्यक्ष सुभाष प्रसाद और ग्रामीण एसपी सोनू कुमार राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। एफएसएल और डीआईयू की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

पंचायतों में बाल विवाह रोकने का संकल्प, गांधी जयंती पर विशेष ग्रामसभा

हाजीपुर। वैशाली में गांधी जयंती के मौके पर वैशाली जिले की कई पंचायतों में बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। डीएम वर्षा सिंह के निर्देश पर आयोजित आमसभाओं में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बाल विवाह रोकने का सामूहिक संकल्प लिया। इस दौरान ग्रामीणों को बाल विवाह रोकने से जुड़े कानून और बाल विवाह मुक्त पंचायत के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। लालगंज प्रखंड की बसंता जहानाबाद पंचायत में जिला प्रशासन और स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया और प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष गणेश राय ने की। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार

शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। ग्रामसभा में पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह मुक्त गांव के लिए प्रस्ताव के सत्यापन और सरकारी प्रमाणीकरण की प्रक्रिया किस तरह पूरी की जाती है। पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बाल विवाह रोकने में सहयोग का भरोसा दिलाया। डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने कहा कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़ी गंभीर सामाजिक समस्या है। इसे खत्म करने के लिए प्रशासन के साथ पंचायत प्रतिनिधियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने ग्रामीणों से कानूनी उम्र से पहले बच्चों की शादी नहीं कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि कहीं बाल विवाह की तैयारी या आयोजन की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दी जानी चाहिए। मुखिया गणेश राय ने पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया।

दिघवारा में आरपीएफ ने 6 सपेरों को पकड़ा, 5 कोबरा और 1 रेड सैंड बोआ बरामद, वन विभाग को सौंपे गए

हाजीपुर। दिघवारा में चलती जनसेवा एक्सप्रेस के साधारण कोच में जहरीले सांप देखकर यात्रियों में डर फैल गया। पांच कोबरा और एक रेड सैंड बोआ लेकर छह सपेरे यात्रियों के बीच घूम रहे थे। सांपों को दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगे जा रहे थे। यात्रियों के अनुसार, पैसे नहीं देने पर सांप शरीर पर रखने की धमकी भी दी जा रही थी। इससे कई बच्चे डरकर रोने-चिल्लाने लगे और यात्री अपनी सीटों से हटकर दूर जाने लगे। घटना 2 अक्टूबर की है। गाड़ी संख्या 14618 जनसेवा एक्सप्रेस छपरा से सोनपुर की ओर जा रही थी। सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगने की सूचना मिलने के बाद आरपीएफ ने कार्रवाई शुरू की। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ सोनपुर पोस्ट दिघवारा के उपनिरीक्षक शमशेर कुमार और सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार छपरा से ट्रेन में सवार हुए। छपरा से दिघवारा के बीच साधारण कोचों की जांच के दौरान छह

सपेरे सांप दिखाकर पैसे मांगते मिले। आरपीएफ ने उनसे सांप रखने और यात्रियों से पैसे मांगने का प्राधिकार पत्र मांगा। उनके पास कोई प्राधिकार पत्र नहीं था। इसके बाद आरपीएफ ने पांच कोबरा और एक रेड सैंड बोआ को सुरक्षित कब्जे में लिया। दिघवारा स्टेशन पहुंचने पर सभी छह सपेरों को ट्रेन से उतार दिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान शिवम (20), मूसेनाथ (24), अरवेशनाथ (29), सिकंदर नाथ (50), अखिलेश नाथ (34) और बलमा नाथ (25) के रूप में हुई। सभी उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज और रायबरेली के रहने वाले बताए गए हैं। उपनिरीक्षक शमशेर कुमार ने बताया कि 2 अक्टूबर 2026 को वरीय अधिकारियों के निर्देश पर स्नेक चार्मर्स के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक सोनपुर के निर्देशन में वे सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार के साथ गाड़ी संख्या 14618 डॉ. जनसेवा एक्सप्रेस में छपरा से सवार हुए। छपरा से दिघवारा के बीच छह व्यक्तियों को विषैले सांप यात्रियों को दिखाकर पैसे वसूलते हुए पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि सांप रखने और यात्रियों से पैसे मांगने के संबंध में प्राधिकार पत्र मांगा गया, लेकिन उनके पास कोई प्राधिकार पत्र नहीं था। सभी को दिघवारा में उतारकर सांपों को सुरक्षित कब्जे में लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों के पास से पांच कोबरा और एक रेड सैंड बोआ सांप बरामद हुआ। वन विभाग की वन परिसर पदाधिकारी श्वेता कुमारी मौके पर पहुंचीं। आवश्यक कार्रवाई के बाद सभी छह व्यक्तियों और सांपों को अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। मामले के पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है।

ट्रक की चपेट में आया सीनएजी ऑटो, ड्राइवर-पैसेंजर की मौत,5 घायल, हरियाणा से घर लौट रहे थे मजदूर

हाजीपुर। वैशाली में गुरुवार रात करीब 1 बजे ट्रक और CNG ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सभी लोग हरियाणा से काम करके अपने घर लौट रहे थे। घटना महुआ-समस्तीपुर मुख्य मार्ग पर तीसीऔता थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों की पहचान तीसीऔता थाना क्षेत्र के डभइत गांव निवासी सुकेशर मांझी के बेटे अमरजीत मांझी (25) और ऑटो ड्राइवर लक्ष्मण राय (40) शामिल हैं। लक्ष्मण राय हाजीपुर से यात्रियों को लेकर लौट रहे थे। अमरजीत पांच भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में तीन साल की बेटी है, जबकि महज 15 दिन पहले ही उनके घर बेटे ने जन्म लिया था। घर लौटने का इंतजार कर रहे परिजनों को हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। CNG ऑटो में कुल सात लोग सवार थे। हादसे में दो लोगों की मौत हुई,जबकि पांच लोग घायल हो गए। घायलों में समस्तीपुर जिला निवासी लखनदेव मांझी के बेटे शंभू मांझी (50), दशरथ मांझी के बेटे सुकुल मांझी (50) और रामजी सहनी के बेटे नीतीश कुमार (19) शामिल हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार,सड़क किनारे एक ट्रक के पिछले पहिए का स्टेपनी बदला जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे सीएनजी ऑटो ने ओवरटेक कर आगे निकलने का प्रयास किया। इसी क्रम में दूसरे ट्रक ने टेंपो को अपनी चपेट में ले लिया और मौके से फरार हो गया। हालांकि,स्थानीय लोगों के इस दावे की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने घटनास्थल पर खड़े ट्रक को जब्त कर लिया है। हादसे की सूचना मिलते ही तीसीऔता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा। वहीं दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए। हादसे के बाद महुआ-समस्तीपुर मुख्य मार्ग पर कुछ देर तक आवागमन प्रभावित रहा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पटना में एसआईआर, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ मार्च, फोर्स तैनात

एजेंसी, पटना

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आज से विपक्ष का देश भर में प्रदर्शन है। इंडिया ब्लॉक की तरफ से भी 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। आज पटना में सीपीआई (माले) की ओर से लोकतंत्र बचाओ मार्च निकाला गया है। इसमें कांग्रेस, सीपीएम और राजद, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (AISA) भी शामिल हैं। गांधी मैदान के गांधी मूर्ति से मार्च शुरू हुआ। वोट चोरी के ख़िलाफ़ 'ज्ञानेश इट्स डन ब्रो!', 'वोट चोर गद्दी छोड़' 'वोट चोर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' के नारे के साथ प्रोटेस्ट किया जा रहा है। शकील अहमद खान, राजेश राम जैसे कांग्रेस के सीनियर लीडर प्रोटेस्ट में शामिल हैं। 'बापू हम शर्मिंदा हैं, वोट चोर जिंदा हैं' के नारे लगाए जा रहे हैं। वहीं

पुलिस-प्रशासन की ओर से भी तैयारी की गई है। चौक-चौराहे पर फोर्स तैनात है। RAF की भी तैनाती की गई है।

आबादी बढ़ी मतदाता घटते जाएं, ऐसा कैसे संभव है- अखिलेश प्रताप सिंहः ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े को लेकर कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, '13 करोड़ लोगों का मतदाता सूची से नाम कटा है। 1950 में जब हम लोगों का गणतंत्र बना, उसी समय से ही SIR की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन ऐसा कैसे संभव है कि आबादी बढ़ती जाए और मतदाता घटते जाएं।

23 सितंबर को आई रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ था विवादः यह पूरा विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर को आई रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ। इसमें दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। उनका कहना था कि कुछ फैसले उनकी जानकारी के बिना लिए गए। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। संधू और जोशी का आरोप है कि आयोग के कई फैसले और आदेश उनकी जानकारी के बिना लिए और जारी किए गए। उन्होंने कुछ कदमों को 'अनधिकृत और गैरकानूनी' बताया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सभी आपत्तियों की जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को दी गई थी। चार महीने बाद 9 सितंबर को तीनों चुनाव आयुक्तों की पूरी बैठक हुई। हालांकि, इसमें किस मुद्दे पर चर्चा हुई, इसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई।

पटना में सड़क पर स्कूटी से स्टंट

- 500 मीटर तक हवा में दोनों हाथ उठाकर घूमता रहा, बिना नंबर प्लेट की स्कूटी

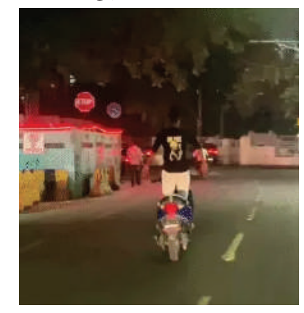

एजेंसी, पटना

पटना में सड़क पर स्टंट करने का एक और वीडियो सामने आया है। मरीन ड्राइव के बाद अब कोतवाली इलाके में एक युवक का इलेक्ट्रिक स्कूटी से स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी से भीड़भाड़ वाली सड़क पर स्टंट करता दिखाई दे रहा है।

चलती स्कूटी पर खड़ा हुआ, दोनों हाथ हवा में उठाएः वायरल वीडियो में सड़क पर बड़ी संख्या में वाहन और राहगीर नजर आ रहे हैं। इसी बीच युवक स्कूटी चलाते हुए स्टंट करता दिख रहा है। कभी वह चलती स्कूटी पर खड़ा हो जाता है तो कभी दोनों हाथ हवा में उठाकर स्कूटी चलाता दिखाई देता है। वीडियो में युवक करीब 500 मीटर तक इसी तरह स्कूटी चलाते हुए आगे बढ़ता नजर आ रहा है। इस दौरान सड़क पर मौजूद दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना रहा।

राहगीर ने मोबाइल से बनाया वीडियोः स्टंट के दौरान अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ने पर युवक के साथ-साथ आसपास मौजूद लोगों के भी हादसे की चपेट में आने की आशंका थी। सड़क से गुजर रहे एक राहगीर ने स्टंट का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसके बाद यह वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी से इस तरह सड़क पर स्टंट करना यातायात नियमों की अनदेखी का मामला बन सकता है।

81 साल की मां को बेटे ने घर से निकाला सड़क किनारे रहने को मजबूर

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के खाजेकलां थाना के पास पिछले करीब तीन महीने से 81 वर्षीय शांति देवी सड़क किनारे रहने को मजबूर हैं। वृद्ध महिला का आरोप है कि उनके बेटे अशोक कुमार ने उन्हें घर से बाहर कर दिया। बुढ़ापे में सहारा नहीं मिलने के कारण वह खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हैं। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मामला समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता तक पहुंचा। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को वृद्ध महिला की मदद करने के निर्देश दिए हैं। शांति देवी, पति स्वर्गीय रामचंद्र प्रसाद, टिकिया टोली की रहने वाली बताई गई हैं। वह खाजेकलां थाना के आसपास सड़क किनारे रह रही हैं। सड़क किनारे मोची का काम करने वाले इंद्रजीत दास ने बताया कि वह करीब तीन महीने से शांति देवी को इसी जगह

देख रहे हैं। वह अपनी क्षमता के अनुसार उन्हें खाने-पीने का सामान उपलब्ध कराते हैं। आसपास के कुछ अन्य लोग भी वृद्ध महिला की मदद करते हैं। शांति देवी का आरोप है कि बेटे अशोक कुमार ने उन्हें घर से बाहर कर दिया। इसके बाद से उनके पास रहने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। उम्र अधिक होने के कारण रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों की मदद पर निर्भर रहना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता पटना सिटी स्थित 'अपना घर' वृद्धाश्रम पहुंचीं। उन्होंने वहां रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की और उनका हाल जाना।

निशांत बोले- पिताजी ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाई, उसे सीएम सम्राट आगे बढ़ा रहे

एजेंसी, पटना

जदयू की ओर से आज प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में 'नीतीश संवाद-जीविका के 20 साल बेमिसाल' कार्यक्रम आयोजित गया है। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिरकत किया। कुछ देर कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे वापस अपने आवास की ओर रवाना हो गए। इस कार्यक्रम में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी, मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में जीविका के 20 वर्षों के सफर और इससे जुड़ी महिलाओं की उपलब्धियों पर चर्चा हो रही है।

2005 से पहले बिहार में महिलाओं की स्थिति थी दयनीय- निशांत कुमारः नीतीश संवाद में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा, 'आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है, आज गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमें सिखाया कि हमारा आजाद भारत कैसा होना चाहिए।' निशांत कुमार ने आगे कहा, '2005 से पहले बिहार में महिलाओं

की स्थिति काफी दयनीय थी। शिक्षा नहीं थी, स्वास्थ्य की व्यवस्था नहीं थी, रोजगार के अवसर नहीं थे। 2005 में मेरे पिता नीतीश कुमार की सरकार बनी तो उन्होंने सुशासन के साथ महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दिया। महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाईं, जिसके कारण महिलाएं मुख्य धारा में आ पाई।'

स्त्री और पुरुष, समाज के दो पहिए - निशांत कुमारः स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा, 'हमरे ग्रंथों में कहा गया है...जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। गांधी जी ने कहा था.. स्त्री और पुरुष, समाज के दो पहिए होते हैं। एक भी पहिया खराब होता है तो गाड़ी चल नहीं सकती है। सरकार बनने के बाद नीतीश कुमार ने महिलाओं को आरक्षण दिया। 2006 में विश्व बैंक की सहायता से जीविका का गठन किया गया था। ग्रामीण महिलाओं को मुख्य धारा में लाना इसका उद्देश्य था। 20 सालों में यह पता चला कि महिलाओं को अवसर दिया जाए तो वह देश और समाज को आगे बढ़ा सकते हैं।'

2006 में शुरू हुआ था जीविका का सफरः बिहार में जीविका कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2006 में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुई थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें बचत, बैंकिंग, ऋण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था। धीरे-धीरे जीविका का नेटवर्क पूरे बिहार में फैलता गया। राज्य सरकार के मुताबिक, अब 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से 1.8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी हैं।

चांदनी मार्केट में लगी आग, फायर ब्रिगेड की टीम में 3 घंटे में पाया काबू, गोदाम राख

एजेंसी, पटना

पटना के चांदनी मार्केट के एक गोदाम में 3 बजे भीषण आग लग गई। आग लगते ही मार्केट में अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चांदनी मार्केट के गोदाम में आग लगी है। थर्ड फ्लोर के ऊपर करकट का स्ट्रक्चर बनाया गया था, जो इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का गोदाम था। इस गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। आग की लपटें दूर तक फैल रही है। इससे आसपास अफरातफरी का माहौल बन गया था। गोदाम में जब आग लगी, उस वक्त एक हजार से अधिक दुकानदार और ग्राहक मौजूद थे। कुछ लोग भाग कर जान बचाए तो कुछ लोगों को रेस्क्यू किया गया। स्थानीय दुकानदारों ने फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दमकल की कई गाड़ियां पहुंची है। फायर ब्रिगेड की टीम 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, गोदाम जलकर राख हो गया है। बताया जा रहा है कि सुपर ट्रेड्स नाम की शॉप ने एक माह पहले ही गोदाम बनाया था। दिवाली को लेकर तैयारी की थी।

इलेक्ट्रिक सामान की वजह से आग बुझाने में परेशानीः फायर ब्रिगेड कर्मियों ने पानी की बौछार से आग पर काबू पाने की कोशिश की। गोदाम में इलेक्ट्रिक सामान रखे होने की वजह से आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आग आसपास की दुकानों और अन्य हिस्सों में नहीं फैले, इसको लेकर भी फायर बिग्रेड की टीम ने प्रयास किया। आग की लपटें और घना धुआं निकलने के कारण आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।

नुकसान का अभी नहीं किया गया आकलनः DFO अभिषेक कुमार ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। बिल्डिंग तक पहुंचने वाली गली काफी संकीर्ण है, इसलिए आग बुझाने में परेशानी हुई। नुकसान का आकलन अभी नहीं किया गया है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः एक दुकानदार ने बताया कि हम दुकान पर ग्राहकों से डील कर रहे थे। इसी दौरान अचानक धुआं निकलते देखा। लोग धुआं देखकर इधर-उधर भागने लगे। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। गोदाम में काम करने वाले कर्मी दीपक ने बताया कि हमलोग काम कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने जोर से चिल्लाकर कहा-आग लग गई है। किसी तरह वहां से भाग निकले। शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

दुकानदार के मुताबिक, चांदनी मार्केट में दो मंजिल तक बिल्डिंग बनाने का परमिशन है। इसके बावजूद लोगों नियमों की अनदेखी कर कंस्ट्रक्शन किया गया है। इसको लेकर हमलोगों ने नगर निगम से शिकायत भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। मार्केट में फायर सेफ्टी का कोई ध्यान नहीं रखा गया है। यही कारण है कि ढाई- तीन घंटे से फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी है, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया है।

घाटों पर गंदगी फैलाने पर वसूला गया 2.90 लाख जुर्माना

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा का जलस्तर कम होने के बाद पटना नगर निगम के द्वारा घाटों पर विशेष डीप क्लीनिंग कराई जा रही है। इसके तहत सीढ़ियों और घाटों के आसपास जमा सिल्ट, जलकुंभी, कचरा और अन्य अवशेषों को हटाया जा रहा है। प्रमुख घाटों पर करीब 150 सफाईकर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं, घाटों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ नगर निगम कार्रवाई भी कर रहा है। पिछले छह महीनों में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों से करीब 2.90 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। पटना नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गंगा घाटों की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नगर निगम की ओर से नियमित सफाई और कचरा उठाव कराया जा रहा है। कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी की व्यवस्था की गई है, जबकि सफाई कार्यों की नियमित निगरानी भी की जा

- पटना में जलस्तर घटने पर घाटों की हो रही डीप क्लीनिंग, 150 सफाईकर्मी की तैनात

रही है। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त सफाई और कचरा उठाव भी कराया जा रहा है, ताकि जलस्तर बढ़ने से पहले घाटों को साफ और व्यवस्थित किया जा सके। त्योहारों के दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण सफाई व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव रहता है। इसे देखते हुए नगर निगम अतिरिक्त सफाईकर्मियों के साथ जरूरी उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराता है।

एशियन गेम्स में बिहार के खिलाड़ी को मिला पहला मेडल

एजेंसी, पटना

भारतीय टीम ने सेपकटकरा में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। इस एशियन गेम्स में बिहार के खिलाड़ी को यह पहला मेडल है। बिहार के बॉबी कुमार सेपकटकरा टीम में खेल रहे थे। टीम सेपकटकरा के मेंस क्वाड्रेंट सेमीफाइनल हार गई और उसे ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इंडिया जापान के खिलाफ 0-2 (12-15, 13-15) से हार गई है। टीम ने इस गेम में दूसरा मेडल जीता है। टीम पहली बार 2018 में चैंपियन बनी थी। वहीं, एशियन गेम्स में अबतक बिहार के खिलाड़ी को मिला यह चौथा मेडल है। इसके अलावा, गुरुवार को इशान किशन और वैभव सूर्यवंशी से सजी भारतीय क्रिकेट टीम ने भी एशियन गेम्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचकर रजत पदक पक्का कर लिया है।

एशियन गेम्स में अबतक बिहार के 3 खिलाड़ी देश के लिए

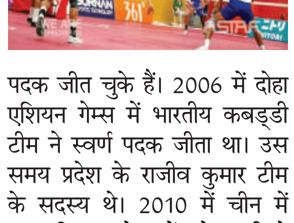

पदक जीत चुके हैं। 2006 में दोहा एशियन गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। उस समय प्रदेश के राजीव कुमार टीम के सदस्य थे। 2010 में चीन में हुए एशियन खेल में सोना जीतने वाली टीम में मोकामा की स्मिता कुमारी शामिल थीं। 2014 में साउथ कोरिया में संपन्न प्रतियोगिता की ट्रैप शूटिंग टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक मिला था। टीम में वर्तमान में राज्य की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह भी शामिल थी। पटना के कंकड़बाग निवासी बॉबी कुमार ने सेपक टकरा में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

'इंडिया गठबंधन एकजुट है, ये बिना सिंबल वाला चुनाव है'

कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह बोले- महागठबंधन में सब ठीक, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस सम्मेलन आयोजित

एजेंसी, पटना

महागठबंधन में कांग्रेस और राजद के बीच दरार देखने को मिली है। MLC चुनाव को लेकर कांग्रेस ने पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार की घोषणा की है। इसपर अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि यह बिना सिंबल वाला चुनाव है। पिछली बार भी सभी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। इंडिया गठबंधन एकजुट है। पिछली बार भी दरभंगा, मोतिहारी, कटिहार, बेगूसराय में हम लोग अलग-अलग लड़े थे।

राज्यसभा सांसद सहित प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिलः दरअसल, आज राष्ट्रीय मजदूर

कांग्रेस (इंटक) बिहार की ओर से 8वां त्रैवार्षिक राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह सहित मदन मोहन झा और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी शामिल हुए थे।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) बिहार के प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि हम यह मानते हैं कि श्रम कानूनों का मूल उदेश्य देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ श्रमिकों को न्यायपूर्ण मजदूरी, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्यस्थल, रोजगार की सुरक्षा, सामूहिक सौदेगाजी तथा ट्रेड यूनियन अधिकारों की प्रभावी गारंटी प्रदान करना होना चाहिए।

मजदूरों को लेकर नियमों में कुछ बदलाव किया जाएः मजदूरों को लेकर हम चाहते हैं कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए। हमारी मांग है कि न्यूनतम मजदूरी को लिविंग वेज की दिशा में ले जाया जाय। मजदूरी निर्धारित करते समय भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, वस्त्र, सामाजिक आवश्यकताओं तथा परिवार की वास्तविक जीवन यापन लागत को ध्यान में रखा जाए। न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण में ट्रेड यूनियनों की प्रभावी भागीदारी हो। समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित किया जाए। समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए। वेतन रोकना अथवा अनावश्यक विलम्ब करना गंभीर लेबर वायलेशन माना जाए। ओवर टाईम का भुगतान कानून के अनुसार अनिवार्य रूप से समय पर किया जाए।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026

लखनऊ स्टेशन पर 7 घंटे का यातायात ब्लॉक

वैष्णो देवी दर्शन के लिए दिल्ली से तीन दिन विशेष ट्रेन

लखनऊ, एजेंसी। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए उत्तर रेलवे जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा। नई दिल्ली से कटड़ा के बीच तीन दिन विशेष?ट्रेन चलेगी। ट्रेन संख्या 04081/04082 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित विशेष ट्रेन तीन फेरे लगाएगी। नई दिल्ली से यह ट्रेन 2, 3 और 4 अक्तूबर को रात 11:45 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 12 बजे कटड़ा पहुंचेगी। इसका ठहराव पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला छावनी, लुधियाना, जालंधर छावनी, पठानकोट छावनी, जम्मू तवी और माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच आने वाले प्रमुख स्टेशनों पर होगा। वापसी में कटड़ा से यह 3, 4 और 5 अक्तूबर को रात 9 बजे रवाना होगी।

रींगस के लिए भी विशेष ट्रेन

दिल्ली जंक्शन से हरियाणा के रेवाड़ी होते हुए राजस्थान के रींगस स्टेशन तक विशेष अनारक्षित ट्रेन चल रही है। 04415/04416 ट्रेन दो अक्तूबर को शाम 6:50 बजे रवाना होगी और रात 12:40 बजे रींगस पहुंचेगी। वापसी में 2 और 3 अक्तूबर को यह ट्रेन रींगस जंक्शन से रात दो बजे रवाना होकर दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। खाटू श्याम जी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सबसे प्रमुख और निकटतम रेलवे स्टेशन रींगस ही है।

साहिबाबाद यार्ड में निर्माण कार्य से कई ट्रेनें प्रभावित- साहिबाबाद यार्ड में निर्माण कार्य के कारण कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल की ओर से लेवल क्रॉसिंग संख्या-4 के स्थान पर सीमित ऊंचाई वाले रास्ते के निर्माण के लिए आरसीसी गर्डर लगाने का काम किया जाएगा। इसके लिए तीन अलग-अलग तीन-तीन घंटे के यातायात और बिजली अवरोध लिए जाएंगे। इसके चलते कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को देरी से चलाया और रास्ते में कुछ समय के लिए नियंत्रित किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, पांच अक्तूबर को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार को हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-आनंद विहार-साहिबाबाद के बजाय हजरत निजामुद्दीन-नई दिल्ली-दिल्ली जंक्शन-दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद होकर चलाया जाएगा। इस ट्रेन का कोई ठहराव नहीं हटाया गया है। इसी तरह आठ अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 22200 बलरामपुर-ग्वालियर को साहिबाबाद-आनंद विहार-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन के बजाय साहिबाबाद-दिल्ली जंक्शन-नई दिल्ली-हजरत निजामुद्दीन होकर चलाया जाएगा।

सहरसा से आने वाली ट्रेन 150 मिनट देर से

छह अक्तूबर को सहरसा से चलने वाली ट्रेन संख्या 05575 सहरसा जंक्शन–आनंद विहार टर्मिनल को पुनर्निर्धारित किया गया है। यह ट्रेन सहरसा से रात 11:30 बजे रवाना होगी और अपने निर्धारित समय से 150 मिनट की देरी से चलेगी। इसके अलावा आठ अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 14055 मऊ जंक्शन–आनंद विहार टर्मिनल को साहिबाबाद स्टेशन पर 45 मिनट रोका जाएगा। छह और सात अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 04013 लौकाहा बाजार–आनंद विहार टर्मिनल को साहिबाबाद पर 20 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने की बदली व्यवस्था लागू

लखनऊ, एजेंसी। जन्म–मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने के नियमों में किया गया बदलाव बृहस्पतिवार से लागू हो गया। अब दो साल बाद आवेदन करने वालों के प्रमाणपत्र प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार के जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 में संशोधन के बाद यह बदलाव किया गया है। अब किसी जन्म या मृत्यु की सूचना एक साल बाद लेकिन दो साल के भीतर दी जाती है तो उसका पंजीकरण तभी होगा जब जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या सब–डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) या डीएम की ओर से अधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट की ओर से सत्यापन के बाद आदेश दिया जाएगाा। इसी तरह यदि जन्म या मृत्यु की सूचना दो साल बाद दी जाती है तो पंजीकरण प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही होगा। ऐसे में साफ है कि अब दो साल से अधिक पुराने मामलों में बिना कोर्ट के आदेश के जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनेगा। अभी तक एसडीएम के यहां से ही इन मामलों में भी आदेश हो जाता था। नगर निगम के जन्म–मृत्यु अनुभाग के प्रभारी अनिल शुक्ला ने बताया कि दो साल से पुराने आवेदनों की अब फीडिंग ही नहीं हो पा रही है। जैसे ही इसे फीड किया जाता है तो सबसे पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश की संख्या मांगी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

आधार में अधिक बार जन्मतिथि बदलवाने के नियम होंगे सख्त

15 अक्तूबर से नई व्यवस्था लागू होने की उम्मीद

लखनऊ, एजेंसी। आधार कार्ड में जन्मतिथि में बदलाव कराने वालों के लिए नियम और सख्त होने जा रहे हैं। एक बार जन्मतिथि अपडेट कराने के बाद दूसरी बार बदलाव सामान्य प्रक्रिया से नहीं किया जा सकता। इसके लिए पहले से ही विशेष प्रक्रिया लागू है। अब इस प्रक्रिया को और कड़ा किया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से दूसरी बार जन्मतिथि बदलने के आवेदनों पर रोक लगी हुई है। नई व्यवस्था तैयार की

जा रही है और 15 अक्तूबर से दूसरी बार जन्मतिथि में बदलाव की सुविधा नई प्रक्रिया के साथ शुरू होने की उम्मीद है।
भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के नियमों के मुताबिक आधार में जन्मतिथि सामान्य प्रक्रिया से केवल एक बार अपडेट की जा सकती है। दूसरी बार बदलाव केवल विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है। इसके लिए आवेदक को आधार केंद्र पर आवेदन करने के साथ जन्मतिथि से संबंधित वैध दस्तावेज देने होते हैं। सत्यापन के बाद ही बदलाव की अनुमति दी जाती है। अब जो नियम बनेंगे वह बेहद सख्त होंगे। जिससे किसी तरह का फर्जीवाड़ा कर जन्मतिथि न बदलवा ले।

यूपीआई से भुगतान पर लगने वाला सरचार्ज नगर निगम करेगा वहन

लखनऊ, एजेंसी। यूपीआई से दो हजार रुपये से अधिक के गृहकर, जलकर या अन्य किसी शुल्क के भुगतान पर लगने वाला सरचार्ज नगर निगम ही वहन करेगा। कार्यकारिणी की बैठक में यह प्रस्ताव मंजूर कर दिया गया। इससे नगर निगम पर हर साल 20 लाख रुपये से अधिक का भार पड़ेगा। नई व्यवस्था 15 अक्तूबर से लागू होगी। केंद्र सरकार के नए नियम के बाद अब दो हजार रुपये से ज्यादा के हर भुगतान पर नगर निगम को 5.90 रुपये सरकार को देने होंगे। वित्त नियंत्रक महामिलिंद लाल ने बताया कि निगम को इस वित्तीय वर्ष में गृहकर व लाइसेंस शुल्क, किराया व अन्य मदों से 800 से 1000 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। ज्यादातर लोग ऑनलाइन ही टैक्स भरते हैं। ऐसे में हर बड़े ट्रांजेक्शन पर पांच रुपये कटने और 90 पैसा जीएसटी लगने से सालभर में करीब 20 लाख रुपये का भार नगर निगम पर आएगा।

किसानों ने टाटा मोटर्स से नौकरी और मुआवजा मांगा

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयतावादी) की जिला इकाई की बैठक बृहस्पतिवार को चिनहट तिराहा पर हुई। बैठक में किसानों ने टाटा मोटर्स और यूपीएसआईडीसी से नौकरी व मुआवजे की मांग की। संगठन ने इस संबंध

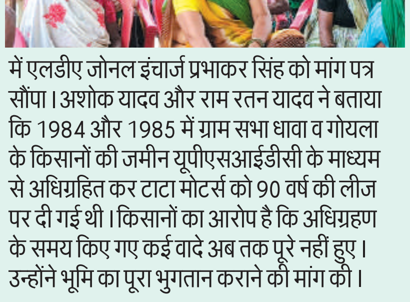

में एलडीए जोनल इंचार्ज प्रभाकर सिंह को मांग पत्र सौंपा। अशोक यादव और राम रतन यादव ने बताया कि 1984 और 1985 में ग्राम सभा धावा व गोयला के किसानों की जमीन यूपीएसआईडीसी के माध्यम से अधिग्रहित कर टाटा मोटर्स को 90 वर्ष की लीज पर दी गई थी। किसानों का आरोप है कि अधिग्रहण के समय किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए। उन्होंने भूमि का पूरा भुगतान कराने की मांग की।

अप्रत्याशित डोपिंग विवाद से उबरकर इतिहास रचना खासः हरगोविंद सिंह

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय ग्रीको-रोमन कुश्ती टीम के चीफ कोच हरगोविंद सिंह के लिए एशियाई खेलों में सुनील कुमार और नितेश सिवाच का पदक जीतना बेहद खास है। उन्होंने कहा कि पिछला कुछ समय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा लेकिन विपरीत परिस्थितियों से उबरकर खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया।

एशियाई खेलों से ठीक पहले दीपक (67 किग्रा) और दीपांशु (130 किग्रा) के डोपिंग में फंसने से टीम के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। इस अप्रत्याशित घटना से अन्य खिलाड़ियों का मनोबल भी प्रभावित हुआ। इसके बावजूद टीम ने हार नहीं मानी और छह की जगह चार खिलाड़ियों के साथ लखनऊ साई सेंटर में नए सिरे से प्रशिक्षण जारी रखने का फैसला किया। खिलाड़ियों को डोपिंग के प्रति जागरूक करने के लिए नाडा की ओर से सेमिनार भी आयोजित किया गया।

खिलाड़ियों ने लखनऊ साई सेंटर में करीब आठ माह तक कड़ी ट्रेनिंग की। फेडरेशन ने विदेशी कोच की सेवाएं उपलब्ध कराईं जिससे प्रशिक्षण का स्तर बेहतर हुआ। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 25 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया गया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा और इसका फायदा एशियाई खेलों में मिला।

हरगोविंद ने कहा कि उनके लिए सुनील और नितेश दोनों का प्रदर्शन समान रूप से शानदार रहा। नितेश ने बीते अप्रैल में हुई एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर एशियाई खेलों के लिए अपना दावा मजबूत किया था। इसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता। भारतीय ग्रीको-रोमन टीम ने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार दो पदक जीते। 87 किग्रा में सुनील कुमार ने पदक जीता, जबकि 97 किग्रा में नितेश सिवाच ने रजत हासिल किया। चार सदस्यीय टीम की इस सफलता में लखनऊ साई सेंटर में हुई आठ माह की ट्रेनिंग की अहम भूमिका रही।

यूपी के 16 जिलों में 20 से 59 प्रतिशत तक कम रही बारिश

भाखड़ा में जलस्तर 35 फीट नीचे; पंजाब-हिमाचल में चिंता

लखनऊ, एजेंसी। मानसून ने इस बार देश में कई रूप दिखाए हैं। कहीं खूब बारिश हुई है तो कहीं सूखा पड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है लेकिन बारिश का असंतुलन इस कदर रहा कि 37 जिलों में औसत से कम बारिश हुई तो 37 जिलों में औसत से अधिक मानसून मेहरबान रहा। वहीं हिमाचल के भाखड़ा नागल बांध में पांच साल में सबसे कम जलस्तर पहुंचने से हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पंजाब में जल संकट पैदा होने का खतरा बढ़ गया है।

यूपी: गाजियाबाद, शामली समेत चार जिलों में 60 प्रतिशत कम बरसात- उत्तर प्रदेश में इस बार मानसून ने बारिश का दस साल का रिकार्ड तोड़ दिया। लेकिन प्रदेश में जिलेवार वर्षा का वितरण असमान रहा। एक जून से 30 सितंबर के दौरान 802.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो औसत से आठ प्रतिशत अधिक है।

इसके बावजूद 37 जिलों में औसत से कम बारिश हुई, जबकि 37 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई। आगरा में बारिश औसत के बराबर रही। यूपी के 20 में से 16 जिलों में बारिश की कमी 20 से 59 प्रतिशत रही, जबकि देवरिया, कुशीनगर, गाजियाबाद और शामली में कमी औसत के 60 प्रतिशत से भी अधिक रही।

इस बार प्रदेश में मानसून की शुरुआत कमजोर रही। जून में औसत से 54 और जुलाई में 17 प्रतिशत कम बारिश हुई। अगस्त में 24 प्रतिशत अधिक बारिश ने कमी पूरी की।

सितंबर में तो मानसून खूब बरसा। इस महीने यूपी में 250.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जो औसत से 63 प्रतिशत अधिक है।

- **2018 की बारिश का आंकड़ा छूटा पीछे-** दस साल के आंकड़ों में इससे पहले साल 2018 में प्रदेश में 764.8 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस बार 38.1 मिलीमीटर ज्यादा बारिश हुई। पश्चिमी यूपी में 782.7 मिलीमीटर बारिश हुई, जो दस साल में सर्वाधिक है। पूर्वी यूपी में 817 मिलीमीटर बारिश हुई, लेकिन यहां 2021 का 867.3 मिलीमीटर का आंकड़ा अब भी सबसे अधिक है। मौसम विभाग ने अक्तूबर में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताया है।

पश्चिमी यूपी में 16 प्रतिशत ज्यादा बारिश

पश्चिमी यूपी में औसत से 16 प्रतिशत अधिक और पूर्वी यूपी में दो प्रतिशत अधिक बारिश हुई। चित्रकूट में सबसे ज्यादा 1358.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बांदा में 1348.4, बिजनौर में 1348.2 और बहराइच में 1343.8 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं 14 जिलों में बारिश 1000 मिलीमीटर से अधिक रही।

पंजाब...26 साल का सिंचाई पर सबसे बड़ा संकट, भूजल पर खतरा

पंजाब में वर्ष 2000 के बाद इस साल तीसरा सबसे सूखा मानसून रहा है। पंजाब में जून से सितंबर तक सामान्य के मुकाबले 38 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। मानसून की बेरुखी का असर खेतों से लेकर बांधों तक दिखाई दे रहा है।

सामान्य से कम बारिश ने जहां किसानों की सिंचाई की जरूरत बढ़ा दी, वहीं पहाड़ी कैचमेंट क्षेत्रों में कम बारिश के कारण भाखड़ा और पौंग समेत प्रमुख बांधों में पानी की आवक प्रभावित हुई। नतीजा यह रहा कि धान की फसल के दौरान ट्यूबवेल पर निर्भरता बढ़ी और बिजली की मांग भी बढ़ गई।

एमपी से यूपी तक फैले तार, नेटवर्क के राज खंगालेगी पुलिस; सप्लायर की तलाश

वाराणसी, एजेंसी। गाजीपुर के कैथवलिया पुलिया के पास पकड़े गए तीन असलहा तस्करों से बरामद हथियारों ने पुलिस की जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। पुलिस अब सिर्फ गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल फोन, कॉल-चैट और ऑनलाइन लेनदेन के जरिए अवैध असलहा कारोबार की पूरी चेन तक पहुंचने में जुटी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि आरोपियों के मोबाइल से मिले डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक डेटा को सुरक्षित कर लिया गया है। इसके आधार पर हथियार उपलब्ध कराने वालों और खरीदने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है।

एसपी के अनुसार, पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मध्य प्रदेश के खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र से अवैध हथियार लाकर गाजीपुर में उनकी डिलीवरी करने आए थे। इस नेटवर्क के संपर्क मध्य प्रदेश के अलावा बिहार और झारखंड तक होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत से लेकर उनकी संभावित डिलीवरी तक के पूरे रूट की पड़ताल कर रही है।

ऑनलाइन होता था सौदा, किराया भी डिजिटल- एसपी के अनुसार,जांच में यह भी सामने आया है कि हथियारों की खरीद-फरोख्त के लिए ऑनलाइन माध्यम से पैसों का लेनदेन किया जाता था। दूसरे प्रदेशों से हथियार लाने वाले युवकों के किराए और अन्य खर्च का भुगतान भी ऑनलाइन किया जाता था। ऐसे में पुलिस अब उन खातों और वित्तीय स्रोतों की भी पड़ताल कर रही है, जिनके जरिए इस कारोबार को रकम उपलब्ध कराई जा रही थी। एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन में मौजूद कॉल और चैट की जानकारी से उन लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है, जिन्होंने इनसे हथियार खरीदे थे। पुलिस का जोर सप्लायर से लेकर खरीदार तक पूरी चेन सामने लाने पर है।

चुनावी समय में बढ़ी हथियारों की आवाजाही की आशंका- एसपी ने इसकी संभावना से इनकार नहीं कि आगामी चुनावों से अवैध हथियारों का प्रयोग करने के उद्देश्य से इसकी खेप गैर प्रांतों से जिले में पंहुचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में चुनाव हैं और अवैध असलहों के इस्तेमाल की संभावना बनी रहती है। ऐसे में हथियारों की आवाजाही बढ़ी हुई हो सकती है।

एक-एक कड़ी पर कार्रवाई का दावा

एसपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। अवैध हथियार उपलब्ध कराने वालों से लेकर इन्हें खरीदने वालों तक, जो भी लोग जांच में सामने आएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई और अपराध से अर्जित अवैध संपत्तियों के जब्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी।

खंडवा-बुरहानपुर से गाजीपुर तक का सफर- एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मध्य प्रदेश के खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र से अवैध हथियार लेकर गाजीपुर आए थे। यहां इन हथियारों की डिलीवरी की जानी थी। पूछताछ में कुछ अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिलने की बात एसपी ने कही है।

राप्ती-सरयू खतरे के निशान से ऊपर, 46 गांव पानी से घिरे

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर है। सुबह से शाम तक इसमें एक सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। सरयू नदी का जलस्तर स्थिर है, पर यह अब भी खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बह रही है। बाढ़ के कारण जिले के 46 गांव पानी से घिर गए हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि नेपाल में बारिश न होने पर राप्ती का जलस्तर कम हो सकता है। सरयू नदी के जलस्तर में सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक कोई वृद्धि नहीं हुई है। रोहिन नदी खतरे के निशान से नीचे आ गई है। गोर्रा नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है और यह पहले से ही खतरे के निशान से नीचे है। इनमें गोला तहसील के 36 गांव, बांसगांव तहसील के पांच गांव और सदर तहसील के पांच गांव शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही के लिए 69 नावें लगाई गई हैं। बाढ़ पीड़ितों को भोजन के लिए सामुदायिक रसोई से चार हजार लंच पैकेट बांटे गए।

एयरफोर्स के विमान से बंगाल भेजी गई वाल्मीकिनगर की बाघिन

गोरखपुर , एजेंसी। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व की करीब चार साल की बाघिन को बुधवार की भोर भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से गोरखपुर एयरपोर्ट से पश्चिम बंगाल के बक्सा टाइगर रिजर्व भेजा गया। बाघिन को सुरक्षित तरीके से सड़क मार्ग से गोरखपुर लाया गया था। यहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे विमान से बंगाल रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार, 29 सितंबर की शाम करीब पांच बजे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बाघिन को सफलतापूर्वक बेहोश कर रेडियो कॉलर लगाया गया था। इसके बाद पशु चिकित्सा जांच और वन्यजीव प्रबंधन से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अधिकारियों की निगरानी में बाघिन को सुरक्षित वाहन से गोरखपुर पहुंचाया गया। गोरखपुर की सीमा में प्रवेश करने के बाद वन विभाग की टीम ने बाघिन को सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट तक पहुंचाया। यहां से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के जरिये उसे बक्सा टाइगर रिजर्व भेजा गया। 30 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे बाघिन को बक्सा टाइगर रिजर्व के निर्धारित सॉफ्ट-रिलीज एनक्लोजर में सुरक्षित पहुंचा दिया गया। डीएफओ शुभम सिंह ने बताया कि बाघिन को सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद सुरक्षित रूप से गोरखपुर एयरपोर्ट तक लाया गया था। यहां से उसे विशेष विमान के जरिये पश्चिम बंगाल भेजा गया।

बसपा सरकार बनाने के लिए भाईचारा मजबूत करें कार्यकर्ता

गोरखपुर, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को तारामंडल रोड स्थित एक निजी बैंकेट हॉल में मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल डॉ. मदन राम रहे। अध्यक्षता मुख्य मंडल प्रभारी गोरखपुर–आजमगढ़ डॉ. इंदु चौधरी ने की। डॉ. मदन राम ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ और संगठन के स्तंभ हैं। कार्यकर्ता आपसी भाईचारा मजबूत कर संगठन को बूथ और गांव स्तर तक मजबूत करें। उन्होंने कहा कि 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से जुटना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बसपा शासन में हुए विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, हत्या और अपराध को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कहा कि सरकार जाति और धर्म की राजनीति कर रही है और आम जनता की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि बसपा सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करती है। अध्यक्ष डॉ. इंदु चौधरी ने कहा कि बसपा दबे–कुचले, शोषित और वंचित समाज की आवाज है। उन्होंने नौ अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली प्रदेश स्तरीय महारैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से पहुंचने की अपील की। बैठक में मंडल संयोजक हरि प्रकाश निषाद, अमरचंद दुबे, असगर अली, डॉ. विजय कुमार, जिलाध्यक्ष जयकार प्रसाद, कमलेश कुमार गौतम, घनश्याम राही, सुरेश चंद्र भारती,परमेश्वर शर्मा उर्फ छोटू सहारा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान के कच्छी और केच जिले में बढ़ीं पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां

क्वेटा। बलूचिस्तान के कच्छी और केच जिलों में पाकिस्तानी सेना की गतिविधियां बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कच्छी जिले में लगातार दूसरे दिन भी सैन्य अभियान जारी है, जबकि केच जिले के टुम्प इलाके के पहाड़ी क्षेत्रों में सैनिकों की आवाजाही बढ़ी है। बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क 'द बलूचिस्तान पोस्ट' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सेना कच्छी, धादर और आसपास के क्षेत्रों में अभियान चला रही है। इस दौरान गनशिप हेलीकॉप्टर और ड्रोन के इस्तेमाल तथा कुछ इलाकों में गोलीबारी की आवाजें सुने जाने का दावा किया गया है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से अभियान की प्रकृति या किसी के हताहत होने को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों ने दावा किया कि इससे एक दिन पहले कच्छी जिले के कुछ हिस्सों में पाकिस्तानी सेना और हथियारबंद लोगों के बीच झड़प हुई थी। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच, केच जिले के टुम्प क्षेत्र के गोमाजी, डेजिग, मार और किर गांवों के आसपास भी सैन्य गतिविधियां बढ़ने की सूचना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में सैनिकों के साथ बख्तरबंद वाहनों और टैंकों की आवाजाही बढ़ी है। गोमाजी के आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में भी सेना की मौजूदगी बढ़ने का दावा किया गया है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मजान बैंड पर्वत श्रृंखला के ऊपर सैन्य हेलीकॉप्टरों की उड़ान और गश्त देखी गई है। इसके अलावा क्षेत्र में ड्रोन गतिविधियां जारी रहने की भी बात कही गई है। स्थानीय लोगों ने बढ़ती सैन्य मौजूदगी और हवाई निगरानी को लेकर चिंता जताई है। हालांकि, टुम्प इलाके में अब तक किसी के हताहत होने या हथियारबंद झड़प की आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है। दूसरी ओर पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने टुम्प में बताई जा रही गतिविधियों पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इसलिए वहां किसी औपचारिक सैन्य अभियान की पुष्टि भी नहीं हुई है।

नेपाल में 10 हजार सरकारी कर्मचारियों की छंटनी के लिए संसद में विधेयक

काठमांडू। नेपाल में लंबे समय से प्रतीक्षित 'संघीय निजामती सेवा विधेयक' संसद में दर्ज कर दिया गया है। इस विधेयक के लागू होने पर 10 हजार से अधिक सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने की संभावना है। नेपाल में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 58 वर्ष है। संघीय मामलों तथा सामान्य प्रशासन मंत्री प्रतिभा रावल ने विधेयक को संसद सचिवालय में दर्ज कराया। विधेयक दर्ज कराने के बाद उन्होंने कहा कि इससे निजामती सेवा को अधिक सक्षम, दक्ष, जवाबदेह और परिणाममुखी बनाने के साथ सार्वजनिक प्रशासन में सुधार तथा सुशासन की नींव मजबूत करने में मदद मिलेगी। विधेयक में सरकारी कर्मचारियों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की उम्र 60 वर्ष निर्धारित करने का प्रस्ताव है। हालांकि, कानून लागू होने के समय जिन कर्मचारियों की उम्र 55 वर्ष पूरी हो चुकी होगी या जिनकी सेवा अवधि 30 वर्ष पूरी हो चुकी होगी, उन्हें अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का प्रावधान किया गया है। विधेयक के दफा 57 में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी 60 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद अनिवार्य सेवानिवृत्त होगा। लेकिन कानून लागू होते समय 55 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके या 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को भी अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाएगी। राजपत्रांकित विशिष्ट श्रेणी के कर्मचारियों यानी सचिव और मुख्य सचिव के मामले में पदावधि और उम्र में से जो पहले पूरा होगा, उसी आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है। विधेयक में 55 वर्ष की उम्र पूरी होने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए पेंशन से जुड़ा विशेष प्रावधान भी किया गया है। मौजूदा कानून के तहत बची सेवा अवधि में से अधिकतम तीन वर्ष तक की अवधि पेंशन के लिए जोड़ी जा सकेगी। इसी तरह, जिन कर्मचारियों की पदावधि पूरी हो चुकी है, उनकी बची हुई अवधि अथवा 58 वर्ष की उम्र पूरी होने तक की अवधि को पेंशन के लिए गणना में शामिल करके सेवानिवृत्ति देने का प्रावधान भी विधेयक में है।

मीठी नदी गाद निकासी घोटाला मामले में फिल्म अभिनेता डीनो मोरिया गिरफ्तार

मुंबई। फिल्म अभिनेता डीनो मोरिया को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शुक्रवार को मीठी नदी में गाद निकालने और सफाई के काम में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच के दौरान मोरिया के वित्तीय लेन-देन और मुख्य आरोपित केतन कदम के साथ उनके कथित वित्तीय संबंध सामने आए थे। इस मामले की गहन छानबीन ईओडब्ल्यू कर टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले डीनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो मोरिया से कई घंटे पूछताछ की थी। जांच एजेंसी ने दोनों से जुड़े वित्तीय लेन-देन के दस्तावेज और बैंक खातों की जानकारी भी खंगाली गई है। इसके बाद मीठी नदी से गाद निकालने के काम में करीब 65 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी होने का पता लगा है। इस मामले में मुंबई नगर निगम के कई ठेकेदार, बिचौलिए और अधिकारी जांच के दायरे में हैं। अब तक 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है। अब तक की जांच में डीनो मोरिया और केतन कदम के बीच 2018 से 2022 के दौरान हुए कुछ वित्तीय लेन-देन सामने आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इन लेन-देन की रकम करीब 14 से 18 लाख रुपये के बीच थी। जांच में यह भी सामने आया कि कदम की ओर से 18 लाख रुपये मोरिया के भाई से जुड़ी एक कंपनी के बैंक खाते में स्थानांतरित किए गए थे। ईओडब्ल्यू इन लेन-देन और मीठी नदी परियोजना से उनके संभावित संबंधों की जांच कर रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, कुछ ठेकेदारों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और बढ़ा-चढ़ाकर बिल पेश कर नगर निगम से भुगतान हासिल किया। सिल्ट के परिवहन से संबंधित गलत जानकारी दिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है।

बक्सा टाइगर रिजर्व में बाघिन की वापसी, शुरू हुआ चरणबद्ध बाघ पुनर्वास कार्यक्रम

कोलकाता। भारत में बाघ संरक्षण की दिशा में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल के बक्सा टाइगर रिजर्व में एक बाघिन को सफलतापूर्वक प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम के साथ बक्सा में चरणबद्ध बाघ पुनर्वास कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य इस ऐतिहासिक बाघ परिदृश्य में बाघों की स्थायी और आत्मनिर्भर आबादी को पुनर्स्थापित करना है।

यह कार्यक्रम वन्यजीव सप्ताह 2026 की शुरुआत के अवसर पर आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिदृश्य और प्रजाति संरक्षण के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर बक्सा में बाघों को फिर से बसाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने अभियान में सहयोग के लिए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रति आभार जताया। पुनर्वास कार्यक्रम के पहले चरण में छोड़ी गई बाघिन को बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से लाया गया है। स्थानांतरण से पहले पारिस्थितिक, पशु चिकित्सा और प्रबंधन से जुड़े मानकों का आकलन किया गया। अब बाघिन की गतिविधियों, स्वास्थ्य, व्यवहार और नए पर्यावास में उसके अनुकूलन पर टेलीमेट्री, कैमरा ट्रैप और फील्ड मॉनिटरिंग के माध्यम से लगातार नजर रखी जाएगी। उत्तरी बंगाल का बक्सा क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से बाघों के महत्वपूर्ण आवासों में रहा है। वर्ष 1983 में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था और यह भूटान तथा असम के जंगलों से जुड़ा हुआ है। हालांकि पिछले दशकों में आवास क्षरण, भूमि उपयोग में बदलाव और शिकार की उपलब्धता में कमी के कारण क्षेत्र में बाघों की मौजूदगी लगभग समाप्त हो गई थी। बक्सा में बाघों की वापसी के लिए वर्ष 2018 में पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से 'टाइगर ऑग्मेंटेशन एंड रिकवरी प्रोजेक्ट' शुरू किया था।

मानेसर लैंड स्कैम: ईडी ने टीडीआई ग्रुप से जुड़े परिसरों पर की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के चंडीगढ़ जोन-I ने मानेसर भूमि घोटाले मामले में 28 सितंबर को टीडीआई समूह के अध्यक्ष रविन्दर तनेजा और टीडीआई ग्रुप की विभिन्न कंपनियों से जुड़े कारोबारी और आवासीय परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत चल रही जांच के सिलसिले में की गई। तलाशी के दौरान कई परियोजनाओं से जुड़े रिकॉर्ड, फाइलें, डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और सर्वर सहित अपराध से अर्जित आय के रूप में चिन्हित कई संपत्तियां जब्त की गई हैं।

ईडी ने शुक्रवार को बताया कि जांच सीबीआई की ओर से दर्ज प्राथमिकी से शुरू हुए गुरुग्राम (मानेसर) लैंड स्कैम मामले से जुड़ी है। टीडीआई ग्रुप की जांच कथित अपराध अवधि के दौरान अतुल बंसल और उनके एबीडब्ल्यूआईएल के नेतृत्व वाले कंपनियों के समूह के साथ किए गए कथित लेनदेन के संबंध में की जा रही है। जांच में सामने आया कि मानेसर, नौरंगपुर और लखनौला गांवों में 2007 में अधिग्रहण के लिए अधिसूचित 400 एकड़

से अधिक सरकारी भूमि को निजी बिल्डरों और बिचौलियों ने एचएसआईआईडीसी की ओर से अधिग्रहण किए जाने की आशंका के बीच किसानों से बेहद कम कीमत पर खरीदा था। इसके बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया समाप्त हो गई और अवार्ड को छोड़ दिया गया। बाद में इन्हीं जमीनों को बिचौलियों ने कई गुना अधिक कीमत पर बेच दिया, जिससे भारी मुनाफा हुआ।

ईडी ने जांच में रविन्दर तनेजा के नेतृत्व वाले टीडीआई ग्रुप की भूमिका को ऐसे ही एक बिचौलिए के रूप में चिन्हित किया है। जांच के अनुसार, इन तीन गांवों में 2005 से 2007 के बीच भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के दौरान टीडीआई ग्रुप ने तीन कंपनियों- एम/s इंडो एशियन कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, एम/s एनसीआर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड और एम/s दिव्या ज्योति एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए किसानों से करीब 33 एकड़ जमीन खरीदी।

♦ कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त

ईडी के अनुसार, इन कंपनियों के माध्यम से खरीदी गई जमीन बाद में अतुल बंसल समूह को अधिक कीमत पर बेची गई, जिससे टीडीआई ग्रुप को कथित तौर पर भारी मुनाफा हुआ। इन लेनदेन और भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया से जुड़े वित्तीय मामलों की जांच एजेंसी कर रही है। तलाशी अभियान नई दिल्ली और एसएएस नगर स्थित परिसरों में तीन दिन से अधिक समय तक चला। इस दौरान अन्य परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं और गैर-कानूनी गतिविधियों से संबंधित कई रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। ईडी इन रिकॉर्ड की आगे जांच कर रही है।

तलाशी के दौरान दर्जनों परियोजना रिकॉर्ड और फाइलों के अलावा डिजिटल उपकरण, कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और सर्वर जब्त किए गए। ईडी ने कुछ लग्जरी वाहनों को भी अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) के रूप में चिन्हित कर जब्त किया है।

'एफिल टावर विवाद में बीएपीएस को क्लीन चिट जांच में महिला कर्मचारियों को हटाने की मांग नहीं मिली'

एजेंसी, नई दिल्ली

पेरिस स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर ने एफिल टावर से जुड़े विवाद पर आधिकारिक जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि उसके प्रतिनिधिमंडल ने कभी भी महिला कर्मचारियों को छिपाने, हटाने या आगंतुकों के मार्ग से अलग करने की मांग नहीं की थी। संस्था ने कहा कि जांच के निष्कर्षों ने इस तथ्य की पुष्टि कर दी है। बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि एफिल टावर यात्रा से जुड़े घटनाक्रम की आधिकारिक जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद संस्था सबसे पहले उन कर्मचारियों के प्रति अपनी चिंता व्यक्त करना चाहती है जो इस विवाद से प्रभावित हुए। बीएपीएस ने कहा कि उसने शुरू से ही स्पष्ट किया था कि उसने महिला कर्मचारियों को हटाने, छिपाने या आगंतुकों के मार्ग से दूर रखने का कोई अनुरोध नहीं किया था। संस्था ने कहा कि आधिकारिक जांच में भी यह स्थापित हुआ है कि महिला कर्मचारियों को आगंतुक मार्ग से

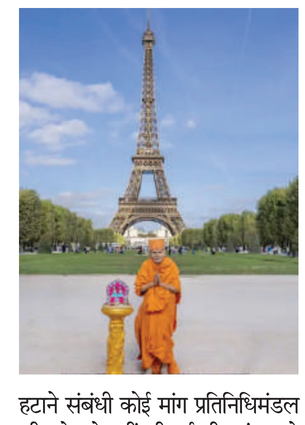

हटाने संबंधी कोई मांग प्रतिनिधिमंडल की ओर से नहीं की गई थी। संस्था ने उम्मीद जताई कि जांच रिपोर्ट से पूरे घटनाक्रम की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी और इससे जुड़े सभी पक्ष सम्मानजनक तरीके से आगे बढ़ सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह विवाद 5 सितंबर को उस समय सामने आया था जब कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि एक हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल के एफिल टावर दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों से अपने कार्यस्थल बदलने या दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया था और उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया था।

मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

एजेंसी, मुंबई

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर महाराष्ट्र के मुंबई के शिवाजी पार्क (गेट नंबर 6) पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले शुक्रवार को शिवाजी पार्क और दादर रेलवे स्टेशन के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने सीजेपी को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है, इसके बावजूद सीजेपी ने शाम को यहां प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिवाजी पार्क और दादर स्टेशन के आसपास संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और रेलवे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। शिवाजी पार्क के प्रमुख प्रवेश द्वार पर बैरिकेडिंग की गई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए महिला पुलिसकर्मियों समेत अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भी तैनात किया गया है।

स्थानीय निवासियों के एक वर्ग ने रिहायशी इलाके में प्रदर्शन से रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका जताई है। इससे पहले शुक्रवार को सीजेपी के संयोजक अभिजीत दिपके ने महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर दक्षिण मुंबई में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में पारदर्शिता की मांग की है।

पार्टी ने 2025 की मतदाता सूची को फ्रीज करने की भी मांग की है, ताकि उसमें आगे किसी तरह की कथित छेड़छाड़ न हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन मीडिया रिपोर्टों के बाद किया जा रहा है। इन रिपोर्टों में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े कम से कम 14 फैसलों और आदेशों पर आपत्ति जताई थी। कुछ आपत्तियों में कथित तौर पर कहा गया था कि ये आदेश उनकी जानकारी के बिना जारी किए गए।

जीएसटी फर्जी आईटीसी मामले में दो आरोपित गिरफ्तार, 135 फर्जी कंपनियों से 734 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी मामले में ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल और राज जायसवाल को गिरफ्तार किया है। दोनों को 30 सितंबर को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्हें 1 अक्टूबर को रांची की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ईडी के रांची जोनल कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि दोनों की गिरफ्तारी 30 सितंबर को झारखंड के जमशेदपुर और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में चार आवासीय एवं कार्यालय परिसरों पर पीएमएलए की धारा 17 के तहत की गई तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के बाद हुई। ये परिसर ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल, सीए संजय पारेख और अन्य से जुड़े थे। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण मिले, जिन्हें पीएमएलए के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

ईडी ने बताया कि जांच जमशेदपुर स्थित वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की ओर से दर्ज कराई गई कई शिकायतों के आधार पर शुरू हुई। डीजीजीआई की जांच में फर्जी आईटीसी तैयार करने और उसे विभिन्न कंपनियों तक पहुंचाने से जुड़ी एक संगठित धोखाधड़ी का पता चला था।

जांच में सामने आया कि इस सिंडिकेट ने 135 ऐसी फर्जी कंपनियों का जाल तैयार किया था, जो केवल कागजों पर मौजूद थीं। इन कंपनियों के जरिए बिना किसी वस्तु या सेवा की वास्तविक आपूर्ति के 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी चालान जारी किए गए। इस माध्यम से 734 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी आईटीसी तैयार कर विभिन्न लाभार्थी कंपनियों को दिया गया। इन कंपनियों ने कमीशन देकर प्राप्त फर्जी आईटीसी का इस्तेमाल अपनी जीएसटी देनदारी से बचने के लिए किया। ईडी के अनुसार, ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल और राज जायसवाल के नेतृत्व वाला समूह इस फर्जी आईटीसी धोखाधड़ी का प्रमुख लाभार्थी था। जांच में सामने आया कि उन्होंने अपने और परिवार के सदस्यों के नाम पर एम/एस मां शारदा एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड, एम/एस मेकर्स कास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और एम/एस केदारनाथ ट्रेक्सिम प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां बनाई थीं। इसके अलावा कर्मचारियों के नाम पर भी एम/एस जय भोले एंटरप्राइजेज जैसी इकाइयां बनाई गईं। ईडी के अनुसार, इन कंपनियों के जरिए 54.33 करोड़ रुपये का फर्जी आईटीसी घुमाया गया। बाद में यह राशि उनके व्यक्तिगत बैंक खातों के साथ-साथ रिश्तेदारों और संबंधित संस्थाओं के बैंक खातों में पहुंचाई गई। ईडी ने इसे आरोपितों से संबंधित अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) के रूप में चिन्हित किया है। एजेंसी को संदेह है कि इस राशि का इस्तेमाल कारोबार और चल-अचल संपत्तियों की खरीद में किया गया। ईडी ने बताया कि इस मामले में इससे पहले मई और अगस्त 2025 में भी कोलकाता, जमशेदपुर, रांची और अन्य स्थानों पर आरोपितों से जुड़े परिसरों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की गई थी।

गुजरात में 'नो यूपीआई डे': एमडीआर चार्ज के विरोध में 600 से अधिक व्यापारी संगठनों का विरोध

एजेंसी, नई दिल्ली

अहमदाबाद। गुजरात में व्यापारियों ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में 'नो यूपीआई डे' के तहत अपना विरोध दर्ज कराया। राज्य के करीब 600 से अधिक व्यापारी संगठनों के इस अभियान से जुड़ने का दावा किया गया है। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट सहित विभिन्न शहरों में कई व्यापारियों ने दुकानों पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड और भुगतान मशीनों को काले कपड़े से ढंककर ग्राहकों से नकद भुगतान करने की अपील की। व्यापारी संगठनों की ओर से प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था को लेकर आपत्ति जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 से प्रस्तावित व्यवस्था में 2,000 तक के कुछ मर्चेंट यूपीआई

लेनदेन पर शुल्क नहीं लगेगा, जबकि निर्धारित श्रेणियों में 2,000 से अधिक के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत तक एमडीआर लागू होने की बात कही गई है। कुछ पूंजी बाजार और म्यूचुअल फंड से जुड़े लेनदेन के लिए अलग दरों का भी उल्लेख किया गया है। वडोदरा के मर्चेंट एसोसिएशन के भरत चौहान ने कहा कि यदि यह नियम लागू होता है तो अंततः इसका आर्थिक बोझ ग्राहकों पर बढ़ सकता है। उन्होंने सरकार से इस नियम को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को नागरिकों को दशहरा और दीपावली के अवसर पर यह राहत देनी चाहिए। चौहान के अनुसार व्यापारियों को डिजिटल भुगतान व्यवस्था से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से कारोबार की लागत बढ़ सकती है। उनका कहना है कि इस मुद्दे पर सरकार को व्यापारियों की चिंताओं पर विचार करना चाहिए।

व्यापारी संगठनों के इस विरोध के तहत कई दुकानों पर 'नो यूपीआई डे' के पोस्टर लगाए गए। ऑटोमोबाइल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, ज्वेलरी सहित विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े कारोबारियों ने एमडीआर को पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। व्यापारी संगठनों की ओर से यह भी दावा किया गया कि एक दिन के विरोध के कारण करीब 50 करोड़ के कारोबार पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि वास्तविक प्रभाव अलग-अलग बाजारों में यूपीआई के इस्तेमाल और कारोबार की मात्रा पर निर्भर करेगा।

क्या है एमडीआर?: एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भुगतान व्यवस्था से जुड़े पक्षों द्वारा व्यापारी से लिया जाने वाला शुल्क है। सामान्य तौर पर यह लागत व्यापारी स्तर पर होती है, हालांकि व्यापारी संगठनों का कहना है कि अतिरिक्त लागत का असर अंततः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंच सकता है। व्यापारियों का कहना है कि यूपीआई देश की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

विष्णु देव साय ने की नितिन नवीन से मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की।

सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की पहलों की जानकारी साझा की। उन्होंने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे विकास, रोजगार के अवसरों और जनहित से जुड़ी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के विकास

और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के समाधान की दिशा में गुरुवार को कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भाग लिया था।

गांधी जयंती और शास्त्री जयंती पर नितिन नबीन ने दोनों महापुरुषों को किया याद

एजेंसी, नई दिल्ली

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने दोनों नेताओं को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता के विचारों को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक हैं।

नितिन नबीन ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपने जीवन का आधार बनाकर देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। उनके स्वदेशी और स्वावलंबन के विचारों ने आत्मनिर्भर समाज की भावना को मजबूत किया। साथ ही, स्वच्छता को लेकर गांधी जी का आग्रह आज भी लोगों को अपने जीवन और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महात्मा

गांधी के विचार आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर नितिन नबीन ने उन्हें राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा और सादगीपूर्ण जीवन का आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने अपने आचरण और नेतृत्व से सार्वजनिक जीवन में सेवा और कर्तव्य की नई मिसाल कायम की। भाजपा अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री के प्रसिद्ध नारे 'जय जवान, जय किसान' का उल्लेख करते हुए कहा कि लाल बहादुर शास्त्री का यह संदेश आज भी देश की सुरक्षा और किसानों के सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

तमिलनाडु में महिलाओं के लिए 'वेत्री पयणम' शुरू मुख्यमंत्री ने खुद बांटे मुफ्त बस यात्रा के टिकट

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में महिलाओं के लिए विस्तारित मुफ्त बस यात्रा योजना 'वेत्री पयणम' शुक्रवार से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर चेन्नई के कोयम्बेडु बस टर्मिनल से योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 76बी चेन्नई-कांचीपुरम बस में सवार होकर महिला यात्रियों को अपने हाथों से मुफ्त यात्रा के टिकट दिए। 'वेत्री पयणम' के विस्तार के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा अब सरकारी बसों की अतिरिक्त श्रेणियों तक पहुंचाई गई है। योजना के दायरे में एक्सप्रेस, एलएसएस और डीलक्स बसों के साथ शहरों में संचालित सेवाएं तथा लंबी दूरी की सामान्य बसें और

40 किलोमीटर से अधिक के घाट मार्गों पर चलने वाली सामान्य बसें शामिल हैं।

राज्य सरकार के अनुसार, विस्तारित योजना के तहत करीब 12,692 सरकारी बसों को शामिल किया गया है और इससे प्रतिदिन लगभग 84.32 लाख महिलाओं को लाभ मिलने का अनुमान है। योजना का उद्देश्य परिवहन खर्च के कारण महिलाओं की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी गतिविधियों तक पहुंच प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करना है।

♦ गांधी जयंती पर विस्तारित योजना का शुभारंभ, 12,692 सरकारी बसों में मुफ्त सफर का मिलेगा लाभ

पुरानी योजना का हुआ विस्तार: महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा पहले से सामान्य शहरी बसों में लागू थी। नई व्यवस्था के तहत इसका विस्तार बसों की कई अन्य श्रेणियों तक किया गया है। मुख्यमंत्री विजय ने 24 अगस्त को विधानसभा में नियम 110 के तहत योजना के विस्तार की घोषणा की थी और इसे 2 अक्टूबर से लागू करने की बात कही थी। राज्य सरकार के अनुसार, योजना के लिए करीब 6,000 करोड़ रुपये वार्षिक खर्च का अनुमान है। इसके तहत महिलाओं को यात्रा के लिए आय सीमा या प्रतिदिन यात्राओं की संख्या जैसी पाबंदियां नहीं होंगी।

बस में पहुंचे मुख्यमंत्री, यात्रियों को बांटे टिकट: योजना के शुभारंभ के लिए कोयम्बेडु बस टर्मिनल पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विजय ने सबसे पहले महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे चेन्नई-कांचीपुरम मार्ग की 76बी बस में सवार हुए और महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा के टिकट वितरित किए। टिकट मिलने के बाद यात्रियों ने मुख्यमंत्री को मिठाइयां दीं। विस्तारित योजना को राज्य के सात परिवहन उपक्रमों की सेवाओं से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन की पहुंच बढ़ाना और यात्रा खर्च का बोझ कम करना है।

आईसीसी ने जारी किया विश्व कप 2027 का कार्यक्रम, 02 अक्टूबर से होगी शुरुआत, 14 टीमों के बीच खेले जाएंगे 57 मैच

- 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में भारत-पाकिस्तान होंगे आमने-सामने
- 21 नवंबर को होगा फाइनल

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाला टूर्नामेंट 02 अक्टूबर से शुरू होगा और 21 नवंबर को जोहान्सबर्ग में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस विश्व कप में 14 टीमें, 12 आयोजन स्थल और कुल 57 मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 02 अक्टूबर को विंडहोक में तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी। इसके बाद 07 अक्टूबर से मुख्य ग्रुप चरण शुरू होगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 07 अक्टूबर को केपटाउन में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। यह मुकाबला 2023 विश्व कप फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। विश्व कप 2027 में 14 टीमें हिस्सा लेंगी लेकिन अभी तक 10 टीमें ही क्वालिफाई कर पाई हैं। इसमें साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। अन्य चार स्थानों के लिए अगले साल फरवरी-मार्च में 2027 क्रिकेट विश्व कप क्वालिफायर खेला जाएगा। विश्व कप का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। भारत ग्रुप चरण में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, क्वालिफायर टीम और जिम्बाब्वे से भी मुकाबला करेगा। ग्रुप चरण में भारत का अंतिम मैच 24 अक्टूबर को विक्टोरिया फॉल्स में जिम्बाब्वे के खिलाफ होगा।

सात टीमों का होगा सुपर-7 चरण : इस बार विश्व कप का प्रारूप पहले से अलग होगा। 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष तीन टीमें और दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम सुपर-7 चरण में पहुंचेगी। इस चरण में सातों टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और ग्रुप चरण के अंक आगे नहीं ले जाएंगी। सुपर-7 चरण 25 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहला सेमीफाइनल 17 नवंबर को केपटाउन और दूसरा 18 नवंबर को त्शवाने में खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है। फाइनल 21 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होगा। जरूरत पड़ने पर 22 नवंबर रिजर्व डे के रूप में निर्धारित है। विश्व कप के मुकाबले दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया के एक स्थल पर खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट 24 साल बाद पुरुष क्रिकेट विश्व कप की अफ्रीका में वापसी भी होगा।

विश्व कप 2027 के ग्रुप-

ग्रुप ए- अफगानिस्तान, भारत, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, क्वालिफायर-ए

ग्रुप बी- बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, क्वालिफायर-बी

रोहित और विराट ने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही 2027 विश्व कप के लिए दावा ठोका

एजेंसी, नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल उठ रहे थे और कहा जा रहा था कि इन दोनो का समय अब निकल गया है और आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए इन्हें शामिल नहीं किया जाना चाहिये पर इन दोनो ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को करार जवाब दिया है। विराट और रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है और वे विश्कवप के लिए तैयार है। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने शतकीय प्रदर्शनों से इन दोनो ने साबित कर दिया है कि उनमें अभी भी वही दमखम और जीत की भूख है, जो उन्हें शीर्ष पर बनाए

रखती है। इसलिए उनकी विश्वकप के लिए दावेदारी को कमजोर समझना भूल होगी। वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम पर भारी दबाव था। सीरीज के पहले एकदिवसीय में कोहली ने अपने चिर-परिचित अंदाज में 139 रनों की एक अविश्वसनीय नाबाद पारी खेली। इस पारी ने न केवल भारत को शानदार जीत दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया कि रनों की उनकी भूख अभी भी वैसी ही असीमित है, जैसी एक दशक पहले थी। उनकी क्रीज पर मौजूदगी ने टीम को स्थिरता और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा, जो एक अनुभवी बल्लेबाज ही कर सकता है। विराट की उस शानदार दहाड़ के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की धज्जियां उड़ाते हुए 101 रनों की आक्रामक, पारी खेली, जिसने पुराने रोहित की याद ताजा कर दी। उनके बल्ले से निकले छक्के और दर्शनीय पुल शॉट्स उनकी टाइमिंग स्पष्ट प्रमाण थे। इन लगातार दो शतकों के साथ, रोहित और विराट ने यह साफ कर दिया है कि जब दबाव चरम पर होता है, तब अनुभव ही सबसे बड़ा हथियार साबित होता है।

भारतीय क्रिकेट टीम 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

एजेंसी, ऑकलैंड

भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के अलावा टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से शुरु होगा। जो 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर मेजबान कीवी टीम भी इस सीरीज को लेकर तैयारियों में लगी है। टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फॉर्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। । सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी।

3 से शुरु होंगे डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में मुकाबले

एजेंसी, दुबई। पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का तीसरा सत्र शनिवार 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। लीग के पहले दो सत्र इंग्लैंड में सफलतापूर्वक आयोजित होने के बाद, यह पहली बार है जब टूर्नामेंट कहीं ओर खेला जा रहा है। इस लीग में कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे जिसमें भारत के युवराज सिंह के अलावा पाकिस्तान के शाहिद अफ़रीदी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर जैसे खिलाड़ी हैं। यह टूर्नामेंट 3 से 18 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह के शानदार स्टेडियमों में खेला जाएगा। इसमें प्रशंसकों को इन पूर्व क्रिकेटरों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। लीग के पहले दो सत्र इंग्लैंड में सफलतापूर्वक आयोजित होने के बाद, यह पहली बार है जब टूर्नामेंट कहीं ओर खेला जा रहा है। यूएई में इसका आयोजन दक्षिण-एशियाई और प्रवासी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रोमांचक होगा। ये जो अपने पसंदीदा सितारों को अपनी नज़दीक से खेलते हुए देख पाएंगे। लीग ने सत्र 3 के फ़ाइनल कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इस लीग में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट सितारे अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक साथ आएंगे। इनमें इंडिया चैंपियंस, पाकिस्तान चैंपियंस, ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस, इंग्लैंड चैंपियंस, साउथ अफ़्रीका चैंपियंस, वेस्ट इंडीज़ चैंपियंस और बांग्लादेश चैंपियंस जैसी टीमें शामिल हैं।

बाकू में फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगी भारतीय टीम

एजेंसी, बाकू

विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अज़रबैजान के बाकू में इसी माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अज़रबैजान 2026 में खेलती दिखेगी। ये टूर्नामेंट 22 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच

पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं। छह दिनों तक चलने वाले इस विशाल आयोजन में 20 पिचों पर कुल 943 रोमांचक मैच खेले जाएंगे। मैच 8वी8 (आठ बनाम आठ) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का आकार 68 मीटर गुणा 50 मीटर निर्धारित किया गया है, और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन (लगातार खिलाड़ी बदलने की अनुमति) की सुविधा होगी, जिससे कोच अपनी रणनीति में लचीलापन रख सकेंगे और खिलाड़ियों को अधिकतम अवसर दे पाएंगे।

लालरेम्सियामी ने 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए, हॉकी इंडिया ने दी बधाई दी

एजेंसी, काकामिगाहारा

हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड लालरेम्सियामी को देश के लिए 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। उन्होंने यह उपलब्धि एशियन खेल 2026 में चीन के खिलाफ भारत के स्वर्ण पदक मैच के दौरान हासिल की। 26 साल की लालरेम्सियामी ने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और तब से उन्होंने भारतीय महिला टीम में खुद को एक अहम सदस्य के तौर पर स्थापित किया है। उन्होंने कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में योगदान दिया है और टीम की कुछ सबसे बड़ी कामयाबियों में अहम भूमिका निभाई है।

उनके पदक जीतने के सफर में 2018 एशियन खेल में रजत और 2022 में कांस्य पदक शामिल है। साथ ही, वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक था। एफआईएच नेशंस कप में, लालरेम्सियामी ने 2022 और 2026

में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की। उन्हें कॉन्टिनेंटल लेवल पर भी काफी कामयाबी मिली है। वह 2017 में भारत के स्वर्ण पदक जीतने वाले एशिया कप कैंपेन का हिस्सा थीं, जिसके बाद 2022 में ब्रॉन्ज और 2025 में रजत पदक जीता। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में, उन्होंने 2023 और 2024 में स्वर्ण पदक जीता, साथ ही 2018 में रजत पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहीं। पदक जीतने की कामयाबियों के अलावा, लालरेम्सियामी भारतीय महिला हॉकी के ऐतिहासिक कैंपेन का भी हिस्सा रही हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने टोक्यो 2020 में ओलंपिक में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहीं। साथ ही, वह उस टीम का भी हिस्सा थीं जिसने 2026 एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप में पांचवां स्थान हासिल किया - जो 1974 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारत का अब तक का सबसे अच्छा नतीजा था। भारतीय हॉकी में उनके लगातार योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, "हॉकी इंडिया लालरेम्सियामी को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देता है और राष्ट्रीय टीम के प्रति उनके समर्पण, निरंतरता और योगदान की सराहना करता है। 2017 में सीनियर डेब्यू करने से लेकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने तक का उनका सफर उनके कमिटमेंट का सबूत है।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने भी लालरेम्सियामी को शुभकामनाएं दीं।

महासचिव ने कहा, "लालरेम्सियामी का 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना भारतीय हॉकी के लिए गर्व की बात है। उनके कमिटमेंट और लड़ने के जज्बे ने उन्हें इतने सालों में राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है। उन्होंने भारत के कुछ सबसे यादगार अभियानों में योगदान दिया है, और हॉकी इंडिया उन्हें इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देता है।"

टाटा आर्चरी एकेडमी की अंकिता भकत ने एशियन गेम्स में रचा इतिहास, भारत को दिलाया महिला रिकर्व टीम का पहला स्वर्ण

दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराया,टाटा आर्चरी एकेडमी की तीरंदाज की अगुवाई में भारतीय टीम ने तोड़ा सात स्वर्ण का सिलसिला

एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में जमशेदपुर की टाटा आर्चरी एकेडमी (टीएए) की अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज अंकिता भकत ने भारतीय तीरंदाजी के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। अंकिता की अगुवाई वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शुक्रवार को फाइनल में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में एशियन गेम्स के इतिहास में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक है। ऐतिहासिक जीत के बाद टाटा आर्चरी एकेडमी और टाटा स्टील में जश्न का माहौल है। ओकाजाकी में खेले गए फाइनल में अंकिता भकत के साथ कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोड भारतीय टीम

का हिस्सा थीं। मुकाबला शुरुआत से ही कांटे का रहा। भारतीय तीरंदाजों ने दबाव के बीच शानदार संयम बनाए रखा और तीसरे सेट के बाद 4-2 की बढ़त हासिल कर ली। निर्णायक चरण में कुमकुम मोहोड के महत्वपूर्ण 10 अंक ने भारत की स्थिति मजबूत कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने 5-3 से मुकाबला अपने नाम कर इतिहास रच दिया। इस हार के साथ दक्षिण कोरिया का महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में लगातार सात एशियन गेम्स से चला आ रहा स्वर्ण पदक का सिलसिला भी टूट गया। भारत की इस जीत ने एशियन गेम्स में महिला रिकर्व टीम स्पर्धा के इतिहास में नया रिकॉर्ड कायम किया। कोलकाता की रहने वाली अंकिता भकत वर्ष 2014 में महज 16 साल की उम्र में जमशेदपुर स्थित टाटा आर्चरी एकेडमी से जुड़ी थीं। यहीं उन्होंने रिकर्व तीरंदाजी का प्रशिक्षण लिया और पद्मश्री पूर्णिमा महतो समेत अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में अपनी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। अंकिता वर्ष 2022 के एशियन गेम्स में भारतीय महिला रिकर्व टीम के साथ कांस्य पदक जीत चुकी हैं। चार वर्ष बाद उसी स्पर्धा में उन्होंने टीम की अगुवाई करते हुए भारत को स्वर्ण दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अंकिता के नाम विश्व कप और एशियन आर्चरी चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक भी हैं। नवंबर 2025 में उन्होंने एशियन आर्चरी चैंपियनशिप में व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया था। टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुंदर रामम ने अंकिता और पूरी भारतीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि लंबे समय से किए जा रहे प्रशिक्षण, अनुशासन और मजबूत खेल व्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने कहा कि टाटा आर्चरी एकेडमी से निकली अंकिता की सफलता देश के युवा तीरंदाजों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

एशियन खेल : सुजीत की शानदार वापसी, 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में जीता स्वर्ण

एजेंसी, नागोया

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने शुक्रवार को एशियाई खेल-2026 में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में सुजीत ने ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय 2-9 से पीछे चल रहे सुजीत ने लगातार 8 अंक हासिल करते हुए शानदार वापसी की। सुजीत ने स्वर्ण पदक की राह में कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराया। उन्होंने अभियान की शुरुआत अफगानिस्तान के सैयद उमर जाजई के खिलाफ 13-3 की तकनीकी श्रेष्ठता की जीत से की। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ईरान के अब्बास इब्राहिमजादेसवादकौही को बिना कोई अंक गंवाए तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। सेमीफाइनल

में सुजीत का सामना जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका से हुआ। कड़े मुकाबले में सुजीत ने 3-3 की बराबरी के बाद मानदंड के आधार पर जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। 23 वर्षीय सुजीत के लिए यह पहला एशियाई खेल स्वर्ण पदक है। वह एशियाई खेलों में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में स्वर्ण जीतने वाले भारत के तीसरे पहलवान बन गए हैं। उनसे पहले योगेश्वर दत्त ने 2014 और बजरंग पूनिया ने 2018 में इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह 2026 एशियाई खेलों में कुश्ती में भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है। हरियाणा के इमलोटा गांव के रहने वाले सुजीत का जन्म 5 नवंबर, 2002 को हुआ। उनके पिता दयानंद कलकल राष्ट्रीय स्तर के पहलवान रह चुके हैं। सुजीत ने गांव के अखाड़े से कुश्ती की शुरुआत की और 2021 में सोनीपत जाकर अनुभवी पहलवानों के साथ प्रशिक्षण लिया।

एशियन खेल 2026 : परवीन हुड्डा ने 65 किलोग्राम मुक्केबाजी स्पर्धा में जीता स्वर्ण

एजेंसी, नागोया । भारत की परवीन हुड्डा ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला 65 किलोग्राम मुक्केबाजी स्पर्धा के फाइनल में चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को 3-2 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही परवीन एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक्केबाज बन गईं। उनसे पहले मैरी कॉम ने 2014 और लवलीना बोरगोहेन ने इसी टूर्नामेंट में आज 75 किग्रा वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी। फाइनल मुकाबला बेहद कड़ा रहा। दोनों मुक्केबाजों ने पहले राउंड में संभलकर शुरुआत की और शुरुआती क्षणों में आक्रामक होने से बचती रहीं। रेफरी की चेतावनी के बाद परवीन ने निर्णायक प्रहार करते हुए पांचों जजों से 10-9 का स्कोर हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चेन निएन-चिन ने दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की। आक्रामक अंदाज में खेलते हुए उन्होंने सभी पांचों जजों से 10-9 का स्कोर हासिल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक तीसरे राउंड में परवीन ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा और 3-2 के विभाजित फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह 2026 एशियाई खेलों में महिला 65 किलोग्राम मुक्केबाजी की नई भार श्रेणी है। परवीन ने इस वर्ग के पहले एशियाई खेल स्वर्ण पर अपना नाम दर्ज कराया। रोहतक की परवीन का जन्म 15 अप्रैल 2000 को हुआ। वह रोहतक स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेती हैं और टॉप्स विकास कार्यक्रम से जुड़ी हैं। उन्होंने 2022 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कांस्य और उसी वर्ष एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

एशियन खेल 2026: भारतीय मुक्केबाज अंकुश ने 80 किग्रा वर्ग में जीता स्वर्ण

एजेंसी, आइची-नागोया

भारत के अंकुश पंघाल ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुषों के 80 किग्रा मुक्केबाजी वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में अंकुश ने दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 के विभाजित फैसले से हराया। इसके साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में अपनी मुक्केबाजी प्रतियोगिता 3 स्वर्ण और 3 कांस्य समेत कुल 6 पदकों के साथ समाप्त की। अंकुश ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने शुरुआती दौर में राइट हुक और अपरकट के जरिए किम पर दबाव बनाया। दक्षिण कोरियाई मुक्केबाज दूरी बनाए रखने और काउंटर अटैक की कोशिश करता रहा, लेकिन अंकुश के लगातार प्रहारों के सामने वह ज्यादा प्रभावी नहीं दिखा। पहले राउंड में अंकुश ने 4-1 से बढ़त

हासिल की। दूसरे राउंड में अंकुश ने तेज 1-2 पंच और काउंटर अटैक के जरिए अपना दबदबा बनाए रखा। दोनों मुक्केबाजों ने बॉडी शॉट लगाए लेकिन अंकुश की गति और आक्रामकता ने उन्हें बढ़त में रखा। उन्होंने दूसरा राउंड 5-0 से अपने नाम किया। अंतिम राउंड में किम ने वापसी की कोशिश की और कुछ अच्छे पंच लगाए लेकिन अंकुश ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। चार जजों ने अंतिम स्कोर में अंकुश के पक्ष में 30-26 का फैसला दिया और भारतीय मुक्केबाज ने 4-0 से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अंकुश एशियाई खेलों में पुरुष मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष मुक्केबाज बने, जिन्होंने 2018 के बाद यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले अमित पंघाल ने 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। अंकुश की जीत के साथ भारत की 2026 एशियाई खेलों की मुक्केबाजी मुहिम 3 स्वर्ण और 3 कांस्य पदकों के साथ समाप्त हुई। स्वर्ण पदकों की संख्या के लिहाज से यह भारत का एशियाई खेलों में मुक्केबाजी का सबसे सफल अभियान रहा। 2022 के एशियाई खेलों में भारत ने कुल 4 पदक जीते थे, जिसमें 1 रजत और 3 कांस्य शामिल थे।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन जरूर करें ये उपाय, सभी समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में सर्वपितृ अमावस्या को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के नाम से श्राद्ध और पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। अब ऐसे में इस दिन कुछ उपायों को करने से लाभ हो सकता है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू धर्म में सर्वपितृ अमावस्या के पितरों की विदाई की जाती है। पंचांग के अनुसार, हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, दान और श्राद्धकर्म विशेष रूप से करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी कारणवश अगर आप अपने पितरों का श्राद्ध नहीं कर पाएं हैं, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध विशेष रूप से करें। ऐसे में इस सर्व पितृ अमावस्या के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिसे करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए जरूर करें ये उपाय

सर्व पितृ अमावस्या के दिन मनोकामना पूर्ति के लिए तिल का लड्डू बनाएं और मंदिर में जाकर भगवान को भोग लगाएं। साथ ही अपने मनोकामना कहें। इससे आपको लाभ हो सकता है। साथ ही उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। आप इस दिन घर के मंदिर में पूजा करने के दौरान भोग लग सकते हैं।

ईशान कोण दिशा में जलाएं चौमुखी दीपक

ईशान कोण को हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में एक बहुत ही पवित्र स्थान माना जाता है। इसे देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा करने और दीपक जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। ईशान कोण में दीपक जलाने से घर में धन का आगमन होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए उपाय

सर्वपितृ अमावस्या एक ऐसा पर्व है जो हमारे पूर्वजों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ और दान का फल बहुत जल्दी मिलता है। इतना ही नहीं, इस दिन मां लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाएं और 108 बार मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। इससे आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा सर्व पितृ अमावस्या के दिन तुलसी माला से 21 बार जप करें। इससे आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

श्राद्ध करने से उतरता है पूर्वजों का ऋण

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें।

पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

पितृपक्ष में श्राद्ध के समय आखिर चावल से ही क्यों बनाए जाते हैं पिंड?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियां भी दूर हो जाती है। अब ऐसे में पितृपक्ष में चावल से पिंड बनाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में पितृपक्ष में दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि अगर विधिवत रूप से पितरों के नाम से पिंडदान किया जाए, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिलते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। पिंडदान करना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। अब ऐसे में पिंडदान करने के दौरान हर बातों का ध्यान विशेष रूप से रखा जाता है। जिस तरह कुशा से पितरों का तर्पण किया जाता है। ठीक वैसे ही पिंडदान करने के लिए आटे के पिंड बनाएं जाते हैं और चावल के पिंड पितरों के निमित्त बनाएं जाते हैं। वहीं पितृपक्ष में दान के समय चावल से ही क्यों पिंड बनाने का महत्व है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान का विशेष महत्व होता है। इस दौरान चावल से पिंड बनाकर पितरों को अर्पित किया जाता है। चावल को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, पितरों को अर्पित करने के लिए चावल का उपयोग किया जाता है। चावल प्रकृति का एक महत्वपूर्ण अंग है और यह भोजन का आधार है। चावल के पिंड से यह संदेश जाता है कि हम प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और पितरों को भी प्रकृति का आशीर्वाद प्रदान करना चाहते हैं। हिंदू धर्म में अन्नदान को पुण्य का काम माना जाता है। चावल का पिंड बनाकर पितरों को अर्पित करना भी एक प्रकार का अन्नदान ही है।

चावल से है चंद्रमा का संबंध

चंद्रमा के माध्यम से पिंड पितरों तक पहुंचता है। इसलिए पिंड बनाने के लिए चावल सबसे उत्तम माना जाता है। चावल को सुख-शांति और मोक्ष का भी कारक माना जाता है। इसलिए पितृपक्ष में दान के समय चावल का इस्तेमाल विशेष रूप से करने की मान्यता है। इतना हीं नहीं, चावल से पिंड बनाकर दान करने से व्यक्ति को कभी भी आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

पितृपक्ष में नहीं करते हैं पूर्वजों का श्राद्ध तो हो सकते हैं बड़े नुकसान

पितृपक्ष दिवंगत आत्माओं को समर्पित है। साथ ही, उन्हें प्रसन्न करने, क्षमा मांगने और पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए भी ये 15 दिन अहम माना जाता है। पूर्वज सांसारिक यात्रा समाप्त कर मृत्यु के बाद परलोक पहुंचते हैं। शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि, परलोक में लोगों को न तो अन्न मिलता है और न ही उन्हें जल मिलता है। ऐसे में, पुत्र-पौत्रादि जब पितरों का तर्पण या श्राद्धकर्म करते हैं, तो यह सीधी पूर्वजों को लगता है। इससे पितृ संतुष्ट होते हैं और अपने वंश को फलने-फूलने का आशीर्वाद भी देते हैं। वहीं, शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि अगर पितृपक्ष के दौरान पितरों का श्राद्ध न हो, तो वे दुखी हो जाते हैं और श्राप देकर वापस अपने लोक लौट जाते हैं। ऐसे में, जातकों को कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शांति और सुख का अभाव

पितृपक्ष में पितरों को अपने वंशों से आशा रहती है कि वे उनका श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करेंगे और इसी आशा के साथ आश्विन मास में पितृपक्ष के दौरान पूर्वज धरती पर आते हैं। ऐसे में, अगर उनके वंशज श्राद्ध न करें तो पितर प्रसन्न नहीं होते हैं और व्यक्ति के जीवन में शांति और सुख का अभाव रहता है। जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

हो सकते हैं परेशान

पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध-तर्पण न करने से पितृ अतृप्त रहते हैं और वे अपने वंशों को आशीर्वाद देने के बजाय कष्ट पहुंचाते हैं। ऐसे में, आपको पितृदोष लगता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार, जिस कुल में श्राद्ध कर्म नहीं होता है। वहां दीर्घायु या निरोगी संतानों का जन्म नहीं होता है। साथ ही, ऐसे परिवार में खुशिया कम ही आती हैं। पितृ दोष के कारण व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में नुकसान, धन हानि और गरीबी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

संतान पर पड़ता है बुरा असर

पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म न करने से वंशजों के जीवन में बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल आपके जीवन को बल्कि आपके संतान को भी मुसिबत में डाल देता है। यही नहीं, आने वाली पीढ़ियां भी इससे प्रभावित होती हैं। इसका बुरा फल उन्हें भी झेलना पड़ता है। इसका परिणाम वंशजों को जीवनभर और हर पीढ़ी को झेलना पड़ जाता है।

मृत्यु के बाद आखिर क्यों किया जाता है पिंडदान, जानें इसका महत्व

हिंदू मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष में मृत पूर्वजों के लिए पिंडदान करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि यह एक दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने का अनुष्ठान है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान के बिना मृत आत्मा को मुक्ति नहीं मिलती है और वो इधर उधर भटकती रहती है। गया और अन्य स्थानों में पिंडदान बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है और ये मुख्य रूप से उस व्यक्ति की संतान या किसी निकट के रिश्तेदार द्वारा ही किया जाता है। पितृ पक्ष वो समय होता है जब मृत पूर्वज धरती पर आते हैं और अपने वंशजों से प्रसन्न होने पर उन्हें सफल और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद देते हैं।

गरुड़ पुराण के अनुसार यदि मृत व्यक्ति का पिंडदान नहीं किया जाता है तो ये घर के अन्य सदस्यों के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है।

क्या होता है पितृ पक्ष

अश्विन के हिंदू महीने के दौरान एक पखवाड़ा मृत पूर्वजों को समर्पित होता है और इस अवधि को पितृ पक्ष कहा जाता है। यह चरण, जो 16 दिनों तक चलता है इसमें कोई भी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे किसी भी अनुष्ठान की मनाही होती है। पितृ पक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ होता है जो मां दुर्गा को समर्पित शारदीय नवरात्रि की शुरुआत का प्रतीक मानी जाती है। पितृ पक्ष से जुड़ी कई मान्यताओं में तर्पण और पिंडदान भी शामिल हैं जो पितरों की शांति के लिए अच्छे माने जाते हैं।

पिंडदान क्या होता है

पिंडदान किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु के बाद हिंदुओं द्वारा किया जाने वाला एक पवित्र अनुष्ठान है। गरुड़ पुराण के अनुसार स्वर्ग लोक में जाने वाली आत्मा की शांति के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य है। यह मृतकों के लिए सांसारिक आसक्तियों से राहत प्रदान करने और अंतिम मोक्ष पाने के लिए किया जाता है। पिंडदान मृत पूर्वजों के लिए एक प्रसाद स्वरूप होता है। इसे मुख्य रूप से पके हुए चावल को काले तिल के साथ मिलाकर बनाया जाता है। इस मिश्रण के छोटे-छोटे पिंड या गोले बनाकर पूर्वजों के नाम से चढ़ाया जाता है जिससे पितरों को शांति और मोक्ष मिल सके।

पितृ दोष निवारण

यह अनुष्ठान उन लोगों के लिए होता है जिनके घर में पितृ दोष होता है। इस पूजा में तर्पण कर्म, ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्र और पितृ आराधना बड़ी ही विधि विधान के साथ की जाती है।

काल सर्प योग पूजा

इस तरह का पिंडदान उन लोगों द्वारा किया जाता है जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष होता है और जो आर्थिक नुकसान से पीड़ित होते हैं और अपने परिवार में सुख समृद्धि बनाए रखने में असफल होते हैं।

त्रिपिंडी श्राद्ध और पिंडदान

यह अनुष्ठान उन प्रियजनों के उद्धार के लिए किया जाता है जिनकी अप्राकृतिक परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है और उनकी आत्मा किसी वजह से अतृप्त है।

पिंडदान का महत्व

पिंड दान एक अत्यंत महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जो कई पापों से मुक्ति के साथ पितरों की तृप्ति के लिए किया जाता है। यह अनुष्ठान दिवंगत आत्मा को पुनर्जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है। पिंडदान आत्मा को सांसारिक भौतिकवादी बंधनों से अलग करने के लिए भी आवश्यक माना जाता है जिससे विकास की यात्रा में आगे बढ़ा का सके। ऐसी मान्यता है कि यदि पिंडदान नहीं किया जाता है तो पितरों की आत्मा दुखी और असंतुष्ट रहती है। पुराणों के अनुसार पिंड दान दिवंगत आत्मा को ज्ञान दिखाने में मदद करता है और उन्हें मोक्ष की ओर ले जाता है। यह संस्कार परिवार के सुख, समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

पिंडदान कौन कर सकता है

शास्त्रों की मानें तो मृत व्यक्ति को स्वर्ग का मार्ग उसका पुत्र ही दिला सकता है। इसलिए मान्यता है कि पुत्र को ही श्राद्ध और पिंडदान का पहला हक है। पुत्र न होने पर परिवार के अन्य किसी रिश्तेदार या पंडित के द्वारा ही पिंडदान हो सकता है। वैसे धर्म की मानें तो पिता का श्राद्ध बेटे के द्वारा ही होना चाहिए। बेटा न होने पर पिंडदान का हक़ पत्नी को भी दिया गया है और पत्नी की अनुपस्थिति में भाई या कोई करीबी यह अनुष्ठान कर सकता है। यदि मृत व्यक्ति के एक से अधिक पुत्र हैं तो पिंडदान सबसे बड़े पुत्र को ही करना चाहिए। यदि दिवंगत का बेटा भी नहीं है तो उसका पिंडदान और श्राद्ध पोते के द्वारा भी किया जा सकता है।

अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने काफी मदद की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने बातचीत की। दिव्या दत्ता ने कहा, ''सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूं और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।' इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूं, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।''

दिव्या ने आगे कहा, ''वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।'' इस बीच, 'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलते मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के बदले बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लग्जरी टावर बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि, मनोज बाजपेयी का किरदार वहां से जाने से इनकार कर देता है और इस तरह वह पुनर्विकास योजना के रास्ते में अकेली बड़ी बाधा बन जाता है।

सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ

बोलीं-बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री

बॉलीवुड में सहायक निर्देशक से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी वाघ पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह है कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को 'मैय्या यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूं और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी।'

अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने की वजह बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, इन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के विचार से प्यार करना सिखाया।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पर्दे पर हमेशा से ही रोमांस करना पसंद है। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने बताया, 'मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा है, जिस तरह से आप एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी बता सकते हैं। इसलिए सूरज बड़जात्या जी की 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ इसका अनुभव करना अविश्वसनीय रूप से खास लग रहा है।'

शरवरी ने कहा, 'यह एक खूबसूरत पल जैसा लग रहा है, उस तरह के बॉलीवुड को जीने का, जिसे देखते हुए और जिसके सपने देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं। मैं सच में इसके हर पल का आनंद ले रही हूं।' फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें फिल्म की हल्की झलक देखने को मिली। हालांकि फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस फिल्म से राजश्री का आइकॉनिक किरदार 'प्रेम' 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे।

....ऐसे शुरू हुई स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन की लव स्टोरी

गायक स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, 'हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।' स्टेबिन बेन ने बताया, 'इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बातें करने लगे। मैंने नुपूर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं। नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाया हुआ 'मेरा दिल भी कितना पागल है' का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, 'उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।' नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शाही शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफल्स होटल में हुई। कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वेडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।

सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में होगा जबरदस्त एक्शन

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं मच अवेटेड फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टारर फिल्म 'मॉन्स्टर', जिसे श्री वेंकटेश्वरा क्रिएशंस के बैनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वामशी पैडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिन के बड़े शेड्यूल के लिए मुंबई में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शंस सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। सूत्र ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, 'मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिन के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एग्जीक्यूशन पर बहुत काम कर रही है।

वाणी कपूर संग पहली बार नजर आएंगे इश्वाक सिंह

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। इस बारे में खास बातचीत में इश्वाक ने कहा...

बेहतरीन टीम के साथ काम करने में आया मजा

फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।'

2023 में पूरी हुई थी शूटिंग अब रिलीज का इंतजार

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'

क्या है कहानी

'सर्वगुण संपन्न' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शक्ल एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे समाज और शादी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रयरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पॉल और श्वेता पासरिचा भी नजर आएंगे। फिल्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।

हॉरर थ्रिलर प्रोजेक्ट से जुड़े अजय देवगन

अजय देवगन की अपकमिंग हॉरर थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक टाइटल सामने आया है। इस फिल्म के निर्देशक रोहित जुगराज हैं। पहले इस प्रोजेक्ट को 'गृह प्रवेश' के नाम से जाना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म का नाम 'सूर्य प्रकाश' रखा गया है।

किससे प्रेरित है कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुपरनैचुरल थ्रिलर एक रहस्यमयी और नैतिक रूप से जटिल दुनिया को दिखाएगी, जिसमें देवगन एक ऐसा किरदार निभाएंगे जो उनकी हालिया फिल्मों के किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। कहा जाता है कि इसकी कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित है, जो एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। यह ग्रंथ पारंपरिक रूप से भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

'सूर्य प्रकाश' टाइटल इस कहानी में रहस्य और रोमांच की एक और परत जोड़ता है, जिसमें हॉरर, मिस्ट्री और सस्पेंस का मिश्रण होने की उम्मीद है। फिल्म का प्रोडक्शन दो सितंबर को शुरू हुआ और इसके नवंबर तक चलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, मेकर्स इसे 2027 की दूसरी छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत और अभिषेक पाठक, देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से नाता

'सुर्य प्रकाश' के निर्देशक रोहित जुगराज का हॉरर जॉनर से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 2003 में अजय देवगन की फिल्म 'भूत' में राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद जुगराज ने 'सरदारजी' फिल्में डायरेक्ट कीं और 'ये काली काली आंखें' और 'चमक' जैसे स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया। 'सूर्या प्रकाश' पर देवगन के साथ उनका काम सुपरनैचुरल जॉनर में एक और कोशिश है, जो इस बार एक मिस्ट्री-बेस्ड कहानी के जरिए सामने आएगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

अजय देवगन जल्द ही रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म 'गोलमाल' सीरीज की पांचवीं फिल्म है। खास बात यह है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार भी जुड़े हैं। बताया जाता है कि वह इस फिल्म में विलेन का किरदार करेंगे। अजय देवगन 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की तैयारी कर रहे हैं, जो इस पॉपुलर थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला चैप्टर है।